राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 रवि बिश्नोई भविष्य में इस महान लेग स्पिनर की तरह बनने की क्षमता...

भारतीय-अमेरिकी सांसदों को शीर्ष पदों पर किया गया नियुक्त... 12

वर्ष : 10 | अंक : 262 | पटना, शुक्रवार, 03 फरवरी, 2023 | पौष शुक्ल चतुर्थी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

ब्लिंकन से मिले डोभाल, वैश्विक चुनौतियों से निपटने को बढ़ रहा भारत-अमेरिका सहयोग

- भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व अमेरिकी विदेश मंत्री की वार्ता
- द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने को दोनों देश प्रतिबद्ध

वाशिंगटन, एजेंसी

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपनी अमेरिका यात्रा में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की है। इस मुलाकात में कहा गया कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत-अमेरिका सहयोग बढ़ रहा है। दोनों नेताओं ने कहा कि द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल इस समय एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका दौरे पर हैं। इस दौरान अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ उनकी मुलाकात में वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों के विविध आयामों पर वार्ता हुई। इस वार्ता के बाद ब्लिंकन ने ट्वीट कर कहा कि अमेरिका वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। उन्होंने ट्वीट में कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने पर

चर्चा करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के साथ उनकी अच्छी बैठक हुई है। ब्लिंकन व डोभाल के बीच बैठक को लेकर भारतीय दूतावास ने भी एक ट्वीट किया। भारतीय दूतावास की ओर से किये गए ट्वीट में कहा गया कि दोनों पक्षों ने आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचारों का आदान-प्रदान किया।

भारत, अमेरिका में शोध परियोजनाओं के चयन व वित्त पोषण प्रक्रिया को सुगम बनाने पर समझौता : एनएसएफ

वाशिंगटन। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जो दोनों देशों के वैज्ञानिकों और अभियंताओं के बीच अनुसंधान परियोजनाओं के चयन और वित्त पोषण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। विज्ञान और इंजीनियरिंग के सभी गैर-चिकित्सा क्षेत्रों में मौलिक अनुसंधान और शिक्षा का समर्थन करने वाली अमेरिका की एक स्वतंत्र एजेंसी नेशनल साइंस फाउंडेशन (एनएसएफ) ने बुधवार को कहा कि इस व्यवस्था के तहत व्यापक अवसर हैं तथा कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, भूविज्ञान, गणित व भौतिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, उभरती प्रौद्योगिकियों में सामरिक प्राथमिकताओं और शोधकर्ता हितों को आसानी से समायोजित किया जा सकता है।

मौसम

अधिकतम तापमान 25.0°C

न्यूनतम तापमान 12.0°C

बाजार

सोना	56,00
चांदी	53,300
सेंसेक्स	54,306
निफ्टी	22,503

संक्षिप्त खबरें

नवादा में हुई सड़क दुर्घटना से मुख्यमंत्री मर्माहत

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नवादा जिले के अम्बिका बिगहा में ट्रक और ऑटो की टक्कर में हुये सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री ने इस हादसे में सभी पांच घायलों के समुचित इलाज के भी निर्देश दिए हैं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

जम्मू में कई विस्फोटों में शामिल आतंकवादी गिरफ्तार: डीजीपी दिलबाग सिंह

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने कहा कि लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी को कई विस्फोटों में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह आतंकवादी पहले एक सरकारी स्कूल का शिक्षक था। वह वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस में हुए विस्फोट की घटना में भी कथित तौर पर शामिल था। सिंह ने पत्रकारों को बताया कि जम्मू के नरवाल में हाल ही में हुए दोहरे विस्फोट की जांच के बाद रियासी जिले के निवासी आरिफ को गिरफ्तार किया गया।उसके पास से एक आईईडी (संवर्धित विस्फोटक उपकरण) भी बरामद किया गया है, जिसे ईत्र की बोतल के अंदर लगाया गया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रमुख ने कहा कि पहली बार केंद्र शासित प्रदेश में इस तरह का बम बरामद हुआ है। सिंह ने बताया कि आरिफ कथित तौर पर अपने पाकिस्तानी आकाओं के इशारे पर काम कर रहा था और वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस में विस्फोट में शामिल होने की बात उसने स्वीकार की है। इस विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई थी और 24 अन्य घायल हुए थे।

नगालैंड में भाजपा 20 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, उम्मीदवारों की सूची जारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी नगालैंड विधानसभा चुनाव नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेगी। इसके तहत एनडीपीपी के खाते में 40 और भाजपा के खाते में 20 सीटें गई हैं। राज्य में 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए 27 फरवरी को चुनाव होगा। भाजपा ने इन 20 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी कर दी। पार्टी की नगालैंड इकाई के अध्यक्ष तेमजेन इम्ना अलॉन्ग को पार्टी ने अलोंगटाकी सीट से उम्मीदवार बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी और जे पी नड्डा की अध्यक्षता में बुधवार को हुई पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक में उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया गया।

समाधान यात्रा : मुख्यमंत्री ने सहरसा जिले में विकास योजनाओं का लिया जायजा, समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

बिहार जैसे गरीब राज्य के लिए बजट में कुछ नहीं, हमलोगों की डिमांड को भी नहीं माना गया : नीतीश कुमार

बोलें- महत्वपूर्ण योजनाओं की राशि में की गई है कटौती

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केन्द्रीय बजट पर दो टूक में कहा कि बिहार जैसे गरीब राज्य के लिए बजट में कुछ भी नहीं, हमलोगों की डिमांड को भी नहीं माना गया। वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ बैठक में जो मांगें रखी थीं उसे पूरा नहीं किया गया है। हमलोग 45 प्रतिशत फिस्कल डेफिसीट चाह रहे थे उसको भी इनलोगों ने नहीं बढ़ाया है। इसे 3 प्रतिशत पर ही रहने दिया गया है। ऐसा होता तो हमलोग अपने राज्य के हित में बाहर से भी कर्ज ले सकते थे,लेकिन इसे बढ़ाया ही नहीं गया है। केंद्र सरकार की योजना में एक हिस्सा केंद्र सरकार का जबकि दूसरा हिस्सा राज्य सरकार का होता है। इसके कारण राज्य को अपने हित में काम करने को लेकर पैसे नहीं बचते है। राज्य सरकार का पैसा केंद्र सरकार की योजनाओं में खर्च हो जाता है। केंद्रीय योजनाओं में 40 प्रतिशत तक राशि राज्य सरकार के द्वारा दी जाती है। केंद्र सरकार को अपने बल पर केंद्रीय योजनाएं बनानी चाहिए।

केंद्रीय योजना में नाम केंद्र का होता है जबकि पैसा राज्य सरकार का भी खर्च होता है। जब केंद्रीय योजनाओं मे राज्य सरकार अपना पैसा खर्च करती है तो राज्यों को केंद्रीय मदद मिलनी चाहिए। केंद्र सरकार से राज्यों को मिलने वाली राशि का बड़ा हिस्सा केंद्रीय योजनाओं में ही खर्च हो जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि कोई राज्य अपने विकास के लिए बाहर से ऋण ले तो उसके लिए उसका लिमिट बढ़ाना चाहिए, तभी राज्यों का विकास होगा। हमलोग यही चाह रहे है। सभी तरह की दिक्कतों के बावजूद बिहार काफी आगे बढ़ा है। हमलोग काफी पहले से विशेष राज्य के दर्जे की मांग कर रहे हैं लेकिन वे लोग सुन ही नहीं रहे हैं। विशेष राज्य का दर्जा मिलने से बिहार जैसे दूसरे अन्य पिछड़े राज्य भी आगे आगे बढ़ जाते पिछड़े राज्यों का विकास होने से देश का ही विकास

होता। मुख्यमंत्री गुरूवार को सहरसा जिले में समाधान यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह बातें कही।

मनरेगा व किसान सम्मान निधि योजना की राशि घटा दी गई है, यह ठीक नहीं : रेल बजट का आकार बढ़ने से बिहार को होने वाले फायदे के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें बिहार को कुछ नहीं मिलने वाला है। सभी महत्वपूर्ण योजनाओं की राशि में कटौती कर दी गई है। मनरेगा और किसान सम्मान निधि योजना की राशि घटा दी गई है, यह ठीक नहीं है। मनरेगा काफी पुरानी योजना है। यह योजना विकास के लिए काफी जरूरी है। मनरेगा के लिए 2022-23 में जो 73,000 करोड़ रुपये का प्रोविजन था अब उसे घटाकर 60,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसी तरह से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लिए 2022-23 में 68 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था जिसे घटाकर अब 60,000 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इस तरह इस योजना में इस बार 8,000 करोड़ रुपये की कटौती कर दी गयी है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की भी राशि 2.167 करोड़ रुपये कम कर दी गई है। राष्ट्रीय शिक्षा मिशन में 600 करोड़ रुपये घटा दिये गये हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कम राशि का आवंटन किया गया है। इस तरह महत्वपूर्ण योजनाओं की राशि में कटौती कर दी गई है। बिहार की सात निश्चय योजना की तरह ही इन लोगों ने सप्तऋषि योजना शुरू करने की बात की है। हमलोग बिहार में सात निश्चय योजना काफी पहले से चला रहे हैं। अब बिहार में सात निश्चय-2 चलाई जा रही है। सप्तऋषि योजना में कोई खास चीज नहीं है। केंद्र सरकार के द्वारा लोगों के हित में कोई काम नहीं हो रहा है। ग्रामीण इलाकों के लिए महत्वपूर्ण योजनाओं की राशि में कटौती कर दी गयी है। केंद्रीय बजट में बिहार को बहुत कुछ मिलने के भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी के बयान पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को कहां कुछ मिला है। उनके नाम पर हमसे क्यों पूछते हैं, वो तो ऐसे ही बोलते रहेंगे।

चंवर क्षेत्र का करें विकास, इससे आमदनी बढ़ेगी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरूवार को समाधान यात्रा के क्रम में सहरसा जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत चल रही विकास योजनाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सहरसा जिलान्तर्गत बलहापट्टी पंचायत के ग्राम बलहा गढ़िया का भ्रमण कर हर घर नल का जल, हर घर तक गली और नाली निर्माण, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना सहित अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से संवाद कर उनकी समस्यायें सुनीं पंचायत सरकार भवन बलहापट्टी का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने ग्राम कचहरी कक्ष, ग्राम पंचायत राज पुस्तकालय, सरपंच एवं उप सरपंच कक्ष, ग्राम कचहरी न्यायालय आदि का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सतत जीविकापार्जन योजना के लाभार्थी जीविका दीदियों को सांकेतिक चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग अंतर्गत कंदाहा मत्स्य ग्राम के एरियल मानचित्र का अवलोकन कर अधिकारियों से चंवर क्षेत्र के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंवर क्षेत्र को उपयोगी बनाने के लिये

कई जगहों पर नीचे मछली ऊपर बिजली के कॉन्सेप्ट पर काम किया गया है। इसी तर्ज पर कंदाहा मत्स्य ग्राम के अंतर्गत आने वाले चंवर क्षेत्र का विकास करें, इससे लोगों की आमदनी काफी बढ़ेगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के अंतर्गत जिला अस्पताल सहरसा को मॉडल अस्पताल के रूप में विकसित करने के निर्माण कार्य का शिलापट का अनावरण एवं फीता काटकर उद्घाटन किया।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, योजना एवं विकास बिजेंद्र प्रसाद यादव, जल संसाधन सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा, शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर मंत्री ऊर्जा, पंचायती राज मंत्री सह सहरसा जिले के प्रभारी मंत्री मुरारी प्रसाद गौतम, सांसद दिनेश चंद्र यादव, विधायक युसूफ सलाउद्दीन, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आएस नट्टी, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

भारत जोड़ो यात्रा : तीसरा चरण 4 फरवरी से सीतामढ़ी से पटना तक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी की भारत जोड़ो यात्रा के तीसरे चरण की शुरूआत 4 फरवरी को मां जानकी के भूमि सीतामढ़ी से होकर शिवहर, पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर होते हुए वैशाली से पटना आकर ठहराव होगी। इस आशय की जानकारी देते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि मंदार पर्वत बांका से प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में चले इस पदयात्रा में अब तक दो चरण पूरे हो चुके हैं। उसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए दूसरे चरण की यात्रा जो सीतामढ़ी पहुँचकर ठहराव दी गयी थी उसकी शुरूआत वहीं से पुनः होगी। इस पदयात्रा में प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में गांव-गांव गली-गली हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा के प्रेम, सद्भाव और संदेश को लेकर कांग्रेसजन उपरोक्त जिलों में जाएंगे। इस यात्रा में बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्तचरण दास, विधानमंडल में दल के नेता अजीत शर्मा, विधान परिषद में दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, सेवादल, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित राष्ट्रीय व प्रदेश सहित जिलों से बड़ी संख्या में नेतागण और सभी प्रकोष्ठों के कांग्रेसजन शामिल होंगे।

पूमरे महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने दोहरीकरण कार्य का किया निरीक्षण

- महाप्रबंधक ने रेणकूट में हिंडाल्को के उच्चाधिकारियों के साथ लोडिंग पर की परिचर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने सिंगरौली और महदिया के मध्य चल रहे दोहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया । इसके बाद महदिया से गढ़वा होते हुए सिगसिगी तक निरीक्षण किया। इसी क्रम में उन्होंने रमना-सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना के तहत पूरे किये कार्यों एवं चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक ने रेलवे ट्रैक, रेल पुलों, सिगनल प्रणाली, समपार फाटकों, प्वाइंट एवं क्रॉसिंग सहित संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का गहन जायजा लिया। इसके साथ ही मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की साफ-सफाई तथा यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने रेणकूट में हिंडाल्को के उच्चाधिकारियों के साथ लोडिंग पर परिचर्चा की । निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक, धनबाद एवं निर्माण संगठन तथा इकरकॉन के अधिकारीगण शामिल थे ।

मुख्यमंत्री ने समाधान यात्रा के क्रम में सहरसा जिले की समीक्षात्मक बैठक की

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ छात्रों को समय पर मिले : सीएम

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समाधान यात्रा के क्रम में सहरसा जिले में विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे विकास योजनाओं की प्रगति के संबंध में विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में शामिल जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं रखीं। जनप्रतिनिधियों की समस्याओं के यथाशीघ्र समाधान हेतु मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग

के अधिकारियों को निर्देश दिया। बैठक में मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हर घर नल जल योजना के तहत कराये गये कामों को मेंटेन रखें। नये बसावट के लोगों को भी यह सुविधा उपलब्ध करायें। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ छात्रों को समय पर मिले। इंजीनियरिंग कॉलेजों में छात्रों के आवासन की सुविधा उपलब्ध हो इसका प्रबंध सुनिश्चित करें। छात्रावास निर्माण में यदि जमीन संबंधित समस्या उत्पन्न होती है तो वैसी स्थिति में मल्टी स्टोरी छात्रावास भवन का निर्माण करायें। उच्चतर षिक्षा हेतु महिलाओं को दी जाने वाली प्रोत्साहन राषि का भुगतान ससमय करायें। किसानों के साथ गड़बड़ करनेवाले सरकारी अधिकारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। जिलाधिकारी सहरसा आनंद शर्मा ने मुख्यमंत्री को पौधा, पाग एवं अंगवस्त्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया। बैठक में जिलाधिकारी सहरसा आनंद शर्मा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जिले में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। बैठक में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, मंत्री ऊर्जा सह योजना एवं विकास बिजेंद्र प्रसाद यादव, वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, जल संसाधन सह सूचना एवं जन-संपर्क मंत्री संजय कुमार झा, शिक्षा मंत्री चंद्र शेखर, पंचायती राज मंत्री सह सहरसा जिले के प्रभारी मंत्री मुरारी प्रसाद गौतम, सांसद दिनेश चंद्र यादव, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

चर्चा | **संसद में हंगामा, विपक्ष ने कहा- संसद या सुप्रीम कोर्ट की कमेटी जांच करे**

अडाणी मामले पर जेपीसी गठित हो या फिर उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच कराई जाए : विपक्ष

अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर गुरुवार को संसद में जमकर हंगामा हुआ। पूरे विपक्ष ने अडाणी ग्रुप के वित्तीय लेनदेन की जांच संसदीय पैनल या सुप्रीम कोर्ट की कमेटी से कराने की मांग की। इस मुद्दे पर हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा को कार्यवाही शुरू होते ही पहले दोपहर 2 बजे तक और फिर अगले दिन तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने बृहस्पतिवार को अडाणी एंटरप्राइजेज मामले पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा की मांग की और यह आग्रह भी किया कि इस प्रकरण की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित की जाए या फिर उच्चतम न्यायालय की निगरानी में इसकी जांच हो। अडाणी सहित विभिन्न मुद्दों पर हंगामे के कारण लोकसभा और राज्यसभा की बैठक दोपहर दो बजे तक स्थगित होने के बाद राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संवाददाताओं से कहा, हम यह कहना चाहते हैं कि सरकार क्यों दबाव बनाकर ऐसी कंपनियों को कर्ज दिलवा रही है? उन्होंने कहा, लोगों के हितों और एलआईसी, एसबीआई के निवेश को ध्यान में रखते हुए, हम चर्चा की मांग कर रहे हैं। हमारी मांग है कि जेपीसी गठित करके इसकी जांच हो या उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के नेतृत्व में इसकी जांच हो। कई विपक्षी नेताओं की मौजूदगी में खरगे ने कहा, जांच होने पर प्रतिदिन रिपोर्ट जनता के समक्ष रखी जाए ताकि पारदर्शिता

रहे और लोगों को विश्वास रहे कि उनका पैसा बचा है। इससे पहले, इस विषय पर विपक्षी दलों के हंगामे के कारण संसद के दोनों की कार्यवाही बाधित हुई।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, संसद के दोनों सदनों को आज दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया क्योंकि सरकार एलआईसी, एसबीआई और अन्य सार्वजनिक संस्थानों द्वारा दबाव में किए गए निवेश की जांच के लिए संयुक्त विपक्ष की मांग पर सहमत नहीं हुई।

उन्होंने दावा किया कि ऐसे निवेश के मूल्यों में कमी के कारण आज करोड़ों भारतीयों की बचत खतरे में है। इससे पहले, बृहस्पतिवार सुबह खरगे के संसद भवन स्थित कक्ष में हुई बैठक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय एवं डेरेक ओब्रायन, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, द्रमुक की कनिमोई, समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के संजय राउत और कुछ अन्य दलों के नेता मौजूद थे। विपक्षी दलों ने फैसला किया है कि वे दोनों सदनों में अडाणी एंटरप्राइजेज से जुड़ा मुद्दा उठाएंगे और इस पर चर्चा की मांग करेंगे। खरगे ने अडाणी एंटरप्राइजेज का प्रत्यक्ष उल्लेख किए बिना राज्यसभा में नियम 267 के तहत कार्यस्थगन का नोटिस दिया था। नोटिस में मांग की गई थी कि बाजार में पूंजी गंवाती कंपनियों में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के निवेश के मुद्दे पर चर्चा कराई जाए। लोकसभा में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने भी कार्यस्थगन का नोटिस देकर अडाणी एंटरप्राइजेज के मुद्दे पर चर्चा की मांग की। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने ट्वीट कर कहा कि अडाणी प्रकरण पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन होना चाहिए। गौरतलब है कि अडाणी एंटरप्राइजेज ने बुधवार को अपने 20 हजार करोड़ रुपये के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) को वापस लेने और निवेशकों का पैसा लौटाने की घोषणा की। हालांकि, कंपनी के एफपीओ को मंगलवार को पूर्ण अभिदान मिल गया था। समझा जाता है कि अडाणी एंटरप्राइजेज ने यह कदम अमेरिका की शॉर्टसेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद उठाया है। इस कारोबारी समूह ने रिपोर्ट को निराधार बताया था।

संक्षिप्त खबरें

संत समागम को ले अखंड पाठ

पटना सिटी (प्राकि)। संत बाबा भाग सिंह, करतार सिंह व त्रिलोचन सिंह की स्मृति पर आयोजित होने वाले संत समागम को लेकर तख्तश्री पटना साहिब में 28 लड़ियों में श्री गुरु ग्रंथ साहिब का रखा गया अखंड पाठ गुरुवार को फिर से रखा गया। इससे पहले चल रहे अखंड पाठ की समाप्ति हुई। इसके बाद पंजाब के कपूरथला के संत बाबा अवतार सिंह के नेतृत्व में पाठी ने अखंड पाठ शुरू किया। अखंड पाठ का सिलसिला आठ फरवरी तक चलेगा। उसी दिन संत समागम होगा।

टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन कल करेंगे नंदकिशोर

पटना सिटी (प्राकि)। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की सिटी शाखा द्वारा संचालित टीकाकरण केंद्र का उद्घाटन चार फरवरी को किया जाएगा। इसका उद्घाटन विधानसभा में आंतरिक संसाधन एवं केंद्रीय सहायता समिति के सभापति सह विधायक नंदकिशोर यादव करेंगे। इस अवसर पर महापौर सीता साहू मुख्य अतिथि होंगी। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, बिहार के चेयरमैन डॉ विनय बहादुर सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। गांधी सरोवर स्थित मातृ शिशु कल्याण केंद्र परिसर में टीकाकरण केंद्र शुरू होने से आसपास के नवजात से लेकर 16 वर्ष के बच्चों को विभिन्न रोगों से लड़ने के लिए आवश्यक प्रतिरोधी टीके लगाए जा सकेंगे। रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष गोविंद कानोडिया ने बताया कि टीकाकरण हर माह के प्रथम सप्ताह के चार तारीख को सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक होगा। उन्होंने बताया कि यहां सभी तरह के टीके लगाए जाएंगे, जिसमें डीपीटी, ओपीवी, बीसीजी, पेंटा, मिजल्स रूबेला, जापानी इंसेफलाइटिस, पीसीवी, एफआइपीवी आदि प्रमुख हैं।

हजरत मखदूम शाह मोहम्मद मुनइम पार्क का सालाना उर्स 4 व 5 को

हजरत मखदूम शाह मोहम्मद मुनइम पाक का सालाना उर्स का आयोजन खानकाहे मुनेमिया, मितन घाट में चार और पांच फरवरी को आयोजित किया गया है। इस संबंध में सज्जादानशी सैयद शाह शमीम अहमद ने बताया कि शनिवार को नमाज फजर के बाद गुस्ल मजार शरीफ, इत्र व पहला कुल होगा। मगरिब की नमाज के बाद मजलिसे तजकीर, तकरीर व मशाएखे केराम व इजरा आऔरादे शरफी होगा। इशा की नमाज के बाद जुलूसे चादरपोशी व कुल मजार मुबारक पर कुल और मजलिसे समा खानकाह में आयोजित किया गया है। इसके दूसरे दिन रविवार को फजर की नमाज के बाद कुरानखानी होगा। इसके बाद पूर्वाह्न नौ बजे फातेह से मनी शेख शरफुद्दीन बूअली शाह कलंदर रह., पूर्वाह्न 10.30 में कुल हजरत मौलाना सैयद शाह मो मंजूर मुनएमी, 11 बजे दिन में मजलिसे समा और नमाजे मगरिब के बाद उर्स व जश्ने विलादत हजरत मौला ए कायनात अलैह, मजलिसे समा व कुल के साथ आयोजन की समाप्ति होगी।

जिला संवर्ग के प्रारंभिक शिक्षकों का ऐच्छिक स्थानांतरण की मांग

बिहार अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ पटना महानगर के सचिव सूर्यकांत गुप्ता के नेतृत्व में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने जिला के शिक्षा विभाग के स्थापना शाखा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को ज्ञापन सौंप जिले के अंदर पदस्थापित जिला संवर्ग के प्रारंभिक विद्यालयों के शिक्षकों का स्थानांतरण अविलंब करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि पटना जिला में पदस्थापित, जिला संवर्ग के प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों से नौ माह पहले ही आवेदन जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा लिया गया था, परंतु अनेक माह बीत जाने के बाद भी शिक्षकों का स्थानांतरण नहीं किया गया है। इससे स्थानांतरण के लिए प्रतीक्षारत शिक्षकों में क्षोभ एवं रोष है।

लॉ कालेज घाट पर जमा मलबा से नाराजगी

पटना सिटी (प्राकि)। सरस्वती पूजा में स्थापित प्रतिमाओं का विसर्जन गंगा तट पर बने कृत्रिम तालाब में कराया गया। इसके बाद उसका मलबा लॉ कॉलेज घाट पर जमा होने से स्थानीय नागरिकों और छात्रों में आक्रोश है। इन सबों का कहना है कि सुबह व शाम की सैर के लिए जमा ढांचा के ढेर से आने वालों को परेशानी होती है। ऐसे में इसकी सफाई करायी जाए। कर्मियों की मानें तो इसके लिए संवेदक को दायित्व दिया गया था, लेकिन दो दिनों के बाद ही संवेदक कार्य छोड़ कर चला गया। इससे यह स्थिति बनी हुई है। पूर्व मुख्य सफाई निरीक्षक कृष्ण नारायण शुक्ला का कहना है कि लॉ कॉलेज घाट पर बने कृत्रिम तालाब से प्रतिमाओं का ढांचा निकाल दिया गया है। निगम की गाड़ी से शुक्रवार तक सफाई करा दी जाएगी। विदित हो कि पटना नगर निगम के द्वारा सभी घाटों पर अभियान चलाकर सफाई का काम कराया गया था, मगर सरस्वती पूजा के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन होने के बाद उस ओर ध्यान नहीं दिया गया है। संवेदक भी तालाब बनाने के बाद उसमें पानी भर दिया और इसके बाद उसने खानापूर्ति कर चलता बना।

शोषण से मुक्ति का सशक्त स्वर थे शहीद जगदेव प्रसाद

बेगमपुर स्थित जगदेव पार्क में हुआ आयोजन

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बिहार के लेनिन के रूप में मशहूर, पिछड़ों एवं अभिवंचितों के अधिकार के लिए अपने प्राण की आहूति देने वाले शहीद जगदेव प्रसाद की 101वीं जयंती पर कुशवाहा एकता कल्याण समिति द्वारा जयंती पर्व का आयोजन किया गया। इसका आयोजन श बेगमपुर स्थित शहीद जगदेव पार्क में किया गया था। इसका शुभारंभ पार्षद तारा देवी, पार्षद किरण मेहता, पार्षद मनोज मेहता, पूर्व पार्षद बलराम चौधरी, पूर्व पार्षद शिव मेहता, समाजसेवी बृजानंद मेहता, कुशवाहा नंदन आदि अतिथियों की मौजूदगी में शहीद जगदेव की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ हुआ। कार्यक्रम में शहीद जगदेव प्रसाद के साथ काम कर चुके समाजसेवी एवं पर्यावरणविद् अभियंता डॉ सीपी सिन्हा द्वारा शहीद जगदेव प्रसाद की स्मृति चिह्न के रूप में पवित्र नारियल के पौधे का रोपण रहा। अपने उद्गार व्यक्त करते हुए पार्षद तारा देवी ने कहा कि शहीद जगदेव प्रसाद व्यवस्था परिवर्तन के लिए संघर्ष एवं अभियान के प्रतीक थे। सभा में पार्षद किरण मेहता ने कहा कि शहीद जगदेव ने समाज में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक गैरबराबरी को समाप्त कर न्यायसम्मत समाज के निर्माण की सर्वदा वकालत की। सभा को संबोधित करते हुए युवा नेत्री सुमन सौरभ ने कहा कि शहीद जगदेव जी के सपनों को साकार तब तक नहीं किया जा सकता है, जब तक पिछड़े एवं अभिवंचितों तक शिक्षा की रोशनी नहीं पहुंचती है। समाजसेवी डॉ एकबाल अहमद ने कहा कि जगदेव बाबू एक समान तथा अनिवार्य शिक्षा के पैरोकार थे तथा शोषितों की मुक्ति के लिए विधान मंडलों में समुचित प्रतिनिधित्व के समर्थक थे। पूर्व पार्षद शिव मेहता ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले, ई. वी रामास्वामी पेरियार, डॉ अंबेडकर और मानवतावादी रामस्वरूप वर्मा के विचारों को कार्यरूप देने वाले शहीद जगदेव प्रसाद ही थे। पूर्व पार्षद बलराम चौधरी ने कहा कि जगदेव बाबू ने न केवल सामाजिक असमानता खत्म करने हेतु ह्यब्राह्मण-भंगी एक समानह्न की पैरवी की, बल्कि व्यक्ति को कर्मठ बनाने के लिए पुनर्जन्म एवं भाग्यवाद का विरोध भी किया। सभा को धीरज कुमार मेहता, विजय कुमार सिंह, शिव प्रसाद मेहता, अजीत सिंह कुशवाहा, देवरत्न प्रसाद, अजय मेहता, मनोज कुमार कुशवाहा, छोटू मेहता, दिनेश मेहता, पंकज कुशवाहा आदि ने भी संबोधित किया। सभा की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष विनय कृष्ण मौर्य ने, अतिथियों का स्वागत अमरनाथ प्रसाद और धन्यवाद ज्ञापन अरुण कुमार मेहता ने किया। इस अवसर पर पप्पू मेहता, श्रवण मेहता, अलख मेहता, डॉ राजेंद्र प्रसाद सिंह, शंभूनाथ मेहता, ओमप्रकाश महतो, दिनेश कुमार, रविरंजन चौधरी, सतीश मेहता, अर्जुन प्रसाद, देवनारायण प्रसाद, रघुनाथ प्रसाद, लीलाधर गुड्डू, गौतम महतो, राजेश कुमार सिंह, संतोष गिरि, मनीष कुमार आदि मौजूद थे।

टायर दुकान पर लगे लोहे के कर्कट काटकर की गई चोरी

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर खगौल। थाना क्षेत्र के अंतर्गत। गुरुवार की देर रात गरीखाना स्थित डाक बंगला के पास 1 टायर दुकान में छत पर लगे लोहेके कर्कट को काटकर चोरों ने दुकान मे रखे लगभग 25 हजार रुपए नगद व कीमती सामान पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। इस संबंध में पीड़ित दुकान मालिक मोहम्मद शाहिद ने बताया कि बुधवार की रात 9 बजे दुकान बंद करके अपने घर चले गए। जब सुबह स्टाफ द्वारा 9 बजे दुकान खोली गई तब दुकान में चोरी होने की सूचना हमे दुकान स्टाफ ने दिया। इस चोरी की घटना में लगभग नगद समेत लगभग 50 हजार का समान पर चोरों ने हाथ साफ किया है। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर की तस्वीरें कैद हो चुकी है। वही सगुना दानापुर रेलवे स्टेशन मेन रोड स्थित शिवम टाइल्स में चोरों ने 31 जनवरी की देर रात दुकान के ऊपर लोहे के करकट को काटकर दुकान में प्रवेश करते हुए तिजोरी में रखे लगभग 2 लाख 80 हजार रुपए चोर उड़ा ले गए। इस संबंध में खगौल अपर थाना प्रभारी अनिरुद्ध कुमार शर्मा ने बताया कि सीसीटीवी कैमरा द्वारा चोरों की पहचान की जा रही है। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन में जुट गई है।

कड़ी चौकसी के बीच दूसरे दिन भी बगहा में इंटर की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा के दूसरे दिन गुरुवार को सभी आठ परीक्षा केंद्रों पर समय से परीक्षा शुरू हुई. परीक्षा केंद्रों पर विधि व्यवस्था व कदाचार मुक्त शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा संपन्न कराने को लेकर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिस जवान सक्रिय रहे. नगर क्षेत्र में सभी परीक्षा केंद्रों पर लगातार सभी अधिकारियों का नजर बना रहा. इंटरमीडिएट परीक्षा के दूसरे दिन पहली पाली में भौतिकी और दूसरी पाली में अंग्रेजी की परीक्षा आयोजित हुई।

दूसरे दिन परीक्षा के दौरान दोनों पालियों को मिलाकर 34 छात्राएं अनुपस्थित रही. इस प्रकार प्लस टू एनबीएस हाई स्कूल नरईपुर में पहली पाली भौतिकी में 62 में 62 छात्रा उपस्थित रही. वही दूसरी पाली अंग्रेजी में 627 में 4 अनुपस्थित रही. वही आदर्श मध्य विद्यालय पटखौली में प्रथम पाली में 16 में 16 उपस्थित रहे तथा दूसरी पाली में 294 में 1 अनुपस्थित रही. वही प्लस टू सहकारिता प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय पटखौली बगहा दो पहली पाली में 81 में 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित तथा दूसरी पाली में 662 में 5 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे. साथ ही बीबीएन कॉलेज औसानी बगहा दो में पहली पाली में 75 में 1 अनुपस्थित रही. वही दूसरी पाली में 387 में 1 छात्रा अनुपस्थित पाई गयी. प्लस टू डीएम एकेडमी बगहा एक में पहली पाली 127 में सभी उपस्थित रही. वही दूसरी पाली में 685 में 8 छात्रा अनुपस्थित रही. प्लस टू प्रोजेक्ट गर्ल हाई स्कूल बगहा एक पहली पाली में 38 में 38 उपस्थित और दूसरी पाली में 558 में 2 अनुपस्थित रही. वही पं. उमाशंकर तिवारी महिला महाविद्यालय बनकटवा बगहा एक में पहली पाली में 78 में सभी उपस्थित रहे और दूसरी पाली में 647 में 5 अनुपस्थित रही. जबकि मॉन फोर्ट पब्लिक स्कूल बनकटवा बगहा एक में पहली पाली में 92 में 92 छात्रा उपस्थित रही. वहीं दूसरी पाली में 276 में 3 अनुपस्थित रही।

2023 का आम बजट प्रधानमंत्री के संकल्प और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को पूरा करने का बजट है : राज्यसभा सांसद, सतीश चंद्र दुबे

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा बुधवार को वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अमृत काल के पहले वर्ष का बजट पेश किया जिसमे सबसे ज्यादा लाभ बिहार राज्य को मिलेगा यह बातें प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा के राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे ने बताई। इन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2014 से अभी तक जिस तरह से हमारी सरकार सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के रस्ते चल रही हैं। यह आने वाले कुछ वर्षों में हमारा देश विश्व के एक विकसित राष्ट्र बनने के रास्ते पे चल रहा हैं। आज प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्त्व में अमृत काल का यह बजट देश के अंतिम छोर पर खड़े प्रति व्यक्ति को कैसे लाभ मिले कैसे एक नौकरी करने वाले लोगो को लाभ मिले कैसे नए नए स्टार्टअप को लाभ मिले कैसे मेडिकल की सुविधा आम जनमानस को आसानी से मिले ऐसे बहुत से विषयों को ध्यान में रख कर बनाया गया हैं। राज्यसभा सांसद सतीश चंद्र दुबे ने वित मंत्री को ध्यन्यवाद दीया की उन्होंने इस बजट को इस प्रकार बनाया हैं गाँव के किसान से लेकर देश के व्यवसाइयो सहित सभी लोगो को लाभ मिलेगा। इन्होंने आगे बताया कि बिहार के कुछ नेता बोल रहे हैं की बजट में बिहार से सौतेला व्यवहार किया गया हैं। इनका एक ही राग हैं की बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। जबकि बिहार को इतना लाभ मिला रहा हैं की बिहार की सरकार अगर सही तरीके से इम्प्लीमेंटे करें तो आज बिहार पिछड़े राज्य से विकासशील राज्य की ओर बढ़ सकता हैं। पर इन्हें बिहार को आगे बढ़ाने से मतलब नहीं हैं आज बिहार का क्या हाल हैं आप सब जानते हैं इस बजट में बिहार को केंद्रीय करों में हिस्से के रूप में मिलेंगे 1लाख 7 हजार करोड़ रु. दिए। गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि में 66 फीसद वृद्धि कर इसमें 79000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ हि बिहार को 13000 करोड़ के व्याजरहित ऋण उपलब्ध कराये जायेगे।आज इतने वर्षों में पहली बार रेलवे को 2.40 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह राशि 2013-14 की तुलना में 9 गुना अधिक है। सभी पैक्सों के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2516 करोड़ और कृषि ऋण से किसानों की मदद के लिए 20 लाख करोड़ का प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवथा को गति और शक्ति प्रदान करेगा।

आप आयकर छूट की सीमा को देख लीजिए जिसमे देश के सभी मध्यम वर्ग के लोगों को कितनी बड़ी राहत डी गई हैं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए सावधि जमा की सीमा 15 लाख से बढा कर 20 लाख की गई। महिलाओं को दो साल के लिए 2 लाख रुपये जमा करने पर अब 7.5 फीसद व्याज मिलेगा। यह बजट प्रधानमंत्री के संकल्प और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को पूरा करने वाला बजट है। इस बजट से समाज के हर वर्ग को फायदा होगा।

विकास का नया आयाम गढ़ने की ओर अग्रसर है कबीर मठ फतुहा

- 3.84 करोड़ की केन्द्रीय सहायता से होगा मठ का विकास
- साम्प्रदायिक सौहार्द का सांस्कृतिक केन्द्र बनेगा कबीर मठ फतुहा - महंथ ब्रजेश मुनि

प्रात :किरण संवाददाता

फतुहा। शहर में दरियापुर स्थित आचार्य गद्दी कबीर मठ फतुहा बिहार का सार्वजनिक आध्यात्मिक सांस्कृतिक केन्द्र रूप में विकसित होने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है और इसका सम्पूर्ण श्रेय जाता है यहाँ के प्रबंधक, न्यासधारी महंथ रह चुके वर्तमान में मठ के संरक्षक महंथ ब्रजेश मुनि को संचित और प्रारब्ध कमार्नुसार कियमान जीवन में कबीरपंथी परिवार में जन्म ग्रहण कर जन्मजात कबीरपंथी संस्कार के साथ पले बढ़े ब्रजेश मुनि ने अपने मोहनपुर दियारा राघोपुर स्थित अपने जन्म स्थान को कबीर चौरा धाम नाम देकर स्वयं कबीरपंथी मठों का नेतृत्व करने का संकल्प लिया। पिछले दिनों 21 से 23 जनवरी तक त्रिदिवसीय सद्गुरु कबीर महापरिनिर्वाण दिवस एवं गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज का प्रकाश उत्सव सांस्कृतिक मेला के रूप में आयोजित किया। इस सांस्कृतिक मेला में गुरूग्रंथ साहिब का अखण्ड पाठ, स्कूली बच्चों के बीच कबड्डी, दौर आदि प्रतियोगिता तथा अन्तर्राज्यीय कुश्ती का आयोजन किया जिसमें कबीर मठ फतुहा में हरियाणा, मध्यप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार के पहलवानों ने भाग लिया। ब्रजेश मुनि के इस आयोजन से कबीर मठ फतुहा के विकास की नयी आशा जगी जब मुख्य समारोह में पधारे केन्द्रीय संस्कृति एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 3.84 करोड (तीन करोड़ चौरासी लाख) कबीर मठ में कबीर अकादमी एवं शोध संस्थान, सभागार, पुस्तकालय सह वाचनालय, संग्रहालय आदि निर्माण के लिए केन्द्र सरकार स्तर से उपलब्ध कराने की घोषणा की।

12वीं के छात्रों को दी गई विदाई

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर खगौल। नगर के पूर्व मध्य रेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल दानापुर में 11वीं 12वीं के कला एवं विज्ञान के छात्र छात्राओं को सम्मान पूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मंच संचालन अमन परमार एवं कृति कुमारी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से की गई।कक्षा 11 व12 के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया वही 12 के छात्र सतीश कुमार को मिस्टर ईसीआर एवं जाह्नवी राज एवं भावना सैवी को संयुक्त रूप से मिस ईसीआर का अवार्ड दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य ज्ञानेश्वर ने अपने उद्बोधन में छात्रों को परीक्षा संबंधी मार्गदर्शन दिए वही शिक्षक विजय कुमार सिंह ने छात्रों को 3 डी फॉमूर्ला का सूत्र देते हुए कहा कि ड्यूटी, डिवोशन एवं डिसिप्लिन से जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है। अन्य वक्ताओं में उप प्राचार्य सुधीर शांडिल्य, गजेंद्र चौधरी, विजय शेखर प्रकाश शामिल रहे। मौके पर विशेष गरिमामयी उपस्थिति डीसी पासवान,नजमा खानम, मोहम्मद औरंगजेब, विनोद सिन्हा, संजीव कुमार, पुष्पा पांडे, गिरजा कुमारी, जितेंद्र प्रसाद, मीनू कुमारी, जी के सिन्हा और भी गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

मुसल्लहपुर बाजार समिति देश का स्वच्छ व सुंदर बनेगा : निगमायुक्त

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना का मुसल्लहपुर बाजार समिति प्रांगण देश का सबसे स्वच्छ और सुन्दर बनेगा। इसे पटल पर लाने के लिए नगर निगम बांकीपुर के कार्यपालक पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बाजार समिति का निरीक्षण कर पटना फ्रूट मर्चेंट एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बाजार समिति प्रांगण में स्वच्छता को लेकर बैठक की ' इसमें एसोसिएसन की ओर से निर्णय लिया गया कि जिस सक्रियता से निगमायुक्त अनिमेश पराशर मुसल्लहपुर बाजार समिति प्रांगण में स्वच्छता अभियान पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, उसी के तहत आयुक्त का अभिनन्दन बुधवार को किया जाएगा ' इस अवसर पर बांकीपुर अंचल के कार्यपालक पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह, वार्ड पार्षद सतीश गुप्ता, एसोसिएसन के महासचिव मो भुट्टो खान, उपाध्यक्ष छोटे खान, सचिव सहजाद आलम, अवधेश कुमार चंद्रवंशी, संगठन सचिव शमशाद आलम, कोषाध्यक्ष मो वसीम, पाटलिपुत्रा नगर विकास समिति के अध्यक्ष रितेश कुमार बबलू, नगर निगम के अविनाश कुमार, रवि कुमार आदि उपस्थित थे।

पूर्व बिहार केशरी स्वर्गीय रामधनी यादव की धर्म पत्नी का निधन

प्रात :किरण संवाददाता

बगहा पूर्व बिहार केसरी स्वर्गीय रामधनी यादव की पत्नी शांति देवी का 80 वर्ष के उम्र मे गुरुवार की सुबह निधन हो गया । इनके निधन से क्षेत्र में मातम छा गई। इन्होंने ने अपने पीछे भरापुरा परिवार छोड़कर चली गई। बताते चलें कि शांति देवी को दो पुत्र और दो पुत्रियां से भरा पूरा परिवार है। इनके बड़े पुत्र पप्पू यादव राजद के जिला उपाध्यक्ष के साथ-साथ एमएलसी प्रतिनिधि भी हैं। दूसरा पुत्र मनीष कुमार क्षेत्र के जाने-माने किसान है। वही इनकी बड़ी पुत्रवधू लक्ष्मी कुमारी चमवलिया पंचायत की मुखिया है।

सतनाम सिंह बजाज तख्तश्री पटना साहिब नतमस्तक हुए

पटना सिटी (प्राकि)। शिरोमणि अकाली दल दिल्ली स्टेट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनाम सिंह बजाज परिवार सहित तख्तश्री पटना साहिब में नतमस्तक हुए। यहां तख्तश्री पटना साहिब के हैड ग्रंथी के द्वारा उन्हें आशीष रूप में सिरोपा प्रदान किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनाम सिंह बजाज दिल्ली की बड़ी सिंह सभाओं में से एक राजौरी गार्डन गुरुद्वारा साहिब में भी बतौर उपाध्यक्ष के पद पर सेवा निभा चुके हैं। इस मौके पर उन्होंने तख्तश्री कमेटी के प्रवक्ता सुदीप सिंह और सुपरिटेंडेंट के साथ मिलकर अनेक पंथक मसलों पर विमर्श किया। कमेटी की ओर से सतनाम सिंह बजाज को तख्त पटना साहिब में चल रही सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई और नई बनने वाली सराय के लिए दिल्ली की संगत के सहयोग की बात भी की गई।

2023 आम बजट का मतलब चुनावी बजट:भाई उत्कर्ष

प्रात :किरण संवाददाता

बगहाकिसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष भाई उत्कर्ष ने बताया की यह बजट चुनावी बजट है जो आम चुनाव को देखते हुए बनाया गया है और इससे सिर्फ झुनझुना हाथ लगने वाला है, कर प्रणाली इतना दुरूह कर दिया गया है की आम आदमी असमंजस की स्थिति में है, युवाओं में स्किल गैप पर कोई ध्यान नही दिया गया है, स्वास्थ, रक्षा और शिक्षा बजट घटाकर नागरिकों के साथ छलावा किया गया है, महिलाओ के सशक्तिकरण पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया है,,देश का रीढ़ यानी किसानों को सिर्फ लॉलीपॉप दिखाकर छोड़ दिया गया है,किसान सम्मान योजना राशि तीन हजार करने के अपने वादे को भुला दिया गया है इससे किसान अपने को ठगा महसूस कर रहे हैं..निश्चित ही यह बजट देखकर आम जनता अगले आम चुनाव इस डपोरशंखी सरकार को सबक सिखाएगी

खर्च

-पहले कार्यकारिणी, फिर आमसभा की बैठक में लिया गया निर्णय

जेएम प्रथम श्रेणी आशुतोष अभिमन्यु के कोर्ट नहीं करेंगे अधिवक्ता

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी और आमसभा की बैठक में व्यवहार न्यायालय पटना सिटी के न्यायिक दंडाधिकारी आशुतोष अभिमन्यु के न्यायालय में न्यायिक कार्य अनिश्चितकाल तक नहीं करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के आलोक में पटना सिटी अधिवक्ता संघ के महासचिव अशोक कुमार ने एडीजे-1, जिला एवं सत्र न्यायाधीश और पटना उच्च न्यायालय के निरीक्षी न्यायाधीश को दो फरवरी को जारी पत्र संख्या 24 के माध्यम से अवगत करा दिया गया है। इस संबंध में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी आशुतोष अभिमन्यु के द्वारा अधिवक्ताओं के साथ दुर्व्यवहार करने, समय पर न्यायिक कार्य नहीं करने, अधिवक्ताओं को बिना सुने आदेश करने और मनमाने ढंग से कार्य करने के विरोध में यह निर्णय लिया गया है। उनके द्वारा अनेक बार मुवक्किल के सामने ही अधिवक्ताओं को अपमानित किया जाता है। इस संबंध में एक फरवरी को संघ के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में हुई। इसमें उपाध्यक्ष अवधेश कुमार, धनुषधारी सिंह, महासचिव अशोक कुमार, कोषाध्यक्ष रंजीत कुमार विमल, संयुक्त सचिव संजीव आनंद, सहायक सचिव पुरुषोत्तम कुमार सिंह, मनोज कुमार सिन्हा,रामकृष्ण यादव के अलावा शिवनंदन तिवारी, कुमार नीरज, राजकिशोर पंडित के अलावा संरक्षक नवीन कुमार सिन्हा आदि ने बैठक कर इस मसले पर विमर्श किया। इसके बाद दो फरवरी को आमसभा अधिवक्ताओं की बुलाई गई और इसमें सवार्नुमति से प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी आशुतोष अभिमन्यु के न्यायालय में न्यायिक कार्य अनिश्चितकाल तक नहीं करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि कुछ और कोर्ट ऐसे हैं, जो महज अधिवक्ताओं की बातों को सुनते हैं, मगर उस पर कोई आदेश पारित नहीं करते हैं। ऐसे कोर्ट से भी आग्रह किया गया है कि पहले कोरोना काल और उसके बाद हर मुकदमे पर कम से कम दो माह पर तारीख दिए जाने से अधिवक्ताओं की प्रैक्टिस प्रभावित हो रही है। ऐसे में जिस तारीख और दिन को मुकदमे की सुनवाई की जाती है, उसे पूरी तरह से सुनकर आदेश पारित करने की दिशा में कार्रवाई की जाए, ताकि मुकदमों का निष्पादन और मुवक्किल को न्याय भी मिल सके।

बाजार समिति में चला स्वच्छता अभियान, बांटा डस्टबीन

पटना सिटी (प्राकि)। बाजार समिति मुसल्लहपुर में दुकानदारों के बीच डस्टबिन का वितरण गुरुवार को पटना फ्रूट एसोसिएशन के अध्यक्ष शशिकांत प्रसाद पप्पू के नेतृत्व में किया गया। इसमें पार्षद सतीश कुमार ने दुकानदारों को डस्टबिन दिया। इससे पहले निगमकर्मियों के साथ समिति के परिसर को स्वच्छ व सुंदर बनाये रखने में सफाई अभियान चलाते हुए झाड़ू लगाया और पानी का छिड़काव किया गया। आयोजन में उपाध्यक्ष जय प्रकाश वर्मा, महासचिव कुमार मंगलम, मो हसनैन, मो शहजाद आलम, गौरव कुमार, ओमप्रकाश गुप्ता, आलम, कविता कुमरी, पुरुषोत्तम कुमार आदि शामिल हुए।

जयंती पर याद किये गये बिहार लेनिन, धूमधाम से मनी जगदेव प्रसाद की जयंती

जगदेव बाबू के सपने को साकार कर रहे नीतीश कुमार : उमेश कुशवाहा

● गुमराह करने वालों से सावधान रहने की है जरूरत

पटना। बिहार के लेनिन, महान राजनेता अमर शहीद जगदेव प्रसाद जी का जन्म शताब्दी समारोह जदयू कार्यालय स्थित कपूर्री सभागार में गुरूवार को जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में धूमधाम से मनाई गयी। सर्वप्रथम प्रदेश अध्यक्ष कुशवाहा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं जगदेव बाबू के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर श्री कुशवाहा कहा कि जगदेव बाबू शुरू से ही शोषितों, पिछड़ों, दलितों और वंचितों के लिए लड़ाई लड़ते रहे। मात्र 52 वर्ष की अल्पायु में उनके द्वारा स्थापित आदर्श, उनकी सोच और उनके आदर्श हमसबके लिए प्रेरणास्रोत हैं। डॉ. राम मनोहर लोहिया ने पिछड़ा पावे सौ में साठ का नारा बुलंद किया था, जगदेव बाबू ने उसे विस्तार देते हुए 50 साल पहले सौ में नब्बे शोषित हैं, शोषितों ने ललकारा है। धन-धरती और राजपाट में नब्बे भाग हमारा है का नारा दिया जो बिहार की राजनीति का केन्द्रबिन्दु बन गया था। श्री कुशवाहा ने कहा कि जगदेव बाबू का संघर्ष, उनके उठाए सवाल, उनके पीछे खड़ी जमात और उनका कद इतना बड़ा था कि वो आज भी हमारे बीच मौजूद हैं और आज से 50 साल बाद भी उनका नाम लिए बगैर बिहार की राजनीति पूरी नहीं होगी। सबके लिए आज संतोष और गर्व की बात है कि हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जगदेव बाबू के सपने को साकार कर रहे हैं। उनके रहते कोई भी शोषितों, पिछड़ों और दलितों का आरक्षण नहीं छीन सकता। कहा कि आज कुछ लोग शहीद जगदेव बाबू का नाम लेकर लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। उनसे सावधान रहने की जरुरत है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद मंगनी लाल मंडल, बिहार सरकार के मंत्री शीला मंडल, मदन सहनी, सुनील कुमार एवं जयंत राज, विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय गांधी, सांसद संतोष कुशवाहा, सुनील कुशवाहा एवं महाबली सिंह, पूर्व सांसद राम कुमार शर्मा, पूर्व मंत्री राम सेवक कुशवाहा, कृष्ण नंदन वर्मा, भगवान सिंह कुशवाहा, मंजू वर्मा एवं संतोष कुमार निराला, विधायक निरंजन मेहता, विजय सिंह निषाद सहित बड़ी संख्या में पूर्व विधायक, पार्टी के नेता- पदाधिकारी व कार्यकर्तओं ने बाबू जगदेव बाबू को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्षों को याद कर समाजिक सरोकार की प्रेरणा ली।

जगदेव बाबू के अधूरे सपने को पूरा करेगा राजद : जगदानंद सिंह

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में गुरूवार को अमर शहीद जगदेव प्रसाद की 101 वीं जयंती प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर अमर शहीद जगदेव प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि अमर शहीद जगदेव प्रसाद सामाजिक न्याय के योद्धा थे। उन्होंने दलितों, पिछड़ों और अकलियतों की एकता के लिए जीवन भर संघर्ष करते रहे। वे बिहार लेनिन के नाम से जाने जाते हैं। शहीद जगदेव बाबू समतामूलक एवं शोषण विहीन समाज बनाना चाहते थे। उनका नारा था सौ में नब्बे शोषित है, नब्बे भाग हमारा है, दस का शासन नब्बे पर नहीं चलेगा नहीं चलेगा। उन्होंने 90 के हक और अधिकार का नारा दिया था जो अभी भी अधूरा है। राष्ट्रीय जनता दल उनके आदर्शो पर चलकर उनके अधूरे सपने को पूरा करने के लिए लालू प्रसाद के नेतृत्व में मजबूती से लड़ाई लड़ रहा है। इस अवसर पर अमर शहीद जगदेव प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण करने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, बिनू यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुबोध कुमार मेहता, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ तनवीर हसन, सीताशरण बिन्द, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, मृत्युंजय तिवारी, प्रदेश संगठन महासचिव राजेश यादव, प्रदेश महासचिव धर्मेन्द्र पटेल, मदन शर्मा, मो फैयाज आलम कमाल, निराला यादव, डॉ कुमार राहुल सिंह, ई अशोक यादव, भाई अरूण कुमार, संजय यादव, प्रो कुमार चन्द्रदीप, देवकिशुन ठाकुर, निर्भय अम्बेदकर, सारिका पासवान, गुलाम रब्बानी, डॉ उर्मिला ठाकुर, अशोक कुमार गुप्ता, महेन्द्र प्रसाद विद्यार्थी, उमेश पंडित, विजय कुमार यादव, प्रमोद कुमार सिन्हा, प्रदीप मेहता, अरूण कुमार यादव, उपेन्द्र चन्द्रवंशी, मो लुकमान, तौकीर आलम, पी के मिश्रा, सुजीत कुमार, ई संजय यादव, ओम प्रकाश चैटाला, पृथ्वीराज चैहान, कलावती देवी, अवधेश यादव केदारनाथ यादव, अजीत तिवारी, जितेन्द्र कुमार शर्मा, आलोक कुमार यादव, विमल यादव, अवधेश कुशवाहा, अकलू राम के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धाजंलि अर्पित की।

अमर शहीद के विचारों पर चलने की जरूरत : हम से.

पटना । हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्यूलर के संस्थापक बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के 12एम स्ट्रैंड रोड पटना में हम पार्टी के पंचायती राज्य के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व प्रत्याशी नाथनगर अजय राय द्वारा आयोजित स्वर्गीय जगदेव प्रसाद जयंती समारोह को युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र शास्त्री के द्वारा हम पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं द्वारा धूमधाम से मनाई गई। हम पार्टी द्वारा आयोजित स्वर्गीय जगदेव प्रसाद की जयंती समारोह के अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार सरकार में अनुसूचित जाति ,जनजाति कल्याण मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने स्वर्गीय जगदेव प्रसाद के तेल चित्र पर पुष्पांजलि कर अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया । डॉ संतोष कुमार सुमन ने कहा कि हमारी पार्टी गरीबों की पार्टी है ।स्वर्गीय जगदेव प्रसाद कि मानने वाले हैं ।वह एक महान व्यक्ति थे, वह अपने समय में बिहार के लेनिन माने जाते थे ।हमें उनके विचारों पर चलने की जरूरत है। स्वर्गीय जगदेव प्रसाद के जयंती समारोह में राजेश्वर मांझी, श्यामसुंदर शरण, गीता पासवान, राजन सिद्दीकी, अमरेंद्र कुमार त्रिपाठी आदि नेताओं ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया ।

सदाकत आश्रम में मनी ललित नारायण मिश्र की जयंती

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री ललित नारायण मिश्र की 101वीं जयन्ती मनायी गयी। जयन्ती समारोह की अध्यक्षता बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधान पार्षद डा समीर कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर ललित बाबू के प्रति श्रद्धाँजलि अर्पित करते हुए डा समीर कुमार सिंह ने कहा कि ललित बाबू विकास पुरूष थे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के सदस्य के रूप में उन्होंने स्वतंत्रता से पहले उपेक्षित कोशी एवं मिथिला क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिये अनेक कार्यक्रम चलाये। ललित बाबू के प्रयास से मिथिला पेंटिंग को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति और स्थान मिला। रेल एवं सड़क मार्ग के विकास के लिये ललित बाबू ने कोशी एवं मिथिलांचल क्षेत्र में कई योजनाएँ कार्यान्वित कीं। उन्होंने कहा कि आज कृतज्ञ राष्ट्र, ललित बाबू के योगदान को स्मरण कर, उनकी स्मृति को शत-शत नमन करती है। इस अवसर पर मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, असित नाथ तिवारी, लाल बाबू लाल, सौरभ सिन्हा, चुन्नू सिंह, शशि रंजन, शशिकांत तिवारी, मृणाल अनामय, सुधा मिश्रा,प्रदुम्न कुमार, उदय शंकर पटेल, डा संजय कुमार, निधि पाण्डे, अश्विनी कुमार, ब्रज किशोर सिंह कुशवाहा, संतोष कुमार श्रीवास्तव, विमलेश तिवारी, शरीफ रंगरेज, राहुल पासवान, राम कृपाल शर्मा, निरंजन कुमार, राजीव कुमार बबलू, रवि कुमार, रामा शंकर पाण्डेय, इम्तियाज खान, सुदय शर्मा, श्याम बाबू सिंह, मो अब्दुल बाकी, उमेश प्रसाद,बिपिन झा एवं उपस्थित नेताओं ने भी ललित बाबू के चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बिहार के हितों के विरुद्ध जन विरोधी बजट है: एजाज अहमद

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि आम बजट पूरी तरह से जनविरोधी ,गरीब और किसान के हितों के विरुद्ध सोच वाला बजट है। बजट में बिहार के विकास के प्रति सम्मान का कोई भाव नहीं दिखा। इसमें न तो बिहार के लिये विशेष पैकेज की घोषणा की गई और ना ही विशेष राज्य के दर्जा की दिशा को सार्थक दृष्टि दिखाई दी, जबकि बिहार ने सबसे अधिक एनडीए को सांसद दिया है। इन्होने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वाली नरेंद्र मोदी सरकार किसानों को बदहाली में जीने पर मजबूर कर रही है। एजाज ने आगे कहा कि नौजवानों के रोजगार और नौकरी के प्रति केंद्र सरकार का रवैया जुमलेबाजी के अलावा कुछ नहीं है। हद तो यह है कि छात्र और नौजवानों के साथ बजट में कोई प्रावधान नही किया गया है ।केंद्र सरकार आम लोगों के खाने के सामान की बढ़ती कीमतों पर अंकुश के लिए कोई उपाय नही किया है। साथ ही पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कमी के प्रति भी सरकार का कोई दृष्टिकोण नहीं दिखा, हद तो यह है कि केंद्र सरकार तेल कंपनियों के फायदे के प्रति काम कर रही है और आमजनों को लगातार महंगाई की मार झेलने पर मजबूर किये हुए है ।

भविष्य की चिंता बढ़ाने वाला है यह बजट : शिवानंद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने कहा है कि मोदी सरकार का बजट भविष्य की चिंताएं कम करने के बदले बढ़ाने वाला बजट है। आगे उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की हथजोड़ी के बाद भी पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का जिन्होंने दर्जा नहीं दिया वे बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दे देंगे इसकी उम्मीद रखना खुद को भूल में डालने वाला है। बिहार-झारखंड जैसे निचले पायदान पर खड़े राज्यों को उपर उठाने की कोई योजना इस बजट में नहीं है। देश की खेती घाटे में है। किसानों की हालत बुरी है। इसको मोदी सरकार कुबूल करती है। इसलिए सरकार 2018 के दिसंबर महीने से किसान सम्मान योजना चला रही है। इस योजना के तहत तीन किस्तों में प्रत्येक किसान को छः हजार रुपए सालाना दिए जा रहे हैं। देश बेरोजगारी के अत्यंत गंभीर संकट से जूझ रहा है। लेकिन देश की इस चुनौती का मुकाबला करने का कोई गंभीर प्रयास इस बजट में दिखाई नहीं दे रहा है। आश्चर्यजनक है कि जिस मनरेगा योजना ने संकट काल में करोड़ों श्रमिकों को सहारा दिया उस योजना में 2022-23 के 78000 हजार करोड़ रुपए के मुकाबले राशि घटा कर 60000 हजार करोड़ रुपए कर दिया गया। अनाज महँगा हुआ है। लेकिन सरकार ने खाद में मिलने वाली रियायत (सब्सिडी) को बढ़ाने के बदले घटा दिया है। इन सबका नतीजा होगा कि किसानों की खेती महंगी होगी. अन्न और महंगा होगा। प्रधानमंत्री ने कुछ दिन पहले अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों को भाजपा से जोड़ने का प्रयास करने की सलाह दी थी। बजट में बेरोजगारी दूर करने की कोशिश नहीं दिखाई दे रही है। रेलवे या सड़क के क्षेत्र में आवंटन बढ़ाने से रोजगार का सृजन नहीं होता है। बल्कि यह कॉरपोरेट सेक्टर के उत्पादन को ही मदद पहुँचाता है। कुल मिलाकर यह बजट भविष्य की चिंता बढ़ाने वाला बजट है।

केंद्रीय बजट आम जनता की उम्मीदों से विश्वासघात है: माले

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाकपा-माले राज्य सचिव कुणाल ने कहा है कि केंद्रीय बजट देश में बढ़ती आर्थिक असमानता को कम करने, सार्वजनिक सेवाओं पर सरकार के खर्च व रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और कमरतोड़ महंगाई से राहत प्रदान करने की लोगों की उम्मीदों के साथ विश्वासघात है। आगे कहा कि यह हमेशा की तरह एक भाजपाई बजट है, जो बातें तो ऊंची करता है लेकिन प्रदर्शन में एकदम फिसड्डी साबित होता है। विगत 8 सालों में इस सरकार ने जितने भी वादे किए, उनमें से कोई भी अब तक पूरा नहीं हुआ। सभी के लिए आवास, ह्यकिसानों की आय दुगुनी करने, 5 साल में इंफ्रास्ट्रक्चर में 100 लाख करोड़ का निवेश, 2024 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थाआदि की बड़ी -बड़ी बातें तो की गई, लेकिन इनमें एक भी लक्ष्य हासिल नहीं हो सका। बजट 2023 में सीजीएसटी संग्रह का अनुमान प्रत्यक्ष कॉर्पोरेट कर से अधिक है, फिर भी सरकार पहले की तरह अमीरों और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों पर कर बढ़ाने से कतरा गई है। बेरोजगारी के कारण युवाओं में देशव्यापी गुस्से को देखते हुए उम्मीद की जा रही थी कि सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों पर सरकार अविलंब बहाली की घोषणा करेगी, लेकिन बजट में ऐसा कुछ नहीं दिखा। आम आदमी, नौजवानों, किसानों और औद्योगिक मजदूरों की समस्याओं का इस बजट में कोई समाधान नहीं है। बढ़ती कीमतें और बेरोजगारी के सवाल पहले की तरह अनुत्तरित हैं और एमएसपी पर एक शब्द नहीं कहा गया है। उच्च मुद्रास्फीति के बावजूद, आम लोगों के लिए बड़े पैमाने पर उपभोग करने वाली वस्तुओं पर बजट में अप्रत्यक्ष कर राहत में विस्तार नहीं किया गया। मध्यम वर्ग को इनकम टैक्स में राहत की उम्मीद थी, उन्हें भी कुछ सीमित रियायत के साथ छोड़ दिया गया है जो नई कर व्यवस्था का विकल्प चुनते हैं। सभी आयकर दाताओं के लिए 5 लाख रुपये की एक समान छूट सीमा की मांग को सरकार ने नहीं स्वीकारा। शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण के प्रमुख क्षेत्रों में भी सावर्जनिक खर्च का नहीं बढ़ाया गया है और इस तरह इसका बोझ आम लोगों पर ही डाल दिया गया है। कुल मिलाकर बजट से महंगाई, बेरोजागरी की मार झेल रही जनता को किसी भी प्रकार की राहत नहीं मिली है।

बिहार को मिला दो वंदे भारत एक्सप्रेस का तोहफा, अब सफर होगा आसान

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

केन्द्र की मोदी सरकार ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का इंतजार कर रहे बिहार के लोगों के लिए केंद्रीय बजट में बड़ा तोहफा दिया है। अब बिहार से एक नहीं बल्कि दो-दो वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली है। बजट के प्रावधानों के अनुसार आने वाले कुछ महीनों में दो वंदे भारत ट्रेन बिहार के अलग-अलग स्टेशनों से गुजरेंगी। पटना से हावड़ा रूट पर एक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएगी। इसके अलावा वाराणसी से गया के रास्ते हावड़ा के लिए भी एक वंदे भारत ट्रेन को चलाया जाएगा। इतना ही नहीं आने वाले दिनों में तेजस राजधानी जैसी ट्रेनों को भी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में तब्दील करने की तैयारी है। स्वदेशी तकनीक से बनी वंदे भारत एक्सप्रेस तेजस राजधानी एक्सप्रेस से अधिक गति से चलेगी। अगर सब कुछ योजनाबद्ध रहा तो आने वाले छह महीनों में बिहार से दोनों वंदे भारत एक्सप्रेस चलने लगेगी। वंदे भारत ट्रेनों की स्पीड150 से 160 प्रति घंटे तक होगी। दरअसल, पहली वंदे भारत ट्रेन पटना से हावड़ा रूट पर और दूसरी ट्रेन वाराणसी से गया के रास्ते हावड़ा के लिए चलेगी। वर्तमान में पटना से हावड़ा के लिए दूरंतो व जनशताब्दी एक्सप्रेस सहित कुछ ट्रेनें चलती हैं। वहीं,वंदे भारत ट्रेन दूरंतों व जनशताब्दी की तुलना में तेज चलेगी और यात्रियों को कम समय में ही गंतव्य स्टेशन तक पहुंचायेगी। वहीं, ट्रेनों को और अधिक गति से तथा सुरक्षित चलाने के लिए पूर्व मध्य रेलवे के दीनदयाल उपाध्याय से झाझा तक के रेलखंड को कवच प्रणाली से इंस्टाल कर चलाने का निर्णय लिया गया है। गौरतलब है कि देश में अभी 8 वंदे भारत चल रही है। इसमें हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी जाने वाली वंदे भारत बिहार से होकर गुजरती है और सीमांचल के जिलों को इसका फायदा मिलला है। लेकिन पटना रूट पर अभी एक कोई वंदे भारत नहीं है।

रालोजपा कार्यालय में धूमधाम से मनी जगदेव प्रसाद की जयंती

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी कार्यालय में बिहार के लेनिन कहे जानेवाले शहीद जगदेव प्रसाद की जयंती धूमधाम से मनाई गई। प्रदेश प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि सबसे पहले जगदेव बाबू के तैल्य चित्र पर पार्टी नेताओं ने फूल माला चढ़ाकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। जिसमें मुख्य रूप से पार्टी के प्रधान महासचिव केशव सिंह, युवा प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र यादव, दलित सेना के प्रधान महासचिव घनश्याम कुमार दाहा, प्रदेश महासचिव रंजीत पासवान, राधाकान्त पासवान, मनीष त्यागी, हरिहर पासवान के अलावे अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रदेश प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी बताया कि जगदेव बाबू की जयन्ती पर राष्ट्रीय लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद प्रिंस राज पासवान ने उनकों याद करते हुए कहा कि जगदेव बाबू शोषित समाज के बैनर तले दलितों अतिपिछड़ा के लड़ाई लड़ते रहे तथा शोषित समाज दल की स्थापना करना चाहते थे जिसके कारण उन्हें हत्या कर दी गई, इसको लेकर जगदेव बाबू को बिहार का लेनिन कहा जाता है। जगदेव प्रसाद ने वंचितों, शोषितों की लड़ाई लड़ी, सोशलिस्ट पार्टी की पत्रिका जनता का संपादन उन्होंने किया, उन्होंने सिटिजन और उदय पत्रिका का संपादन भी किया। वे राम मनोहर लोहिया से प्रभावित थे।

आजीवन गरीब गुरबे व शोषितों की लड़ाई लड़ते रहे जगदेव प्रसाद : आरसीपी

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

अमर शहीद जगदेव प्रसाद की जयंती समारोह के मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री आर सी पी सिंह ने कहा कि जगदेव प्रसाद आजीवन गरीब गुरबे व शोषितों की लड़ाई लड़ते रहे। उन्होंने कहा कि जिस मूल्यों के खिलाफ जगदेव प्रसाद लड़ाई लड़ते रहे उसी के कारण उनकी हत्या हो गयी। उनकी हत्या तत्कालीन सरकार के साजिश के तहत हुई थी। उन्होंने कहा कि जगदेव बाबु हमेशा गरीब गुरबा शोषित वंचित के लिए आवाज बुलंद किया और अपनी शहादत दे दिया। आज जो सरकार है वो कहती है कि वो जगदेव बाबु कपूर्री ठाकुर ,राम मनोहर लोहिया के सिद्धांत पर काम करती है पर उनके बोली और करनी में अंतर है और अपने सिद्धांत से भटक गई है। सरकार जनबाद की जगह परिवारबाद को बढ़ाने में लगी हुई है। जानता ने 2020 में एनडीए को सरकार बनाने का जनमत दिया था पर आज देखिए जनमत का अपमान कर किसकी सरकार है। जनता अब जाग गई है और आने बाले दिनों में सब को जबाब देगी। जनसभा की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी सतेंद्र कुशवाहा जी ने किया। मंच का संचालन वरिष्ठ सामासेवी प्रवीण चन्द्रवंशी ने किया ।

जगदेव प्रसाद के विचारों को घर-घर तक पहुंचाने की जरूरत : मुन्ना कुशवाहा

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

सामाजिक एवं राजनैतिक क्रांति के अग्रदूत शहीद जगदेव प्रसाद ने बिहार की राजनीति एवं सामाजिक आंदोलन के प्रखर नेता रहे हैं। आज जिस तरह से देश एवं राज्य में राजनीतिक एवं सामाजिक अराजकता फैलाई जा रही है उसमें शहीद जगदेव प्रसाद की प्रासंगिकता बढी.है। वे हमेशा राजनीति में सामाजिक मूल्यों की रक्षा के लिए लड़ते रहे हैं। उनका सोच था कि जब तक देश में समतामूलक समाज की स्थापना नहीं होगी तब तक भारत जैसे विशाल देश में संपूर्ण विकास संभव नहीं है ।उक्त बातें बहुजन समाज पार्टी के नेता डॉ आचार्य मुन्ना प्रसाद कुशवाहा ने शहीद जगदेव प्रसाद के 101वीं जयंती के अवसर पर शहीद जगदेव प्रसाद जागरण रथ को रवाना करते हुए कही। उन्होंने अमर शहीद जगदेव प्रसाद जागरण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संत कुमार सिंह को बधाई देते हुए कहा कि आप जैसे लोग ही शहीद जगदेव प्रसाद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूर्ण रूप से समर्पित हैं ।आज जरूरत है कि शहीद जगदेव प्रसाद के विचारों को घर-घर तक पहुंचाया जाए ।

पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से खुलने अथवा गुजरने वाली ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से रद्द

बर्द्धमान स्टेशन पर पावर एवं ट्रैफिक ब्लॉक के कारण परिचालन में अस्थायी बदलाव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

पूर्व रेलवे के बर्द्धमान स्टेशन पर पावर एवं ट्रैफिक ब्लॉक लिए जाने के कारण पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से खुलने अथवा गुजरने वाली ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से रद्द किया गया है। परिचालन रद्द की गई ट्रेनें: रक्सौल से 04 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13044 रक्सौल-हावड़ा एक्सप्रेस । नई दिल्ली से 04 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12304 नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस । लालकुंआ से 04 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12354 लालकुंआ-हावड़ा एक्सप्रेस । हावड़ा से 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13031 हावड़ा-जयनगर एक्सप्रेस । जयनगर से 04 एवं 10 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13032 जयनगर-हावड़ा एक्सप्रेस । हावड़ा से 06 एवं 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 22387 हावड़ा-धनबाद ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस । ब्लैक डायमंड से 05 एवं 08 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 22388 धनबाद-हावड़ा ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस । हावड़ा से 06 एवं 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 11448 हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस । जबलपुर से 04 एवं 07 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 11447 जबलपुर-हावड़ा शक्तिपुंज एक्सप्रेस । हावड़ा से 04 से 08 फरवरी तक प्रस्थान करने वाली 13029 हावड़ा-मोकामा एक्सप्रेस । मोकामा से 05 से 09 फरवरी तक प्रस्थान करने वाली 13030 मोकामा-हावड़ा एक्सप्रेस । हावड़ा से 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12381 हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस । नई दिल्ली से 10 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12382 नई दिल्ली-हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस । हावड़ा से 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12023 हावड़ा-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस । पटना से 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12024 पटना-हावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस । हावड़ा से 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13021 हावड़ा-रक्सौल मिथिला एक्सप्रेस । रक्सौल से 10 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13022 रक्सौल-हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस । हावड़ा से 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12339 हावड़ा-धनबाद कोलफिल्ड एक्सप्रेस । धनबाद से 10 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12340 धनबाद-हावड़ा कोलफिल्ड एक्सप्रेस । इंदौर से 07 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 22911 इंदौर-हावड़ा शिप्रा एक्सप्रेस । हावड़ा से 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 22912 हावड़ा-इंदौर शिप्रा एक्सप्रेस । हावड़ा से 09 को प्रस्थान करने वाली 13005 हावड़ा-अमृतसर मेल । अमृतसर से 11 को प्रस्थान करने वाली 13006 अमृतसर-हावड़ा मेल । हावड़ा से 09 को प्रस्थान करने वाली 12333 हावड़ा-प्रयागराज रामबाग विभूति एक्सप्रेस। प्रयागराज रामबाग से 10 को प्रस्थान करने वाली 12334 प्रयागराज रामबाग-हावड़ा विभूति एक्सप्रेस। हावड़ा से 09 को प्रस्थान करने वाली 13023 हावड़ा-गया एक्सप्रेस। गया से 10 को प्रस्थान करने वाली 13024 गया-हावड़ा एक्सप्रेस। हावड़ा से 09 को प्रस्थान करने वाली 12351 हावड़ा-राजेंद्रनगर टर्मिनल एक्सप्रेस। राजेंद्रनगर टर्मिनल से 08 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12352 राजेंद्रनगर टर्मिनल-हावड़ा एक्सप्रेस। हावड़ा से 09 को प्रस्थान करने वाली 13009 हावड़ा-देहरादून दून एक्सप्रेस। देहरादून से 11 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13010 देहरादून-हावड़ा दून एक्सप्रेस। कोलकाता से 09 को प्रस्थान करने वाली 12325 कोलकाता-नांगल डैम एक्सप्रेस। नांगल डैम से 04 एवं 11 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12326 नांगल डैम-कोलकाता एक्सप्रेस। कोलकाता से 09 को प्रस्थान करने वाली 13151 कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस। जम्मूतवी से 11 को प्रस्थान करने वाली 13152 जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस। सियालदह से 04 एवं 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13105 सियालदह-बलिया एक्सप्रेस। बलिया से 05 एवं 10 को प्रस्थान करने वाली 13106 बलिया-सियालदह एक्सप्रेस। कोलकाता से 04 को प्रस्थान करने वाली 13135 कोलकाता-जयनगर एक्सप्रेस। जयनगर से 05 को प्रस्थान करने वाली 13136 जयनगर-कोलकाता एक्सप्रेस। कोलकाता से 06 एवं 09 को प्रस्थान करने वाली 15233 कोलकाता-दरभंगा एक्सप्रेस। दरभंगा से 05 एवं 08 को प्रस्थान करने वाली 15234 दरभंगा-कोलकाता एक्सप्रेस। कोलकाता से 09 को प्रस्थान करने वाली 13167 कोलकाता-आगरा कैंट एक्सप्रेस । आगरा कैंट से 11 को प्रस्थान करने वाली 13168 आगरा कैंट-कोलकाता एक्सप्रेस । कोलकाता से 09.02.2023 को प्रस्थान करने वाली 15047 कोलकाता-गोरखपुर पूर्वांचल एक्सप्रेस । गोरखपुर से 08 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 15048 गोरखपुर-कोलकाता पूर्वांचल एक्सप्रेस । सियालदह से 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13185 सियालदह-जयनगर गंगासागर एक्सप्रेस । जयनगर से 10 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 13186 जयनगर-सियालदह गंगासागर एक्सप्रेस । कोलकाता से 09 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12359 कोलकाता-पटना गरीब रथ एक्सप्रेस । पटना से 10 फरवरी को प्रस्थान करने वाली 12360 पटना-कोलकाता गरीब रथ एक्सप्रेस ।

आईपीएस अधिकारी द्वारा अशोभनीय भाषा का प्रयोग करना दुर्भाग्यपूर्ण : चिराग

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास ने बिहार सरकार के अधीनस्थ वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के के पाठक द्वारा विभागीय बैठक के दौरान बिहार वासियों के लिए असंसदीय और अमर्यादित भाषा के इस्मेताल की घोर आलोचना की है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पासवान ने पाठक के इस व्यवहार की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए सरकार से मांग की है कि वह पाठक को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करे। लोजपा (रा) अध्यक्ष चिराग पासवान ने इस मामले पर ट्वीट कर कहा है कि आईएएस जैसे पद को सुशोभित करने वाले अधिकारी के के पाठक के द्वारा ऐसे अशोभनीय भाषा का प्रयोग करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री चिराग ने के के पाठक जैसे बड़ बोले अधिकारी को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने की मांग की है। आपके पास ऐसे अधिकारियों का क्या समाधान है , बताइए। इस आशय की जानकारी लोजपा (रा)के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दिया

संक्षिप्त खबरें

जदयू प्रखंड कार्यालय पर जगदेव प्रसाद की 100वीं जयंती मनायी गई

कल्याणपुर, समस्तीपुर। जदयू प्रखंड कार्यालय पर गुरुवार को जगदेव प्रसाद की 100वीं जयंती के अवसर पर उनके तैल चित्र पर पुष्प व माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। मौके पर स्थानीय विधायक विधानसभा उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी ने जगदेव प्रसाद को याद करते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का आह्वान किया। गरीबों का मसीहा बताते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने के लिए सभी कार्यकताओं को प्रेरित किया। सभा की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष राज कुमार सिंह ने किया। जबकि सभा का संचालन महेंद्र पटेल ने किया। मौके पर लक्ष्मी सिंह, देवन साह, विजय कुमार, भोला सिंह, रामदेव महतो, रामबली महतो सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौके पर उपस्थित रहे।

डीईओ ने किया विद्यालय का निरीक्षण

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के रतवारा स्थित मदरसा की जांच में पहुंचे डीईओ मदन राय ने बुधवार को मदरसा के पास ही प्राथमिक विद्यालय रतवारा अनुसूचित जाति के छह शिक्षकों को एक साथ बैठा हुआ देखकर भड़क गए। जिसके बाद पठन-पाठन की व्यवस्था नहीं देखते हुए बच्चों से पूछताछ के उपरांत शिक्षकों के प्रति कर्तव्य की लापरवाही का आरोप लगाया है। इस बात से आहत जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बीईओ राजकुमार यादव को निर्देश देते हुए कहा, कि मौके पर उपस्थित सभी शिक्षकों को एक दिन का वेतन कटौती करने का बात कहा। वहीं बीईओ राजकुमार यादव का बताया कि जिला शिक्षाधिकारी के मौखिक आदेश के आधार पर अगले वेतन से एक दिन के वेतन कटौती कर ही भुगतान करने की बात कहा है।

मजदूर नेता की 24वीं पुण्यतिथि मनाई

कल्याणपुर, समस्तीपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र स्थित रामेश्वर जूट मिल परिसर में मजदूर नेता पृथ्वीराज चौहान की 24वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मजदूर संघ नेता अमरनाथ सिंह के नेतृत्व में मजदूरों ने उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें याद किया गया। उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दिया गया। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मजदूर नेता अमरनाथ सिंह का बताना है, कि पिछले कुछ दिनों से मिल प्रबंधन द्वारा लगातार मजदूरों की अनदेखी करते हुए शोषण कर रही है। इसका प्रतिकार करना बहुत आवश्यक हो गया है। साथ में ज्ञापन देते हुए प्रबंधन को चेतावनी दी कि अगर 14 फरवरी से पूर्व 4 सूत्री मांगों पर प्रबंधन अमल नहीं करेगी तो बाध्य होकर मजदूर संघ प्रदर्शन करेगी इससे उत्पन्न गतिरोध की सारी जवाबदेही प्रबंधन की ही होगी। मौके पर उपस्थित लोगों में उमेश चौधरी, लालबाबू राय, सहित दर्जनों मजदूर उपस्थित रहे।

एक ही जमीन को बनाया गया दानपात्र एवं किया केवाला, प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के समर्था निवासी नवल किशोर सिंह ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि मरौसी भूमि को षड्यंत्र रचकर सुशीला देवी अपने तीन पुत्र वधू के नाम से दान पत्र दस्तावेज बना दिया। मैं अपने मरौसी भूमि को सुजीत कुमार पिता ब्रह्मदेव सिंह के नाम से केवाला बना दिया। नवल किशोर सिंह ने बाबा करते हुए बताया कि उपरोक्त व्यक्ति षड्यंत्र रच कर दान पत्र दस्तावेज बना लिया है जो बेईमानी है। वहीं विभूतिपुर थाना मामले का प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है।

विद्युत ऊर्जा चोरी की प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र में विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर कनीय विद्युत अभियंता सिकंदर कुमार ने चार लोगों को आरोपित करते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिसमें बताया गया कि सिंधिया बुजुर्ग उत्तर वार्ड 8 निवासी शक्ति सहनी विवेक सहनी दोनों भाई टोका फंसाकर विद्युत ऊर्जा चोरी कर उपयोग कर रहे थे। वहीं वार्ड 4 निवासी शंभू पौदार जिनका बकाया राशि होने के कारण कनेक्शन काट दिया गया था। अवैध रूप से तार जोड़ कर विद्युत उपयोग कर रहे थे। वहीं बेलसंडी तारा में मोहम्मद तसलीम टोका फंसाकर अवैध रूप से बिजली उपयोग कर रहे थे। वहीं मोहम्मद अख्तर भी अवैध रूप से टोका फंसाकर बिजली उपयोग कर रहे थे। सभी मिलाकर लगभग विभाग का 80 हजार रुपए का क्षति हुआ है।

लूटपाट के दौरान महिला की गला दबाकर हत्या

हिरासत में लेकर एक संदिग्ध से पुलिस कर रही पूछताछ

- स्वर्ण आभूषण समेत पांच लाख की लूट, दरभंगा से आयी डॉग स्क्वायड की टीम ने की जांच
- घटनास्थल पर पहुंचकर एसपी और डीएसपी ने की जांच, बरामद काले गमछे से सुराग तलाशने में जुटी पुलिस

उजियारपुर, प्रात : किरण संवाददाता

अंगारघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत बिरनामा तुला पंचायत के सुपौल गांव में बुधवार की रात्रि लूटपाट के दौरान एक वृद्ध महिला की गला दबाकर हत्या कर दिए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार बताया गया कि बिरनामा तुला पंचायत के सुपौल वार्ड नंबर चार निवासी वीरेंद्र पांडे ऊर्फ बालो पांडे की पत्नी प्रतिमा देवी (56 वर्ष) की बदमाशों ने लूटपाट के दौरान गला दबाकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना उपरांत पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट हुई थी। पुलिस के द्वारा सुराग तलाशने को लेकर डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया था। बताया गया कि बदमाशों ने स्वर्ण आभूषण और नगद समेत करीब 5 लाख रुपए लूट की घटना को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने घटनास्थल से एक काले रंग का गमछा बरामद किया है जिसके आधार पर एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना की सूचना उपरांत समस्तीपुर पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी और दलसिंहसराय अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिनेश पांडे के द्वारा पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया गया और घटना के संबंध में पीड़ित परिजनों से बात की गई।

घटना के संबंध में बताया गया है कि प्रतिमा देवी अपने पुराने घर में रात में अकेली सोये हुई थी और उसके पति, बेटा व बहु समेत घर के अन्य सदस्य नए घर पर सो रहे थे। खाना खाने के उपरांत वीरेंद्र पांडे ऊर्फ बालो पांडे रात में रेवाड़ी मिडिल स्कूल के नजदीक बने अपने दूसरे मकान में बने बथान में अपने पशुओं को देखने गए हुए थे। वहीं, उनका एक अतिरिक्त बिस्तर भी लगा हुआ रहता था और वहीं पर वह रात में कुछ देर के लिए सो गए थे। वीरेंद्र पांडेय के अनुसार रात के करीब 1:00 बजे जब उनके नींद खुली तो वह अपने घर के लिए वापस चले और जब वह वहां पहुंचे तो देखा कि उनके घर में सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा हुआ था। और उनकी पत्नी का शव उनके बिस्तर पर पड़ा हुआ था। जिसकी सूचना उनके द्वारा आनन-फानन में अपने परिजनों व स्थानीय लोगों को दी गई और घटना के संबंध में पुलिस को भी सूचित किया गया। शव के पास से पुलिस ने एक काले रंग का गमछा बरामद किया है। पुलिस गमछा के आधार पर गांव के ही एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

बताया गया है कि महिला गांव में जरूरतमंद लोगों को सूद पर पैसा भी देती थी। फिलहाल परिजन ने मृतिका के नाक, कान व बक्सा में रखे हुए सोने और चांदी के अन्य आभूषण जिसकी बाजार मूल्य करीब पांच लाख रुपए के लूट होने की बात कही गई गई है। आशंका व्यक्त की गई कि संभवत उसमें बदमाशों को पहचान लिया होगा जिस कारण बदमाशों ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। वहीं, दरभंगा से बुलाये गए डॉग स्क्वायड टीम के द्वारा जांच की गई और डॉग स्क्वाड की जांच के अनुसार घर के पीछे बांसवाड़ी की तरफ से बदमाश घर में घुसे और घटना को अंजाम दिया और उसी रास्ते फरार हो गए। समस्तीपुर एसपी ने पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा देते हुए कहा कि डॉग स्क्वाड व फोरेंसिक की टीम को बुलाया गया है, जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

विभूतिपुर थाना परिसर में हुआ गुंडा परेड

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना परिसर में समाज के दागी, अपराधी और शराब कारोबारी को पुलिस ने गुंडा पंजी में नाम दर्ज कर गुंडा परेड कराया। जिसमें थाना क्षेत्र के 50 लोगों के खिलाफ गुंडा पंजी में नाम दर्ज करके उनके खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दिया हैं। सभी को प्रत्येक गुरुवार को थाना परिसर में आकर हाजिरी लगाने को लेकर कहा गया है। यह जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि थाना क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध, एवं शराब तस्करी को रोकने के लिए वरीय पदाधिकारी के निदेर्शानुसार गुंडा पंजी में नाम दर्ज व्यक्तियों जिनके खिलाफ शराब के मामले एवं लूट, हत्या सहित अन्य संगीन मामले चल रहे हैं उनका नाम भेजा गया है। उन सभी गुंडा पंजी में दर्ज नामित व्यक्तियों को प्रत्येक गुरुवार को थाना परिसर में आकर अपनी हाजिरी लगानी होगी। यदि वह इस आदेश का पालन नहीं करते हैं तो उनके क्षेत्र में घटने वाली घटना या फिर पकड़े गए शराब मामले में दोषी माना जाएगा। उनके द्वारा थाना परिसर पहुंचे लोगों को परिचय लेते हुए हाजिरी ली गई। सभी को निर्देश देते हुए शराब कारोबार एवं अपराधिक मामले पर अंकुश लगाने तथा पुलिस प्रशासन को सहयोग करने का निर्देश दिया है।

ललित नारायण मिश्र का 101वीं जयंती मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत डीबीकेएन कॉलेज नरहन के प्रांगण में ललित नारायण मिश्र की 101वीं जयंती मनाई गई। अध्यक्षता एसएस द्विवेदी कर रहे थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित एवं उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। वक्ताओं ने ललित बाबू के व्यक्तित्व एवं राजनीतिक जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। मौके पर प्रोफेसर अरविंद कुमार झा, कनक लता सिंह, विनय कुमार रमन, यश रंजन, कुमारी मोनिका, सुशील कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह, त्रिभुवन यादव, संजीव कुमार, सुमन कुमारी, पूनम राय, मुकेश लाल, हेमंत नारायण, आदित्य राज, मंजर अली, छात्र मनीष कुमार, प्रशांत कुमार झा, शारदा कुमारी आदि उपस्थित थे।

लोहिया आश्रम में मनायी गयी जगदेव प्रसाद की 100वीं जयंती

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार प्रदेश पार्टी के निर्देश पर गुरुवार को समस्तीपुर लोहिया आश्रम में जदयू कार्यकताओं ने जगदेव प्रसाद की 100वीं जयंती जदयू जिला अध्यक्ष सह पूर्व सांसद अश्वमेघ देवी की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक मनाई। सभा का संचालन राज्य परिषद सदस्य प्रो० तकी अख्तर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन समस्तीपुर प्रखंड अध्यक्ष राजीव सिंह ने किया। सभा को सम्बोधित करते हुए अश्वमेध देवी ने कहा कि जगदेव बाबू ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के अधिकार की लड़ाई लड़ते हुए अपने प्राण की आहुति दे दी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज उनके सपनो को साकार कर रहे हैं। राज्य परिषद सदस्य दुर्गेश राय ने विस्तार पूर्वक उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा की सौ में नब्बे शोषित है, नब्बे भाग हमारा है के इस नारे के साथ जगदेव बाबू ने समाज के शोषित वर्ग की आवाज को बुलंद किया था। उसी संघर्ष का नतीजा है कि बिहार समेत देश के अन्य राज्यों में शोषित समाज का राज्य स्थापित हुआ। इस अवसर पर माल्यार्पण करने वालो में जदयू नेता पवन यादव, अनिल सिंह बाबा, प्रो० ज्योति निर्मला, बिरिया देवी, राधा देवी, बनारसी ठाकुर, वीरेंदर प्रसाद सिंह, मनीष कुमार, बिन्देश्वर राय, इजहार अशरफ, अनस रिजवान, सुबोध कुमार सिंह, प्रकाश कुमार सिंह, मो० नूर इस्लाम, अमित कुमार मुन्ना, रामचंद्र राय फौजी, रामबिलास सहनी, संजय राय, तौहीद अंसारी, रामनारायण मोले, राजकुमार साह, कौशल सिंह कुशवाहा, उमाकांत राय, उमेश सिंह, रविन्द्र ठाकुर, मुकेश कुमार राय, निशांत पप्पू, शम्भू प्रसाद सिंह, अशर्फी सहनी, राजनारायण सिंह, भीम सिंह, शारिक रहमान लवली, कुंदन सिंह, रणधीर कुमार राय, बबलू कुमार, सुमिया देवी, महेन्द्र प्रसाद महतो, भीम सिंह, प्रणव ज्योति चौधरी, संतोष कुमार यादव, लालबाबू महतो, रामनारायण महतो, नीलमणि कुमार एवं पप्पू कुमार सिंह आदि नेता शामिल थे।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्रों को मिले भोजन में पिल्लू मामले में बदले गए मेस इंचार्ज, कमिटी के तहत बनेगा छात्रों का भोजन

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत कामेश्वर नारायण सिंह राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज टभका के हॉस्टल में रहकर अध्ययन कर रहे छात्रों को घटिया भोजन व भोजन में पिल्लू मिलने पर छात्रों ने भोजन का बहिष्कार कर दिया। साथ ही वर्ग बहिष्कार करते हुए छात्र धरना पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। दूसरे दिन प्राचार्य के पहल पर मेश इंचार्ज बदले गए और एक भोजन निर्माण हेतु कमेटी का गठन किया गया जिसके तहत भोजन बनाने का निर्णय लिया गया इसकी जानकारी पर छात्र शांत हुए और अपना हंगामा बंद किया। छात्रों का कहना था कि मेंस इंचार्ज रामकिशोर चौधरी के द्वारा हॉस्टल के छात्रों को घटिया भोजन दिया जाता है। जिससे छात्रों के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। छात्रों का कहना था कि जबतक मेस इंचार्ज को बदला नही जाएगा तबतक आन्दोलन जारी रहेगा। दर्जनो छात्रों ने हस्ताक्षरित आवेदन कालेज के प्राचार्य को देकर मेंस इंचार्ज को बदलने की मांग किया है। धरना-प्रदर्शन में नितीश कुमार, मोहम्मद सफी अली, अंकित कुमार, पप्पू कुमार, प्रीतम कुमार, विवेक कुमार, प्रकाश कुमार, रितिक, मनोहर सिंह, चंद्रजीत कुमार, सचिन कुमार, मनीष कुमार, काजल कुमारी, निधि कुमारी, स्वाति कुमारी, राजेश कुमार, अजय कुमार, प्रशांत कुमार, अंकित कुमार, पप्पू कुमार, अभिषेक कुमार, ऋषिकेश कुमार सहित दर्जनो छात्र भाग ले रहे थे। वहीं इस संबंध में कॉलेज के प्राचार्य एके ठाकुर ने बताया कि आज छात्र भोजन व वर्ग को बहिष्कार कर धरना-प्रदर्शन कर रहे थे इसकी सूचना मिलते हैं महाविद्यालय परिसर में पहुंचकर छात्रों से वार्ता की गई एवं उनके आरोपों की गहन जांच पड़ताल कर में इंचार्ज बदलकर भोजन निर्माण हेतु एक कमेटी बनाई गई जिसके तहत भोजन बनाया जाएगा और छात्रों को बेहतर भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

299 किसानों के बीच किया गया बोनस का वितरण

प्रात : किरण संवाददाता

उजियारपुर, समस्तीपुर। उजियारपुर प्रखंड लोहागीर भंगहा दुग्ध उत्पादक सहयोग समिति का चौथा बोनस वितरण समरोह का आयोजन गुरुवार को किया गया। इसमें 299 किसानों के बीच 13 लाख 56 हजार रुपये का बोनस वितरण किया गया। मिथिला मिल्क यूनियन के अध्यक्ष उमेश राय ने अपने सवोधन में स्पष्ट रुप से कहा कि अब किसानों को दूध की अधिकतम मुल्य दिलाएंगे। इस अवसर पर मिथिला मिल्क यूनियन द्वारा भंगहा मिल्क वर्क कुंवर का उद्घाटन किया गया। मौके पर प्रबधनिर्देशक आर के झा, पुर्व अध्यक्ष श्यामशंकर प्रसाद, अशोक राय, भागवत दयाल राय, मो० जमीरुद्दीन, पूर्व निदेशक डीके श्रीवास्तव, राजीव मिश्रा, बैद्धथ राय मुखिया सहित दर्जनो लोग उपस्थित थे। इसकी अध्यक्षता निरंजन कुमार तथा संचालन कमलकांत राय ने किया।

ताइक्वांडो अंडर 14 दक्ष प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्रों ने लहराया परचम, बने विजेता

प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर शहर के पटेल फील्ड में आयोजित ताइक्वांडो अंडर 14 दक्ष प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल के सोमनाथ चौक माधोपुर दिघरुआ के दर्जनों बच्चों ने अपने-अपने वर्ग में सर्वाधिक पॉइंट हासिल किया और विजेता बने। जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल से आयुष कुमार, सुमन कुमार, प्रिंस कुमार, अभिनाष कुमार, रिश्व कुमार, आयुष कुमार, राहुल कुमार, निखिल कुमार आदि बच्चों ने भाग लिया था। वहीं दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल रंजीत कुमार साह ने बताया कि खेल से बच्चों का मानसिक सद्भावनाओं का विकास होता है। वहीं सभी बच्चों को खेल का ट्रेनिंग शिक्षक कौशल कुमार के द्वारा दिया गया। आपको बताते चलें कि दिल्ली पब्लिक स्कूल सोमनाथ चौक माधोपुर दिघरुआ ग्रामीण क्षेत्र में होते हुए भी शहरों जैसी व्यवस्था प्रदान कर रही है।

बजट में किसानों के लिए कुछ नहीं, रेलवे को किया नजरअंदाज : संजीव कुमार राय

प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर। राजद पर्यावरण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष संजीव कुमार राय ने केन्द्रीय बजट 2023 को निराशाजनक करार दिया। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की हमारी मांग पर कुछ नहीं कह कर बिहारवासियों को निराश किया है। राजद नेता ने कहा कि ये चुनावी बजट है, किसानों के लिए कुछ नहीं है। किसानों की एमएसपी की बात नहीं की है। रेलवे को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है। आधी से ज्यादा आबादी गांवों में बसती है लेकिन उनके लिए कुछ नहीं किया है। ये बहुत ही निराशाजनक बजट है।

कुलदेवी के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जलाभिषेक किया गया

हसनपुर, प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर प्रखंड के हसनपुर गांव में कुलदेवी के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर जलाभिषेक किया गया। जय माता दी के नारों से इलाका गुंजायमान हो उठा। बता दें कि आचार्य पंडित धुर्वनारायण आचार्य, पंडित पुरुषोत्तम आचार्य, पंडित देवोत्तम कुमार गर्ग शास्त्री जी, पंडित चंदन ठाकुर, पंडित संजय झा के वैदिक मंत्र से माहौल भक्तिमय हो गया। विद्वान पंडितों ने व्रती शशि भूषण सिंह, अजय कुमार सिंह, अमरेंद्र सिंह, प्रणव सिंह, विजय कुमार सिंह, रमन कुमार सिंह को विधि विधान पूजा अर्चना कराया। इसके बाद व्रतियों के अलावे कुमारी कन्याओं ने जल भरकर भ्रमण किया, जिसके पश्चात स्थापित होनेवाली माता कुलदेवी को जयकारों के साथ भ्रमण कराया गया। कलश उठाने वालों में व्रतियों के अलावे लाडो, सृष्टि, राधा, क्वया, पल्लवी, वैष्णवी आदि थी। गुरुवार को जलाधिवास, अन्नाधिवास, फलाधिवास, पुष्पाधिवास, वस्त्राधिवास, मिष्टनाधिवास, शय्याधिवास, गन्धादिवास, आभूषणाधिवास कराया गया। बता दें कि शुक्रवार को कुलदेवी के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होगा। विदित हो कि कुछ दिनों पूर्व उक्त भगवती स्थान से कुलदेवी माता की अष्ट धातु की छोटी सी मूर्ति की चोरी कर ली गई थी। जिसके बाद लोगों ने विधिवत पूजा अर्चना करा कर कार्यक्रम की। जिससे माहौल भक्तिमय बना हुआ है। बच्चे, बूढ़े, महिलाएं, युवा बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम की सफलता में शशि भूषण सिंह, अमरेंद्र सिंह, प्रणव सिंह, विजय सिंह, रमन सिंह, साकेन्द्र सिंह ध्रुव, नागेंद्र सिंह, कृष्ण मुरारी, प्रमोद सिंह, धर्मवीर कुमार कारी, राजू सिंह, नटवर सिंह, अभय सिंह, हर्षवर्धन, चंद्र माधव सिंह, सोनू कुमार सिंह, विशाल सिंह, इंद्रजीत सिंह, छोटू शिवम, किशन आदि सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

मोहिउद्दीननगर में सरस्वती पूजा मूर्ति विसर्जन में जमकर फायरिंग, मामला पुलिस के संज्ञान में नहीं

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

सोशल मीडिया पर इन दिनों मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम में सरेआम फायरिंग किए जाने का वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि वीडियो समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र का है। जहां सस्वती पूजा के मूर्ति विसर्जन के दौरान सरेआम फायरिंग की गई। मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में समस्तीपुर एसपी को एक आवेदन देकर वीडियो की जांच व दोषियों के ऊपर कार्रवाई की मांग की गई है। आवेदन कर्ता ने अपना नाम और पता गुप्त रखा है, जिस कारण उनके संबंध में कुछ भी पता नहीं चल सका है। अपने आवेदन में उन्होंने लिखा है कि मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के दुबहा पंचायत के हजरतपुर वार्ड नंबर चार में कुछ लोगों ने बीते 28 जनवरी की शाम सरस्वती के मूर्ति विसर्जन के दौरान समाज के लोगों में दहशत फैलाने के उद्देश्य से एक कई राउंड फायरिंग की और हाथ में हथियार लहराते हुए मूर्ति का विसर्जन किया। बताया गया कि आवेदन कर्ता के द्वारा साक्ष्य के तौर पर वीडियो भी समस्तीपुर एसपी को दिया गया है। आवेदन कर्ता के द्वारा आवेदन में फायरिंग कर रहे हैं चार युवकों के नाम भी बताए गए हैं और मामले की जांच कर उनके ऊपर उचित कार्रवाई की मांग की गई है। आपको बता दें कि प्रातः किरण इस फायरिंग वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वहीं, इस बाबत समस्तीपुर पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी से पूछने पर उन्होंने ऐसा कोई आवेदन प्राप्त होने से इनकार किया। वैसे बताया जा रहा है कि मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस के द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

हसनपुर जदयू कार्यालय में मनायी गयी बिहार लेनिन जगदेव प्रसाद की जयंती

हसनपुर, समस्तीपुर। हसनपुर प्रखंड जनता दल यूनाईटेड के कार्यकताओं के द्वारा गुरुवार को लोहिया आश्रम हसनपुर में बिहार लेनिन जगदेव प्रसाद की जयंती धूमधाम से पूर्व विधायक राजकुमार राय के अध्यक्षता में मनाई गई। साथ में प्रखंड जदयू अध्यक्ष संजीव कुमार कुशवाहा, जदयू जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार यादव, गरीब मालाकार, अमर कुमार कर्ण, रामउदगार प्रसाद सिंह, कामो महतो चन्द्रदेव प्रसाद, पन्नालाल यादव, रामानंद यादव, मनटुन यादव, राजेश कुशवाहा, सुनील कुमार महतो दीपक कुमार आदि उपस्थित हुए।

संक्षिप्त खबरें

सम्मान दिवस पर किया गया सम्मानित

मधुबनी/खजौली। मधुबनी खजौली सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया जमा वृद्धि में प्रमुख भूमिका रखने वालों का ध्यान रखते हुए, देश भर की शाखाओं में गुरुवार को ₹सम्मान दिवस₹ कार्यक्रम आयोजित कर सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पेंशनरों को सम्मानित किया गया।इस दौरान सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खजौली शाखा में भारत सरकार एवं राज्य सरकार के पेंशन धारियों को गुलदस्ता, वार्षिक कैलेंडर सहित अन्य उपहार देकर सम्मान सम्मानित किया गया।इस मौके पर बद्री नारायण सिंह, महेंद्र पासवान, रूठन यादव, रामशीष प्रसाद सिंह, रामप्रीत मंडल, योगेंद्र कुमार मंडल, हरि शंकर पासवान सहित अन्य पेंशन धारियों को शाखा प्रबंधक अशीष कुमार झा, कैशियर बुधेश्वर पासवान, सहायक सुशांत सिंह ने सम्मानित किया।

जदयू कार्यालय में शहीद जगदेव प्रसाद कुशवाहा की मनाई गई जयंती

मधुबनी/खजौली। मधुबनी खजौली गुरुवार को जदयू कार्यालय में खजौली प्रखंड अध्यक्ष रामबाबू सिंह की अध्यक्षता में अमर शहीद बाबू जगदेव प्रसाद की जयंती तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर मनाई गई। इस दौरान जदयू कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष रामबाबू सिंह ने बाबू जगदेव प्रसाद की जीवन पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि पिछड़ों शोषितों, वंचितों एवं गरीबों के अधिकारों की लड़ाई आजीवन लड़ने वाले अमर शहीद बाबु जगदेव प्रसाद का इस देश के लिए बहुत बड़ा योगदान है। वही सांसद प्रतिनिधि शत्रुघ्न राउत ने कहा कि जगदेव प्रसाद किसानों गरीबों वंचित शोषित व कमजोर वर्गों की लड़ाई के लिए हमेशा तत्पर रहें और लड़ते-लड़ते अपनी शहादत दी वही इस मौके पर शिव कुमार सिंह, चिंटू चौधरी, डॉ प्रभात कुमार, शिवकुमार, लक्ष्मण पंडित, रामसेवक राऊत, डॉ पवन कुमार सिंह, रामनाथ पासवान, राम कुमार ठाकुर एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

अन्याय के खिलाफ गरीब , शोषित , वंचित पिछड़े वर्ग के लोगो के लिए जगदेव प्रसाद की सच्ची श्रद्धांजलि -छात्र जदयू अध्यक्ष

गया। आज छात्र जदयू मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष उत्तम कुशवाहा जी के नेतृत्व में छात्र जदयू कार्यालय गया में बिहार लेनिन अमर शहीद जगदेव प्रसाद कुशवाहा जी की जयंती पर उन्हें याद कर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सच्ची श्रीधांजली दी गई है। इस मौके पर मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष ने बताया कि कैसे जगदेव जी ने अपने समय में ही रहे अन्याय के खिलाफ गरीब , शोषित , वंचित पिछड़े वर्ग के लोगो के लिए हक की लड़ाई लड़ी और साथ ही उन्होंने एक नारा देते हुए कहा था आज जो हमारी लड़ाई है उसमे हम शहिद होंगे हमारी अगली पीढ़ी जेल जायेगी और तीसरी पीढ़ी राज करेगी। इसी के साथ कुशवाहा ने बताया आज बिहार उन्ही के बनाए नक्शे कदमों में चल रही है और तरक्की ने देश का नंबर एक राज्य बनी हुई है। उनकी ही संरचनाओं पर उनकी सोच पर हमारे मुख्यमंत्री खरे उतरते हुए बिहार में गरीबों , और शोषितझवंचित ओ एक साथ लेकर बिहार की तरक्की में नए आयाम गढ़ रहे है।

छात्र,किसान,मजदूर, महिला के साथ-साथ आम नागरिकों का है बजट-जिला मंत्री

गया।आज भारत के वित्त मंत्री श निर्मला सीतारमण के द्वारा लोकसभा में 2023-24 का आम बजट प्रस्तुत किया गया हूं इस आम बजट का जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अधिवक्ता,जिला मंत्री संतोष ठाकुर ने स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट प्रत्येक व्यक्ति के लिए उत्साहवर्धक हैं। इस बजट में छात्र, किसान, मजदूर, महिला के साथ साथ आम नागरिकों का बजट है।बजट में किसानों के लिए ऋण का लक्ष्य बीस लाख करोड़ रुपये ,आयकर में सात लाख तक छूट के साथ साथ इलेक्ट्रॉनिक कार, मोबाईल, मोटर साईकिल, साइकिल टीवी सस्ते होंगे।स्वास्थ्य जगत में 157 नए नर्सिंग कॉलेज,दवा के क्षेत्र में नये नये शोध ,मुफ्त खाद्यान्न योजना को आगे बढ़ाने का लक्ष्य के साथ पूरे स्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने वाला बजट है इस बजट से आम नागरिकों को लाभ मिलेगा शानदार बजट के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी एवं वित मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को बधाई एवं शुभकामनाएं के साथ यह बजट बेहतर नया भारत निर्माण में सहयोग करेगा।

डी.बी. कॉलेज में मनायी गयी स्व. ललित नारायण मिश्र की 101 वीं जयन्ती को लेकर कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/जयनगर। मधुबनी जिला के जयनगर अनुमण्डल मुख्यालय स्थित डी .बी. कॉलेज के परिसर स्थित सेमिनार हॉल में स्व. ललित नारायण मिश्र का 101 वीं जयन्ती मनाई गई। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डा. संजय कुमार पासवान की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्व॰ मिश्र के तैलचित्र पर कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों के द्वारा पुष्प माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रधांजलि दी गई। महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर्ते हुए हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डा. बुद्धदेव प्रसाद सिंह ने ललित बाबू के कृतित्व के महत्त्व एवं प्रासंगिकता पर विस्तृत प्रकाश डाला। भौतिकी विभाग के अध्यक्ष डा. परशुराम सिंह ने मिथिला क्षेत्र के विकास में स्वर्गीय मिश्र के योगदान को रेखांकित किया, वहीं अर्थशास्त्र विभाग के डा. रमण कुमार ठाकुर ने मिथिला की तत्कालीन आर्थिक स्थिति में स्व॰ मिश्र के कृतित्व से आये परिवर्तन को तथ्यों के साथ रेखांकित किया।

स्वर्गीय मिश्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विशद प्रकाश डालने वालों में भूगोल विभाग के डा. शशिभूषण कुमार अध्यक्ष एवं डा. श्याम कृष्ण अंग्रेजी विभाग के डा. उमेश कुमार सिंह अध्यक्ष और डा. आनन्द कुंवर एवं डा. ज्योति प्रकाश वनस्पति विज्ञान विभाग की डा. रंजना उर्दू विभाग के मो॰ मिन्हाजुद्दीन इतिहास विभाग के डॉ॰ मदन पासवान दर्शनशास्त्र के डा. कुमार सोनूशंकर राजनीति विज्ञान विभाग के डा. अनन्तेश्वर यादव एवं डा. अखिलेश वास्तव के नाम मुख्य हैं। इनके अतिरिक्त शिक्षकेतर कर्मियों एवं छात्र छात्राओं ने भी स्व॰ मिश्र के प्रति भावभीनी उद्गार व्यक्त किये। कार्यक्रम के संयोजक डा. संजय कुमार पासवान के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

जयनगर और देवधा पुलिस ने शराब के नशे में दस नशेड़ियों को किया गिरफ्तार

मामला दर्ज कर आरोपियों को न्यायीक हिरासत में भेजा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/जयनगर। मधुबनी जिला के अनुमण्डल क्षेत्र के देवधा एवं जयनगर थाना पुलिस ने शराब मामले में अभियान के तहत करवाई करते हुए शराब के नशे में अलग अलग जगहों से 10 नशेड़ियों को गिरफ्तार किया। देवधा थाना पुलिस के द्वारा भी शराब के नशे में पाँच नशेड़ियों को गिरफ्तार किया।

देवधा थाना अध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र में पुलिस बल के द्वारा सघन गस्ती और चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के एसएसबी कैम्प के पास शराब के नशे में पाँच पियक्कड़ों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नेपाल धनुषा जिला के खजूरी थाना क्षेत्र महुआ निवासी जमुना प्रसाद महतो , देवधा थाना क्षेत्र के देवधा मध्य निवासी लक्ष्मण मण्डल, देवधा उतरी निवासी अरुण कुमार मण्डल, सूटाई ठाकुर एवं अजय कुमार बताया जाता है। मामला दर्ज कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वही शराब मामले की गई करवाई को लेकर जयनगर थाना अध्ययन अमित कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में सघन गस्ती और जाँच के दौरान पुलिस पदाधिकारी सुप्रिया कुमारी और पुलिस गस्ती दल के द्वारा थाना क्षेत्र के बलडीहा के आसपास शराब के नशे हो हंगामा करने के आरोप में पाँच पियक्कड़ को गिरफ्तार किया। सभी पियक्कड़ नेपाल इनरवा से शराब पीकर आना बताया जाता है। गिरफ्तार आरोपियों में रहिका थाना क्षेत्र निवासी चंदन कुमार झा राहुल कुमार यादव और जयनगर थाना क्षेत्र के बरही निवासी कुलदीप कुमार साह बासोपट्टी थाना क्षेत्र के कटैया निवासी मनोज कुमार एवं पंडौल थाना क्षेत्र के बिछई निवासी धीरज कुमार बताया जाता है । मामला दर्ज कर आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सभी आरोपी नेपाल से शराब पीकर लौट कर आना बताया जाता है। पुलिस के द्वारा शराब मामले में की जा रही करवाई से नशेड़ियों में हड़कंप मचा हुआ है।

किरानी घाट के निकट पूर्व से बने विक्रय स्थल ,गांधी मैदान के पूर्वी छोर पर पूर्व से बने विक्रय स्थल का जीर्णोद्धार : नगर आयुक्त

फुटपाथी विक्रेताओं को ऋण देने को सभी बैंकों को निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया नगर निगम,गया अंतर्गत दीनदयाल अंत्योदय योजनाझराष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन ऊअ झठवछट के एसयूएसब घटक के तहत शहरझ वैडीग कमेंटी टीवीसी की बैठक नगर आयुक्त की अध्यक्षता में की गई है। इस बैठक में आए दिन गया शहर में फुटपाथी विक्रेताओं द्वारा जहां-तहां अवैध जगह पर फुटपाथ दुकान लगाकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त करने एवं उससे उत्पन्न होने वाले आम नागरिकों की परेशानियां एवं फुटपाथ विक्रेताओं की समस्याओं को देखते हुए उन लोगों को वेंडिंग जोन बनाकर उस वेंडिंग स्थल पर व्यवस्थित करने हेतु चर्चा की गई है। जिसके लिए जयप्रकाश नारायण अस्पताल के पीछे गोल पत्थर के पूर्वी भाग अस्पताल के पश्चिम कोना उत्तर तरफ से पूर्वी भाग अस्पताल के

अंतिम दीवार तक शेड बनाकर एवं गया मानपुर को जोड़ने वाले सिक्स लेन पुल पर फुटपाथ दुकानदार द्वारा अतिक्रमण करने से आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सिक्स लेन पुल किरानी घाट के निकट पूर्व से बने विक्रय स्थल का जीर्णोद्धार एवं गांधी मैदान के पूर्वी छोर पर पूर्व से बने विक्रय स्थल का जीर्णोद्धार करने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत फुटपाथी विक्रेताओं को दिए जाने वाले ऋण लाभ हेतु अग्रणी जिला प्रबंधक को जल्द से जल्द सभी लाभुकों को ऋण देने का आदेश दिया गया है।इस बैठक में नगर प्रबंधक, नगर निगम के कार्यपालक अभियंता,अग्रणी जिला प्रबंधक,ऊअ झ ठवछट के सभी पदाधिकारी,फुटपाथ विक्रेता संघ के अध्यक्ष एवं संबंधित सभी मार्केट कमेटी के प्रतिनिधी मौजूद रहे हैं। नगर आयुक्त के द्वारा फुटपाथ विक्रेताओं को यह आश्वस्त किया गया कि जल्द से जल्द उनकी सारी समस्याओ का निदान किया जाएगा।

जगदेव प्रसाद शोषित वंचितों के मसीहा थे, जगदेव प्रसाद व्यक्ति नहीं विचारधारा थे : जिलाअध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

गया।गया में नगमतिया रोड स्थित जदयू कार्यालय गया में जिला अध्यक्ष अभय कुशवाहा की अध्यक्षता में बिहार लेकिन की उपाधि से सम्मानित शहीद जगदेव प्रसाद की 100वीं जयंती धूम धाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अभय कुशवाहा सभी को संबोधित करते हुए कहा की जगदेव प्रसाद शोषित वंचितों के मसीहा थे,जगदेव प्रसाद व्यक्ति नहीं विचारधारा थे।उन्होंने नारा दिया था की सौ में नब्बे शोषित है नब्बे भाग हमारा है। अभय कुशवाहा ने कहा कि जगदेव बाबू किसी समाज के खिलाफ नहीं थे, दस प्रतिशत सामंतवादी विचारधारा वाले लोग के खिलाफ थे। जगदेव बाबू का जो सपना था शोषित बांचितों को अधिकार देना सत्ता में भागीदारी देना, आज पार्टी के सर्वमान्य नेता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज बिहार उनके पद चिन्हों पर चलते हुए हैं। सभी समाज के कमजोर वर्गो को आगे बढ़ाकर मुख्य धारा में लाने का काम किया है। विधानपार्षद, संजीव श्याम सिंह, मनोरमा देवी ने भी कहा कि जगदेव बाबू सपना को एकमात्र नेता नीतीश कुमार पूरा कर रहे हैं। इस पर पूर्व अध्यक्ष अलेक्जेंडर खान, शौकत अली, प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल,आसिफ जफर, रौशन मांझी,पुष्पेंदु पुष्प, अरुण राव,राजेश प्रसाद,कैलाश पासवान, अजीत शर्मा,बबन चंद्रवंशी, मोहन खान, मितंबरा लोहड़े, पूनम कुशवाहा,सोनम दास, जितेंद्र दास,वीणा देवी, रेशमा खातून, मालती देवी, अरबिंद वर्मा, रामबली बिंद, मो0 समीम, उपेन्द्र दांगी,एवं पार्टी के सैकड़ों साथी उपस्थित थे।

गया जिले के 50 सरकारी स्कूलों को बनाया जाएगा मॉडल स्कूल

प्रात : किरण संवाददाता

गया।जिले के सरकारी स्कूलों को प्राइवेट स्कूल की तरह बनाया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने एक बड़ी कार्य योजना पर काम शुरू किया है। इस कार्य योजना के तहत जिला के हर प्रखंड से दो दो विद्यालय एवं नगर निगम क्षेत्र के दो विद्यालय इस प्रकार कुल मिलाकर पचास सरकारी स्कूलों का चयन करके, उन्हें मॉडल शिक्षण संस्थान की तरह विकसित किया जा रहा है। मॉडल विद्यालय बनाने का उद्देश्य है कि ड्रॉपआउट रेश्यो में कमी लाया जाएगा, शिक्षा की गुणवत्ता में और तेजी से सुधार लाया जाएगा, ऑनलाइन एजुकेशन को बढ़ावा दिया जाएगा, प्रोजेक्टर बेस्ट स्मार्ट क्लास के माध्यम से बच्चों को और बारीकी से पढ़ाई सुविधा करवाया जाएगा, कंप्यूटर लैब का भी संस्थापन किया जाएगा। इसके साथ डिजिटल लिटरेटिंग को बढ़ावा दिया जाएगा।

इसके लिए जिला पदाधिकारी गया डॉ त्यागराजन एसएम ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को संबंधित विद्यालयों को मॉडल विद्यालय के रूप में युद्ध स्तर पर विकसित करवाने का निर्देश दिए हैं। मॉडल स्कूल में विकसित करने हेतु कुल छः एक्टिविटी प्लान तैयार किया गया है।जिनमे बाला (इअछअ) शिक्षण सहायता के रूप में भवन द्वारा वॉल पेंटिंग, कंप्यूटर लैब, प्रोजेक्टर बेस्ड स्मार्ट क्लास, अत्यादुनिक लाइब्रेरी, शिक्षकों का प्रशिक्षण और क्षमता का निर्माण एवं परियोजना का मूल्यांकन शामिल हैं।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि गया जिले के सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने का यह काम शुरू किया गया है। इस कार्य योजना के तहत चिहित होने वाले इन 50 स्कूलों, उत्क्रमित विद्यालय एवं जो उत्क्रमित एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को अगले तीन महीने के भीतर शिक्षा एवं अन्य तरह की शिक्षकेतर गतिविधियों के मामले में बड़े पायदान पर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिला पदाधिकारी ने बताया कि इस काम को मिशन के रूप में पूरा किया जाएगा। इसके लिए जिला के हर प्रखंड के दो दो स्कूलों का चयन किया गया है। इन मॉडल विद्यालयों में बाला बिल्डिंग एज लर्निंग एड के माध्यम से परिसर और कमरों में रंगीन पेंटिंग, दृश्य और ज्यामितीय आकार, दीवारों, दरवाजों सीढ़ियों इत्यादि पर अक्षर और शब्द और आंकड़े एवं सामाजिक संदेशों से संबंधित चित्रकारी कराया जाएगा।

आदर्श शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित होने वाले इस सरकारी स्कूलों में प्रोजेक्टर आधारित स्मार्ट क्लास और लाइब्रेरी की भी सुविधा छात्र-छात्राओं की दी जाएगी। उन्होंने बताया कि आदर्श शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित होने वाले चिहित 50 स्कूलों को विकसित किया जाएगा। इन स्कूलों के भवन के रंग-रोगन के साथ उसे इस तरह सजाया-संवारा जाएगा,जो वहां के बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि पैदा करने में सहायक हो। आगे बताया कि इन स्कूलों के सभी वर्ग कक्ष को आनंदमयी बनाया जाएगा। स्कूलों में स्मार्ट क्लास तथा लाइब्रेरी की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

इन स्कूलों में सभी जरूरी सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इन मॉडल स्कूलों के शिक्षकों को भी जरुरी प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला पदाधिकारी ने बताया कि इन मॉडल स्कूलों के छात्र-छात्राओं को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए इन स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी विशेष तरह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए भी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया गया है।

स्थाई कुलपति की नियुक्ति अगर जल्द से जल्द नहीं की गई तो छात्र जदयू करेगी अर्धनग्न प्रदर्शन : उत्तम कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। छात्र जनता दल यूनाइटेड कार्यालय में मगध विश्वविद्यालय अध्यक्ष उत्तम कुशवाहा के अध्यक्षता में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया है। पत्रकार को संबोधित करते हुए उत्तम कुशवाहा ने कहा कि विगत एक हफ्ता पहले 20 जनवरी को महामहिम बिहार के राज्यपाल के विरोध में पैदल मार्च निकाला गया था जिसमें मुख्य मांगे हमारी राज्यपाल से ही थी कि मगध विश्वविद्यालय में स्थाई कुलपति, स्थाई रजिस्टार की नियुक्ति हो साथ ही लंबित परीक्षाओं को शेड्यूल जारी किया जाए एवं लंबित परिक्षाए के परिणाम को अभिलंब जारी किया जाए इसके इसके बाद राज्यपाल के निर्देश अनुसार विश्वविद्यालय ने स्नातक 2018-21 स्नातक 2019-22 सेशन के छात्रों का रिजल्ट जारी कर दिया गया है इसके साथ ही लंबित परीक्षाओं का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया, लेकिन अभी तक स्थाई कुलपति स्थाई रजिस्टार की नियुक्ति नहीं की गई है आखिर क्या कारण है कि अभी तक विश्वविद्यालय में स्थाई कुलपति की नियुक्ति ना होने से विश्वविद्यालय की ग्रेडेशन में समस्या आ रही है। जिसकी वजह से कई सालों से विश्वविद्यालय का ग्रेडेशन नहीं किया गया है जिसके कारण कभी भी विश्वविद्यालय की मान्यता को रद्द किया जा सकता है ।इतनी गंभीर समस्या को भी राज्यपाल अनदेखा कर रहे हैं ।आनन-फानन में प्रेशर में काम कर रहे हैं अगर जल्दी हमारे विश्वविद्यालय में स्थाई भी सिगरेट पी नहीं की गई तो छात्र जदयू अदर नग्न प्रदर्शन कर के राज्यपाल लज्जित करने का काम करेगा और कई महीनों तक भूख हड़ताल भी कर कर इस लड़ाई को आगे जारी करने का काम करेंगे, अभी बिहार में इंटरमीडिएट मैट्रिक परीक्षाएं चल रही है इसके बाद मैट्रिक का भी परीक्षा होंगे जिसके कारण लाखों छात्र इस में सम्मिलित होंगे ,अगर हम सभी आंदोलन करते हैं। सभी छात्रों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है इस चीज को ध्यान में देखते हुए हम सभी छात्र जदयू ने निर्णय लिया है कि कि राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे औरअंतिम बार अल्टीमेटम लोग देंगे कि अगर 1 महिना के अंदर विश्वविद्यालय में स्थाई भी नियुक्ति नहीं की गई तो इसके बाद छात्र जदयू नहीं का आंदोलन और भी तेज होगा।

ललित नारायण मिश्र के जयंती पर विचार गोष्ठी और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

मधुबनी/बेनीपट्टी। बेनीपट्टी अनुमंडल स्थित कालिदास विद्यापति साइंस महाविद्यालय उच्चैठ में राष्ट्रीय सेवा योजना यूनिट के द्वारा गुरुवार को ललित नारायण मिश्र जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ आलोक कुमार पाठक और संचालन नोडल पदाधिकारी डॉ दीपक कुमार दास ने किया। कार्यक्रम का आरंभ ललित बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। तत्पश्चात रसायन शास्त्र के प्राचार्य अंजीत ठाकुर ने विस्तार से अपना वक्तव्य रखा। सभी ने बारी बारी से अपनी विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के पहले हिस्से में विचार गोष्ठी और दूसरे हिस्से में वृक्षारोपण का कार्यक्रम रखा गया। मौके पर नीलमणि झा, राजा साहू, कृष्णा, मनोहर, अभिषेक, नारायण झा एवम् छात्र संघ अध्यक्ष सुधीर कुमार यादव, उपाध्यक्ष आरती कुमारी, मधवापुर प्रखंड उपाध्यक्ष अभिनाश कुमार, भारती कुमारी, ज्योति कुमारी सहित सैकड़ों छात्र छात्राएं मौजूद थे।

सफर मे अनवरत चलेंगे हम मधुबनी वासियों के संग : नीतू झा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। मधुबनी नगर निगम चुनाव को लेकर प्रत्याशी दिन रात एक किये हुये हैं उसी को लेकर बसवारा भच्छी हनुमान बाग इंदेश्वर काँलोनी हनुमान बाग इंद्रेश्वर कॉलोनी ब्राह्मण टोला नोनिया टोली यादव टोल मल्लाह टोल लहेरियागंज मुसहरी टोल तुरहा टोल रामनगर न्यू चकदह में मधुबनी नगर परिषद् के मेयर प्रत्याशी प्रो॰ नीतु झा ने सघन जनसंपर्क अभियान में चलते हुये कहा की मधुबनी के प्रत्येक क्षेत्र से मिल रहे मतदाताओं के अपार समर्थन से अभिभूत हूँ और मुझे विश्वास है मधुबनी की जनता डमी को चोट करेंगें और हमे मधुबनी के विकास के लिए को वोट करेंगे। जो मधुबनी नगर परिषद् को धनबल छलबल से दुर रखेगा जो ईमानदारी कर्तव्यनिष्ठा से संपूर्ण होगा मधुबनी शहर का अधुरा पडा विकास जो पूरा करेगा जिससे मधुबनी की जनता कभी नही निराश होगा। उसे मधुबनी का मेयर बनाने का मतदाता ने मन से ये मिल रहा मतदाताओं का अपार स्नेह और आशीर्वाद बता दिया है विरोधियों को । प्रो॰नीतू झा ने जनसंपर्क के जरिये कहा की हमने हाथों में मेहंदी नहींअपने शहर मधुबनी मे विकास के क्षेत्र मे कुछ करने का मन मे जो हमने जज्बा जगाया है कुछ लोगों को पेट मे दर्द इस बात से हो रही है कि हमने मधुबनी वासियों को घर-घर जाके शहर के परिस्थितियों से अवगत कराते हुये निंद से क्यों जगाया है। प्रो॰ नीतू झा ने कहा जिसका सोच ईमानदार होगा वहीं मधुबनी का विकास दमदार कर सकता है।

देशी नेपाली शराब व एक मोटरसाइकिल सहित धंधेबाज गिरफ्तार भेजा जेल

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/खजौली। मधुबनी जिला के खजौली थाना पुलिस ने गुरुवार को दीवा गस्त के दौरान थाना क्षेत्र के खजौली रेलवे स्टेशन से दक्षिण गुमटी संख्या 27 के पास 77बोतल देशी नेपाली शराब के साथ एक मोटरसाइकिल सहित एक शराब तस्कर को एएसआई मदन उरांव की नेतृत्व में गिरफ्तार किया।गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचान जयनगर थाना क्षेत्र परवा बेलही वार्ड 10निवासी मो. हासिम के पुत्र मो.अकबर के रूप में हुआ है। एएसआई मदन उरांव ने बताया की गस्त के दौरान पुलिस की गाड़ी ज्यों ही रेलवे गुमटी के पास पहुंचा तो जयनगर की तरफ से ट्रेन आने के कारण गुमटी की फाटक बंद था। वही पुलिस की गाड़ी देखते ही वहा पहले से मौजूद एक बाइक सवार युवक पुलिस की गाड़ी देखते ही वह अपना मोटरसाइकिल घुमाकर भागने के दौरान पुलिस बल के सहयोग से भाग रहे युवक को खदेड़ कर अपने कब्जे में लिया।वही गाड़ी की तलाशी लेने पर युवक के मोटरसाइकिल सीट व डिक्की में तीन सौ एमएल के 77 बोतल देशी नेपाली शराब बरामद हुआ। मौके से शराब सहित मोटरसाइकिल जब्त कर शराब तस्कर युवक को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए लाया गया। जहां अग्रेतर करवाई की प्रक्रिया सुरू कर दिया गया है।

पालीगंज में पूर्व सरपंच की 7 वीं पुण्यतिथि मनाया गया

पालीगंज। गुरुवार को स्थानीय बाजार स्थित कुशवाहा मार्केट में पालीगंज के पूर्व सरपंच का 7 वीं पुण्यतिथि मनाया गया। जानकारी के अनुसार सात वर्षो पूर्व पालीगंज के सरपंच रामनाथ चंद्रवंशी की हत्या झारखंड पुलिस की गोली से हो गई थी। जिनकी 7 वीं पुण्यतिथि गुरुवार को पालीगंज बाजार स्थित कुशवाहा मार्केट में मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धांजलि सह संकल्प सभा का भी आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद एमएलसी सदस्य रामबली सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की रामनाथ चंद्रवंशी एक अच्छे समाजसेवी भी थे। जिनकी हत्या जनता को सहायता करने के दौरान उग्रवादी को पकड़ने आये झारखंड पुलिस की गोली से हो गयी थी। उन्हें पालीगंज के इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। वही पालीगंज बिधायक संदीप सौरभ ने कहा कि उनकी कमी हमेशा पालीगंज की जनता को खलती है।

एसएसबी ने ग्रामीणों के बीच अमृत महोत्सव को लेकर कार्यक्रम किया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/जयनगर। मधुबनी जिला जयनगर सीमांत मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल पटना के निदेर्शानुसार, 48वीं वाहिनी एस एस बी मुख्यालय के कमांडेंट आई एस पनमई के निदेर्शानुसार देवधा के कंपनी कमांडर उप निरीक्षक पुष्पेंद्र राजपूत के नेतृत्व में जयनगर प्रखंड क्षेत्र के देवधा स्थित राम जानकी मंदिर परिसर में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो पटना द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव एवं 8 साल सेवा, सुशान एवं गरीब कल्याण के लिए किये गए कार्यो से आम जनता को परिचित कराने के लिए दिसबिल्ड स्पोर्ट्स एंड वेल्फेयर एकेडमी के कलाकारों के द्वारा संस्कृति प्रदर्शनी कार्यक्रम सह जागरूकता कार्यक्रम का किया गया भव्य आयोजन। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 48 वीं वाहिनी एस एस बी कमला कंपनी के कंपनी कमांडर गोविंद मेर ने कहा कि यह संस्कृति प्रदर्शनी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देवधा समेत सारे देश की जनता को आजादी दिलाने वाले सपूतों के बारे में प्रेरित करना रहा है, साथ ही केंद्र सरकार द्वारा आम जनता के लिए किये गए कार्यो को भी इस नाटक के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अमृत महोत्सव के आयोजन से आम जनता को आजादी के लड़ाई और उसके नायकों के बारे में एक नई दृष्टि और ज्ञान मिल रहा है,यह बहुत बड़ी बात हैं। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी जानत से अपील करते हुए कहा कि" तन समर्पित, मन समर्पित एवं जयनगर समेत सीमा क्षेत्र में जीवन यापन कर रहे लोगो के लिए हर दिन समर्पित"सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो पटना में पंजीकृत दिसबिल्ड स्पोर्ट्स एंड वेल्फेयर एकेडमी द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 8 साल सेवा, सुशान एवं गरीब कल्याण विषयों पर आयोजित एक दिवसीय संस्कृति कार्यक्रम सह जागरूकता कार्यक्रम में लोगों ने भरपूर आनंद उठाया। साथ ही इस प्रदर्शनी के माध्यम से भारत सरकार के विभिन्न योजनाओं के विषय मे जानकारी प्राप्त भी किया। साथ ही उन्होंने ने यह भी कहा कि एस एस बी का हमेशा से मोटो रहा है"सेवा, सुरक्षा और बन्धुत्व" एस एस बी जनकल्याण हेतू निरंतर इस तरह के योजनाओं से जोड़ने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। लिहाजा सामाजिक रूप में इसका सकारात्मक असर दिख रहा हैं। आवश्यक सामाजिक गतिविधियों का संचालन करते हुए एस एस बी आमलोगों को जागरूक कर रही हैं।

सम्पादकीय

जी भर कर जियो

यह एक सच है कि यदि हम मानसिक रूप से सीखने के लिए तैयार हों तो हम नई बातें फटाफट सीख जाते हैं। एक और बड़ा सच यह है कि हमने जो सीख लिया वह ऐसा खजाना है कि हमेशा हमारे साथ रहता है, कोई उसे हमसे छीन नहीं सकता। सीखने की प्रक्रिया कभी नहीं रुकती, बुढ़ापे में भी, बशर्ते कि हम सीखने के लिए तैयार हों। हाल ही में मैंने कुछ नई बातें सीखी हैं। मैं शुरू से ही कुछ-कुछ लापरवाह और खिलंदड़ा रहा हूं। मैं उदास नहीं होता, अक्सर खुश रहता हूं, पर मैंने मन में कई ग्रंथियां पाल रखी थीं। मेरे मन में दुनिया भर के प्रति शिकायतें थीं और मैं समझता था कि दुनिया को वह समझना चाहिए जो मैं समझता हूं जबकि सच यह है कि खुद मुझे बहुत कुछ समझने की आवश्यकता थी। जीवंत जीवन जीने के लिए आवश्यक है कि हम खुद से जदा प्यार करना सीखें। खुद से प्यार करने का मतलब है कि हम अपनी सेहत पर फोकस करें, सच्चे रिश्ते बनाएं और अपना ज्ञान बढ़ाते रहें। सेहत पर फोकस में फिर तीन और नुक्ते हैं। इनमें से पहला है भोजन, दूसरा है व्यायाम और तीसरा है तनावरहित खुशी भरा मन। भोजन में जदा नमक, चीनी और संस्कारित भोजन की जगह हरी सब्जियों, सलाद, दाल की प्रचुरता वाला फाइबर और प्रोटीन युक्त ताजा और संतुलित भोजन हमारे स्वास्थ्य में बड़ी भूमिका निभाता है। थोड़े से योग और व्यायाम का मिलाजुला रूप शरीर के लिए आदर्श है। तनावरहित खुशी भरा मन कहने में जितना आसान दिखता है, करने में यह उतना ही कठिन है।

यह एक लंबी मानसिक और आध्यात्मिक यात्रा है, पर इसकी शुरूआत हर उम्र में संभव है। मानसिक शांति और संतुलन की बहुत छोटी सी और आसान शुरूआत तो सिर्फ यहां से हो सकती है कि हम हर तीन घंटे बाद आराम से बैठ कर लंबे सांस लेने की आदत डालें और जब कभी तनाव या चिंता में हों तो बैठ जाएं और गहरे लंबे सांस लें। श्वसन की इस प्रक्रिया से तनाव दूर हो जाता है। इस तरह शरीर में जदा आक्सीजन जाती है और हमारी मांसपेशियों को नया जीवन मिलता है। ऐसा ही एक और आसान तरीका है उबासी लेना। तनाव अथवा उदासी की स्थिति में यह एक रामबाण औषधि है। उबासी लेते समय आपका पूरा ध्यान उबासी की तरफ हो जाता है, शेष चिंताओं से आपका ध्यान हट जाता है और आपकी मांसपेशियों को अतिरिक्त ऊर्जा मिलती है। हम में से बहुत से लोगों को अक्सर रात में नींद न आने की समस्या से गुजरना पड़ता है। जब कभी अनिद्रा की शिकायत हो, कुछ पढे लग जाएं या किसी गतिविधि में व्यस्त हो जाएं। महिलाओं के लिए बर्तन साफ करना, उन्हें करीने से सजाना एक आसान उपाय है।

सच तो यह है कि हम पुरुष भी इसे आजमा सकते हैं। इस सुझाव पर हंसें नहीं, आजमाएं, और आप पायेंगे कि यह जादू की तरह काम करता है और जल्दी ही आप महसूस करते हैं कि आप नींद के लिए तैयार हैं। जी भर के जीने की यह साधारण सी दिखने वाली कलाएं असल में बहुत असाधारण हैं। तनाव रहित जीवन जीने और खुश रहने में हमारी मानसिकता की भूमिका बहुत जदा है। अपनी आदतें बदलना एक लंबी यात्रा हो सकती है, थोड़ी सी कठिन हो सकती है, पर कुछ ही अभ्यास से हम ऐसा कर सकते हैं। दरअसल यह करने और होने का फर्क है, यह डूइंग और बीइंग का फर्क है। एक उदाहरण से मैं अपनी बात स्पष्ट करना चाहूंगा। शुरू-शुरू में जब मैं ह्यखुश रहने और खुश रखने की कला पर वर्कशाप संचालित किया करता था तो मैं वर्कशाप के प्रतिभागियों को डेल कानेर्गी की प्रसिद्ध पुस्तक लोक व्यवहार (हाउ टु मेक फ्रेंड्स एंड इन्फ्लुएंस पीपल) भी बांटा करता था। एक बार मेरी वर्कशाप में एक ग्रामीण दंपत्ति भी भाग ले रहे थे। रुटीन के मुताबिक वह पुस्तक मैंने उन्हें भी दी। कुछ दिन बाद जब उनसे दोबारा मुलाकात हुई और मैंने पूछा कि पुस्तक पढ़ी या नहीं, तो उनका उत्तर था कि यह किताब तो चालाकियों से भरी हुई है।

आज जब मैं उस घटना पर विचार करता हूं तो मुझे समझ आता है कि उस ग्रामीण दंपत्ति ने कितनी सरलता से एक बहुत बड़े सच का खुलासा किया था। यदि हम किसी को पसंद नहीं करते, और उसकी प्रशंसा करते हैं तो हम काम तो अच्छा कर रहे हैं, पर हम खुद अच्छे नहीं बन पाये हैं। इससे हमारे मन-मस्तिष्क में तनाव रहता है, जो कई रोगों का कारण बनता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (वर्ल्ड हैल्थ आगेर्नाइजेशन) ने एक एडवाइजी जारी करके बताया है कि अगले 8 सालों में, यानी सन् 2025 तक 87 फीसदी भारतीय कैंसर के मरीज हो जाएंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि भारत में बिकने वाला 68.7 प्रतिशत दूध सिंथैटिक या मिलावटी होता है, जो हमारी सेहत के लिए बहुत बड़ा खतरा है। चिकित्सकों की दृष्टि से देखें तो यह एक सच्चाई है ही, पर जरा और गहराई में जाएं तो हमें सीखने के लिए बहुत कुछ मिल सकता है। हमारा देश इस समय झगड़ालू प्रवृत्ति और मानसिक तनाव में जीने वाले लोगों का देश बन गया है। स्वास्थ्य विज्ञान का यह मानना है कि तनाव, कैंसर का सबसे बड़ा कारण है, जबकि अध्यात्म का मानना है कि कैंसर का एकमात्र कारण तनाव ही है। हमें बीमार करने वाले जितने भी कारण हों, चाहे वह वायरस है या गलत खानपान या खराब जीवन शैली, हमारा शरीर उनसे निबट सकता है, पर तनाव एक ऐसा रोग है जिसकी कोई काट नहीं है और इसके परिणामस्वरूप शरीर अनेक प्रकार के रोगों से ग्रस्त हो जाता है। लब्बोलुबाब यह कि हम खुद से प्यार करें। स्वास्थ्यवर्धक भोजन लें, व्यायाम के लिए समय निकालें, किसी की प्रशंसा करने से पहले उसकी अच्छाइयों की तरफ ध्यान दें।

आम जन की आकांक्षाओं पर कितना खरा उतर पायेगा आम बजट?

डॉ. भरत मिश्र प्राची-

लोकसभा चुनाव से पूर्व केन्द्र सरकार का अंतिम पांचवा आम बजट वित मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अमृत काल का बजट लोकसभा सदन में प्रस्तुत कर दिया जिसपर बहस की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। चुनाव पूर्व सरकार द्वारा पेश किया गया यह आम बजट आम जन की आकांक्षाओं पर कितना खरा उतर पायेगा यह तो आने वाला समय ही बता पायेगा पर इस बजट के माध्यम से केन्द्र सरकार ने हर वर्ग को खुश करने का भरपूर प्रयास किया है। इसका साक्षात उदाहरण बजट में इस बार आयकर स्लैब में दी गई विशेष छूट की सीमा को देखा जा सकता है जहां 7 लाख आय वाले को आयकर के दायरे से बाहर कर दिया गया है। 7 लाख से अधिक आय वाले को 3 लाख तक की आय की छूट दी गई है। 3 से 6 लाख आय वाले को 5 प्रतिशत 6 से 9 लाख आय वाले को 10 प्रतिशत 9 से 12 लाख आयवाले को 15 प्रतिशत 12 से 15 लाख आय वाले को 20 प्रतिशत एवं 15 लाख से अधिक आय पाने वाले को 30 प्रतिशत कर देय का प्रावधान बजट में रखा गया है। इस स्लैब से देश के करोड़ों वेतनभोगियों को खुश करने का भरपूर प्रयास किया गया है। जिन्हें सरकार के हर आने वाले बजट में राहत की उम्मीद बनी रहती। सरकार ने वेतनभोगियों की इस उम्मीद को चुनाव पूर्व अपने अंतिम बजट में पूरा करने का भरपूर प्रयास किया है। इसका चुनावी लाभ कितना मिल पाता है यह तो चुनाव उपरान्त ही पता चल पायेगा। लोकसभा चुनाव पूर्व 9 राज्यों के विधानसभा चुनाव भी होने है जहां आम बजट के माध्यम से केन्द्र सरकार का चुनाव में राजनीतिक लाभ लेने का भरपूर प्रयास उजागर हो रहा है। इसके आलावे बजट की आम बात जहां विशेष रूप से बजट किसानों महिलाओं एवं एस टी वर्ग पर फोकस किया गया है। एस टी वर्ग को आकर्षित करने के लिये बजट में एस टी मिशन पर 15 हजार करोड़ लगाने एवं देश भर में 740 एकलव्य स्कूलों के लिये 38800 शिक्षकों की व्यवस्था का प्रावधान है। किसानों को डिजिटल प्रशिक्षण 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती मोटे आनाज उत्पादन हेतु आर्थिक मदद कृषि स्टोर क्षमता बढ़ाने 20 लाख करोड़ का फंड कर्ज के तहत आदि देने का प्रावधान है। बजट में नेशनल लाइबेरी मेडिकल कॉलेज के साथ नर्सिंग कॉलेज गोबर धन योजना के तहत 10 हजार करोड़ 50 नये एयर पोर्ट इफ्रा योजना के लिये 10 लाख करोड़ ई न्यालालय उर्जा परिवर्तन हेतु 35 हजार करोड़ कीट नाशक हेतु 10 हजार बायोप्लान्ट पर्यावरण स्वच्छ भारत मिशन मिशन कर्मयोगी 80 करोड़ आम जन के लिये 1 वर्ष फ्री आनाज वितरण प्रधान मंत्री आवास योजना हेतु 79 हजार करोड़ की राशि के प्रावधान महिलाओं के लिये 2 वर्ष के लिये 7.75 प्रतिशत ब्याज की दर से महिला सम्मान बचत पत्र जारी करने एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिये बचत सीमा की राशि 30 लाख तक करने के प्रावधान के साथ सरकार ने आम वर्ग को खुश करने का प्रयास किया है। पर बजट में महगाई कम करने एवं स्थाई रोजगार पाने के ठोस विकल्प कहीं से उभर कर सामने नजर नहीं आया। सत्ता पक्ष इस बजट को आम जनहितकारी बता रहा है तो विपक्ष इसे लोकलुभावना बताते हुये आमजन को भरमाने वाला बजट बता रहा है जहां आमजन को बढ़ती महंगाई से कोई राहत मिलने के आसार नहीं दिखाई दे रहे है न रोजगार के ठोस आधार नजर आ रहे है।

बजट विश्लेषण : आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरता बजट

यह बजट मोदी सरकार का 11वां और केन्द्र सरकार के मौजूदा कार्यकाल का पांचवां बजट था। इस बजट पर पूरे देश की नजरें केन्द्रित थी क्योंकि आम आदमी को इस बजट से ढ़ेर सारी उम्मीदें थी। दरअसल माना जा रहा था कि इस वर्ष होने जा रहे कई विधानसभा चुनावों के साथ-साथ अगले वर्ष लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बजट में आम जनता के लिए राहतों का पिटारा खोला जाएगा और ये उम्मीदें बेकार भी नहीं गई। सरकार ने 45 लाख करोड़ रुपये के खर्च का जो बजट प्रस्तुत किया है उसमें सरकार की पावतियां केवल 23 .3 लाख करोड़ रुपये की ही होंगी और इस भारी-भरकम घाटे को पूरा करने के लिए सरकार विनिवेश के जरिये करीब 51 हजार करोड़ रुपये की धनराशि जुटाएगी जबकि उसे 15 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा के बाजार से ऋण लेने पड़ेंगे। बाकी की कमी को लघु बचतों के जरिये पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। बजट के प्रावधानों को देखते हुए प्रतीत होता है कि सकल विकास वृद्धि में बढ़ोतरी के लिए करीब 10 लाख करोड़ रुपये की धनराशि पूंजीगत खाते से खर्च करके सरकार देशभर में रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादन को भी बढ़ावा देना चाहती है।

योगेश कुमार गोयल
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

सबसे लंबा बजट भाषण देने परम्परा में बदलाव और पेपरलेस बजट जैसे कई रिकॉर्ड कायम करने के बाद वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एक फरवरी को अपना पांचवां आम बजट पेश किया। यह बजट मोदी सरकार का 11वां और केन्द्र सरकार के मौजूदा कार्यकाल का पांचवां बजट था। इस बजट पर पूरे देश की नजरें केन्द्रित थी क्योंकि आम आदमी को इस बजट से ढ़ेर सारी उम्मीदें थी। दरअसल माना जा रहा था कि इस वर्ष होने जा रहे कई विधानसभा चुनावों के साथ-साथ अगले वर्ष लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बजट में आम जनता के लिए राहतों का पिटारा खोला जाएगा और ये उम्मीदें बेकार भी नहीं गई। सरकार ने 45 लाख करोड़ रुपये के खर्च का जो बजट प्रस्तुत किया है उसमें सरकार की पावतियां केवल 23.3 लाख करोड़ रुपये की ही होंगी और इस भारी-भरकम घाटे को पूरा करने के लिए सरकार विनिवेश के जरिये करीब 51 हजार करोड़ रुपये की धनराशि जुटाएगी जबकि उसे 15 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा के बाजार से ऋण लेने पड़ेंगे। बाकी की कमी को लघु बचतों के जरिये पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। बजट के प्रावधानों को देखते हुए प्रतीत होता है कि सकल विकास वृद्धि में बढ़ोतरी के लिए करीब 10 लाख करोड़ रुपये की धनराशि पूंजीगत खाते से खर्च करके सरकार देशभर में रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ औद्योगिक उत्पादन को भी बढ़ावा देना चाहती है। छोटे और मध्यम उद्योगों को शुल्क ढ़ांचे में रियायतें प्रदान कर सरकार यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि अपने उत्पादन को बढ़ाने के साथ-साथ यह क्षेत्र रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में भी सहभागी बने।

इस बार के केन्द्रीय बजट में विभिन्न क्षेत्रों को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं जिनमें सबसे महत्वपूर्ण आम जनता को आयकर दरों में राहत दिया जाना है। दरअसल बहुत लंबे समय से आयकरों दरों में बदलाव की मांग की जा रही थी। नई कर व्यवस्था में आयकर सीमा में छूट को पांच लाख से बढ़ाकर सात लाख किए जाने से न केवल छोटे करदाताओं को बहुत बड़ी राहत मिलनी तय है वहीं इससे मिशन 2024 मोड में जुटी भाजपा को सीधा फायदा मिलेगा। हालांकि पुरानी कर व्यवस्था भी लागू रहेगी जिसके तहत अभी भी 80सी पीएफ आवासीय कर्ज के मूलधन और ब्याज के भुगतान इत्यादि पर छूट हासिल की जा सकती है जो नई कर व्यवस्था में नहीं मिलेगी लेकिन इस छूट के बगैर भी सात लाख तक की आय का करमुक्त होना करोड़ों करदाताओं को सीधे तौर पर लाभान्वित करेगा। इस वर्ष से इस नई कर व्यवस्था को डिफॉल्ट व्यवस्था बना दिया गया है। दरअसल करदाताओं को पुरानी कर व्यवस्था से नई कर व्यवस्था को अपनाने के लिए प्रेरित करना सरकार के लिए बड़ी चुनौती रही क्योंकि तमाम अपीलों के बावजूद अधिकांश लोगों ने इसे नहीं अपनाया था।

बजट में महिलाओं और बुजुर्गों का भी खास ध्यान रखने का प्रयास किया गया है। वरिष्ठ नागरिकों की बचत सीमा को 15 लाख से बढ़ाकर 30 लाख रुपये करने गैर सरकारी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अवकाश नकदीकरण पर मिलने वाली छूट को 3 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने की घोषणा महिला सम्मान सेविंग सर्टिफिकेट की घोषणा इत्यादि सियासी दृष्टिकोण से भाजपा के प्रति सकारात्मक माहौल में वृद्धि करने में सहायक साबित हो सकती हैं। बजट में कई ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय हैं जो स्पष्ट तौर पर इस बार के बजट में भाजपा सरकार की ओर से राजनीतिक संदेश देते प्रतीत होते हैं। देश के 80 करोड़ लोगों को जनवरी 2024 तक मुफ्त अनाज योजना भाजपा की सबसे महत्वाकांक्षी योजना है जो 2022 के विधानसभा चुनावों में भी उसके लिए कुछ राज्यों में गेमचेंजर साबित हो चुकी है और विरोधी भी मानते रहे हैं कि भाजपा को इस योजना का बड़ा सियासी लाभ मिलता रहा है। गरीबों के लिए चलाई जा रही इस योजना के अलावा आवास योजना पेयजल योजना और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना इत्यादि के आवंटन में बड़ी वृद्धि आदिवासियों के लिए 15 हजार करोड़ की नई योजना व्यक्तिगत करदाताओं के लिए नई कर व्यवस्था इत्यादि कई ऐसी घोषणाएं हैं जो देश के निम्न और मध्यम आय के लोगों को भी आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। प्रधानममंत्री आवास योजना तो मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है जिसके लिए 2022-23 के बजट में 48 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया था लेकिन इस बार के बजट में उसे 66 फीसदी बढ़ाकर सरकार ने इस योजना के लिए 79500 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की है। इस योजना के तहत 2024 तक करीब 2.94 करोड़ गरीब लोगों को घर मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है। वैसे सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2.94 करोड़ में से 2.12 करोड़ घरों का निर्माण पूरा हो चुका है और ये घर गरीबों को सौंपे भी जा चुके हैं।

जनजातीय समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने और उनके निवास स्थल को बुनियादी सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीएमपीवीटीजी) विकास मिशन की घोषणा करते हुए इसके लिए 15 हजार करोड़ रुपये का खाका पेश किया गया है। ऐसे में अनुसूचित जातियों-जनजातियों वाले मतदाता क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिए जाने की झलक बजट में नजर आ रही है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत अभी तक देशभर में करीब साढ़े चार करोड़ गरीब लोग मुफ्त इलाज की सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। इस योजना में आवंटन को पिछले साल के 6457 करोड़ रुपये के बजट से बढ़ाकर 7200 करोड़ कर दिया गया है। इस वित्त वर्ष में प्रधानमंत्री किसान सम्मान के लिए 60 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया जा चुका है और पीएम-किसान के तहत 11.4 करोड़ किसानों को अभी तक 2.2 लाख करोड़ रुपये का नकद हस्तांतरण भी किया जा चुका है। जल जीवन मिशन के लिए बजट को पिछले साल की तुलना में 60 हजार करोड़ से बढ़ाकर 70 हजार करोड़ रुपये किया गया है जिसके तहत 2024 तक देश के सभी 20 करोड़ परिवारों तक पीने का साफ पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार के मुताबिक 2019 तक केवल तीन करोड़ परिवारों को ही पीने का साफ पानी उपलब्ध था लेकिन जल जीवन मिशन के तहत अभी तक करीब 11 हजार करोड़ परिवारों लोगों को पीने का साफ पानी मुहैया कराया जा चुका है। स्किल इंडिया मिशन के तहत बजट में डिजिटल प्लेटफार्म की घोषणा की गई है। डिजिटल प्लेटफार्म के जरिये उद्यम और रोजगार की ट्रेनिंग देने नियोक्ताओं तक युवाओं की सीधी पहुंच बढ़ाने को लेकर इस प्लेटफार्म के जरिये होने वाला कार्य लाखों युवाओं के बीच भाजपा के प्रति समर्थन बढ़ाने में सहायक हो सकता है। देशभर में इस योजना के विस्तार की घोषणा के मद्देनजर डिजिटल प्लेटफार्म से बड़ी संख्या में युवा लाभान्वित हो सकते हैं। इसके अलावा डिजिटल लाइब्रेरी के साथ शिक्षकों की ट्रेनिंग की घोषणा भी सरकार के प्रति युवाओं में सकारात्मक माहौल बनाने में मददगार हो सकती है।

सिंधु जल समझौते पर पाकिस्तान को ताकीद

भारत का यह कड़ा रुख इसलिए भी आवश्यक है कि सिंधु जल आयोग की बीती पांच बैठकों (2017 से 2022) में संशोधन का मुद्दा उठाए जाने के बाद भी पाकिस्तान सुनने को तैयार नहीं है। जबकि सच्चाई है कि 1960 के सिंधु जल समझौते के तहत भारत अपने हिस्से का पूरा पानी इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। भारत जब भी अपने हिस्से का जल इस्तेमाल करने की कोशिश करता है पाकिस्तान रुकावट पैदा करता है। याद होगा वर्ष 2015 में पाकिस्तान ने भारत की किशनगंगा और पन बिजली परियोजनाओं को लेकर कड़ी आपत्ति जतायी थी और आपत्तियों को मध्यस्तता अदालत में ले जाने का प्रस्ताव किया। अब भारत का स्पष्ट रुख है कि सिंधु जल संधि के दौरान विगत 62 साल में मिले अनुभवों को शामिल कर इसमें संशोधन किया जाए। पाकिस्तान इसे मानने को तैयार नहीं है। वह इस मुद्दे को वर्ल्ड बैंक की चैखट तक खींच ले जाने की धमकी देता है।

अरविंद जयतिलक
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

यह उचित है कि भारत ने 1960 के सिंधु जल समझौते में संशोधन के लिए पाकिस्तान को नोटिस थमा ताकीद कर दिया है कि वह संशोधन के लिए 90 दिन में बातचीत शुरू करे। भारत का यह कड़ा रुख इसलिए भी आवश्यक है कि सिंधु जल आयोग की बीती पांच बैठकों (2017 से 2022) में संशोधन का मुद्दा उठाए जाने के बाद भी पाकिस्तान सुनने को तैयार नहीं है। जबकि सच्चाई है कि 1960 के सिंधु जल समझौते के तहत भारत अपने हिस्से का पूरा पानी इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। भारत जब भी अपने हिस्से का जल इस्तेमाल करने की कोशिश करता है पाकिस्तान रुकावट पैदा करता है। याद होगा वर्ष 2015 में पाकिस्तान ने भारत की किशनगंगा और पन बिजली परियोजनाओं को लेकर कड़ी आपत्ति जतायी थी और आपत्तियों को मध्यस्तता अदालत में ले जाने का प्रस्ताव किया। अब भारत का स्पष्ट रुख है कि सिंधु जल संधि के दौरान विगत 62 साल में मिले अनुभवों को शामिल कर इसमें संशोधन किया जाए। पाकिस्तान इसे मानने को तैयार नहीं है। वह इस मुद्दे को वर्ल्ड बैंक की चैखट तक खींच ले जाने की धमकी देता है। अब सवाल यह है कि अगर पाकिस्तान सकरात्मक रुख नहीं दिखाता है तो भारत के सामने क्या विकल्प होगा? क्या भारत सिंधु जल समझौते के तहत अपने हिस्से के पानी को पाकिस्तान जाने से रोकेगा? फिलहाल भारत के पास इससे इतर कोई विकल्प नहीं है। उल्लेखनीय है कि सिंधु जल समझौते के मुताबिक सतलुज, ब्यास और रावी नदी का पानी भारत को मिला है जबकि चेनाव, झेलम और सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान के हिस्से में है। इन नदियों के कुल 16.8 करोड़ एकड़-फुट पानी में से भारत को उसके लिए आवंटित तीनों नदियों से 3.3 करोड़ एकड़-फुट पानी मिलता है, जो कुल जल का 20 प्रतिशत है। भारत अपने हिस्से का करीब 93-94 प्रतिशत पानी उपयोग करता है और शेष पानी बहकर पाकिस्तान में चला जाता है। भारत अपने हिस्से के जल का इस्तेमाल करने के लिए पंजाब के शाहपुर कांडी बांध परियोजना, सतलुज-ब्यास की दूसरी लिंक परियोजना और जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित उज्ज बांध परियोजना को जल्द पूरा करने की कोशिश में है। अगर ये तीन परियोजनाएं पूरी हो जाती हैं तो भारत अपने हिस्से के जल का पूरा उपयोग करने लगेगा और पाकिस्तान को अतिरिक्त जल मिलना मुश्किल हो जाएगा। सिंधु दुनिया की सबसे बड़ी नदियों में से है और इसकी लंबाई तकरीबन 3000 किलोमीटर से भी अधिक है। पाकिस्तान सिंचाई एवं अन्य कार्यों में जल के उपयोग के लिए इस पर कई बांध बना रखे हैं जिससे बड़े पैमाने पर बिजली का उत्पादन होता है। पाकिस्तान की 2.6 करोड़ एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई इन नदियों के जल पर ही निर्भर है। सिंधु जल संधि सद्भावना पर आधारित है। यह जल संधि आधुनिक विश्व के इतिहास का सबसे उदार जल बंटवारा संधि है और यह भारत की उदार रवैए के कारण ही संभव हुआ। जानना जरुरी है कि विश्व बैंक की मध्यस्थता से ही 19 सितंबर 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि को आकार दिया गया। सिंधु जल संधि समझने के लिए दो बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। एक, यह कि सिंधु नदियों की व्यवस्था राजनीतिक विभाजन की दृष्टि से नहीं बनायी गयी थी। इसीलिए भौगोलिक दृष्टि से विभाजन के उपरांत पाकिस्तान को 18 मिलियन एकड़ भूमि सिंचाई योग्य मिली और भारत को 5 एकड़ मिलियन सिंचाई वाली भूमि उपलब्ध हुई। तब सिंधु नदी क्षेत्र में भारत की 20 मिलियन जनसंख्या रहती थी जबकि पाकिस्तान की इस प्रकार की आबादी 22 मिलियन थी। दूसरा, यह कि इस सिंधु नदी क्षेत्र में कुल सात नदियां सम्मिलित थी जिसमें से सिंधु स्वयं पश्चिम में थी तथा काबुल एवं उसकी पांच सहायक नदियां-झेलम, चिनाब, रावी, सतलुज और व्यास पूर्व में स्थित थी। इनमें से काबुल को छोड़ सिंधु, झेलम और चिनाब मुख्य रुप से पाकिस्तान में बहती हैं तथा ये सिंधु क्षेत्र में लगभग 80 फीसद पानी को बहा ले जाती हैं। दूसरी ओर रावी व सतलुज मुख्य रुप से तथा ब्यास पूर्ण रुप से भारत में बहती है। संधि के मुताबिक भारत को इन छः नदियों का 80 फीसद जल पाकिस्तान को देना पड़ता है जबकि भारत के हिस्से में सिर्फ 19.48 फीसद पानी आता है। उल्लेखनीय है कि पंजाब के राजनीतिक विभाजन के कारण नहरी पानी विवाद सतह पर उभरा। यह विवाद 1 अप्रैल, 1948 को तब उभरा जब भारत के पंजाब प्रांत को सरकार ने पानी की रकम अदायगी न करने के कारण पाकिस्तान जाने वाला पानी रोक दिया। परंतु दोनों सरकारों ने इसे कानूनी मुद्दा न बनाते हुए द्विपक्षीय स्तर पर 4 मई, 1948 को हुए समझौते के अंतरगत हल कर लिया। लेकिन कुछ समय बाद फिर विवाद उत्पन हो गया। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि भारत उसे पानी की उचित मात्रा नहीं दे रहा है। दूसरी ओर भारत ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान अपने पंजाब प्रांत के विकास हेतु अपने साधनों के द्वारा वैकल्पिक स्त्रोत नहीं ढुंढ़ रहा है। यहां जानना जरुरी है कि ये नहरें आर्थिक दृष्टिकोण से उस समय बनायी गयी थी जब भारत के विभाजन का विचार किसी की सोच में नहीं था। लेकिन भारत विभाजन के उपरांत नहरों के पानी का असंतुलित विभाजन उभरकर सामने आ गया। ध्यान देना होगा कि पंजाब की पांचों नदियों में से सतलज और रावी दोनों देशों के मध्य से बहती हैं। झेलम और चिनाव पाकिस्तान के मध्य से और व्यास पूर्णतया भारत में बहती है। किंतु भारत विभाजन के उपरांत भारत के नियंत्रण में वे तीनों मुख्यालय आ गए जिनसे दोनों देशों की नहरों को पानी की आपूर्ति की जाती थी। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत सिंचाई के लिए इन नहरों पर आश्रित हैं। विभाजन के उपरांत पाकिस्तान के मन में आशंका उपजी कि भारत जब चाहे तब पानी बंद करके उसे भूखों मार सकता है। लिहाजा उसने विभाजन के बाद उसने नहरी पानी को लेकर विवाद शुरू कर दिया। इसी संदर्भ में अमेरिका के एक विशिष्ट विशेषज्ञ डेविड लिलियेन्थल 1951 में भारत का दौरा करके बताया कि सिंधु नदी जल का 20 फीसद से भी कम भाग प्रयोग में लाया गया है तथा इस नदी के संग्रह क्षेत्र में से गुजरता हुआ छः नदियों का यह पानी बिना प्रयोग किए ही अरब सागर में गिर जाता है। लिहाजा उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए दोनों देशों को सलाह दी कि वे इस समस्या को राजनीतिक स्तर से हटाकर तकनीकी एवं व्यपारिक स्तर पर सुलझाने का प्रयास करें। इसके लिए उसने विश्व बैंक से मदद लेने की सिफारिश की।

महंगाई, मंदी एवं चुनाव से मजबूर बजट

अनन्त मित्तल-

कुल मिलाकर आगामी साल का बजट अर्थव्यवस्था को मंदी और महंगाई से बचाकर चुनावी साल में सरकारी साख बचाने और पिछली योजनाओं को जारी रखने सहित कुछ नई याजनाओं का घोषणापत्र है। सरकार खुदमान रही है कि अगले माली साल में जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद की दर चालू साल के अनुमानित सात फीसदी से गिरकर 6.5फीसदी और राजकोषीय घाटे की दर 5.9 फीसदी रहने के आसार हैं। इससे साफ है कि अर्थव्यवस्था के कोविड के झटके से उबरने के सरकारी दावे के बावजूद उसके अगले साल भी हिचकोले खाते रहने के आसार हैं। अलबत्ता बजट की रियायतों के खुमार में शेयर मार्केट के आज की तरह कुछ दिन सुर्खरू रहने के आसार हैं मगर बीती तिमाही और साल के वित्तीय आंकड़े नमूदार होते ही फिर से भंवर आना तय है जैसा हिंडन बर्ग के, खुलासे के बाद आया हुआ था। हालांकि अडानी समूह के शेयरों के दाम और गौतम अडानी की दौलत में भारी क्षरण का सिलसिला आज भी जारी रहा। मालीसाल 2023-24 के लिए घोषित अमृतकाल का पहला आम बजट महंगाई, मंदी और चुनाव के गर लको आत्मसात करने की नीयत से बनाया गया है। साल 2019 में दोबारा निर्वाचित हुई बीजेपी की केंद्र सरकार का यह अंतिम बजट है मगर इस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की छाप स्पष्ट दिखाई दे रही है। इसे आज सुबह लोकसभा में पेश करते हुए केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने आयकर में छूट, युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप और कौशल विकास योजना, महिला स्व सहायता समूहों को बढ़ावा, महिलाओं के लिए विशेष जमा योजना, वरिष्ठ नागरिक जमा योजना की राशि बढ़ाने, सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्योगों की कोविडकाल की जब्तराशि 90 फीसदी तक लौटाने सहित तमाम लोक लुभावन तथा कुछ दूरगामी योजनाओं का भी एलान किया। अगले साल 2024 में आम चुनाव प्रस्तावित है सो केंद्र सरकार सिर्फ अनुदान मांगों से संबंधित विवरण ही लोकसभा में पेश करेगी। ये दीगर है कि बीजेपी सरकार आम चुनाव में फायदा बटोरने के लिए अगले पांच साल के अपने आर्थिक लक्ष्यों का बखान भी उस मौके पर करने से नहीं चूकती। निर्मला के बजट में चुनाव के मद्देनजर जहां आदिवासियों, महिलाओं, सफाई कर्मचारियों और युवाओं के हित की घोषणा है वहीं मध्य वर्ग के हाथ में अधिक मासिक आय और रिटायर लोगों को वरिष्ठ नागरिक जमा योजना की सीमा दुगुनी करके महंगाई और मंदी की वैतरणी पार करने की कोशिश भी दिखाई दी है। इससे यह साफ हो गया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अगले वित्तवर्ष के दौरान वैश्विक मंदी की आशंका से सहमी हुई है। उससे अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में होने वाली उथल पुथल के कारण महंगाई बरकरार रहने की आशंका को भी मोदी सरकार अपने इस लगातार दसवें आम बजट में स्वीकारती दिख रही है। बजट में पूंजीगत खर्च बढ़ाकर 2023-24 में 10 लाख करोड़ रूपए करने की घोषणा के लिए रकम जुटाने को सरकार ने महिलाओं के साढ़े सात फीसदी सालाना ब्याज पर दो लाख रूपए दो साल वास्ते जमाकर ने और वरिष्ठ नागरिकजमा योजना में तीस लाख रूपए जमा करने देनेका दाव चला है। ये दीगर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन घोषणाओं को इनवर्गों के प्रति अपनी सरकार की सहानुभूति के रूप में जताया है जबकि अतिरिक्त जमा राशि पर ब्याज पर कर में किसी को कोई रियायत नहीं मिलेगी। अर्थव्यवस्था में पिछले चार साल से आई गंभीर सुस्ती के कारण केंद्र सरकार पहले से ही कर्ज में डूबी है और नई योजनाओं तथा पुरानी योजनाओं में व्यय राशि बढ़ाने के लिए सरकार ने और अधिक कर्ज उठाने से बचने के लिए भी महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए बचत के नए प्रावधान किए हैं ताकि बजट में बचत का अनुपात बढ़ सके

संक्षिप्त खबरें

राजद के जिला उपाध्यक्ष विकास सिंह पार्टी से निष्कासित

गोपालगंज। राजद ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त पार्टी के जिला उपाध्यक्ष विकाश सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। राजद के जिलाध्यक्ष व हथुआ के विधायक राजेश सिंह कुशवाहा ने उन्हें पद से हटाते हुए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। श्री कुशवाहा ने बताया कि विगत कई दिनों से उनके खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की खबरे मिल रही थीं। शिकायत की सत्यता की जांच के बाद उक्त निर्णय लिया गया है। इसकी जानकारी राजद के प्रधान महासचिव इम्तेयाज अली भुट्टो ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

मारपीट के मामले में दो आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के बरौली थाना क्षेत्र के परसा मोड़ पर पूर्व विवाद को लेकर युवक को मारपीट कर जख्मी करने के मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस गिरफ्त में आया दोनो परसा गांव का माशूम अली व पचरुखिया गांव का अभिषेक तिवारी बताया गया है। पुलिस ने दोनो आरापितों को गुरुवार को जेल भेज दिया। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार तिवारी ने दी।

जमीन विवाद को लेकर मारपीट में महिला जख्मी

गोपालगंज। जिले के बरौली थाना क्षेत्र के सलोना गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में कुछ लोगो ने एक महिला को लाठी डंडे से मारपीट कर जख्मी कर दिया। जख्मी महिला को इलाज के लिये बरौली पीएचसी में भर्ती कराया गया। जख्मी महिला उक्त गांव की सुगंती देवी बताई गई है। इस मामले में पीड़िता ने राजेन्द्र साह सहित पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने त्वरित कार्यवाइ करते हुए पिता पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार तिवारी ने बताया कि महिला की पिटाई कर वीडियो वायरल किया गया था। इस मामले में पिता पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बकि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट में चार लोग जख्मी

गोपालगंज। जिले के बरौली थाना क्षेत्र के जाफर टोला गांव में आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में संतोष कुमार यादव, सोंनु कुमार, रामेश्वर यादव और जितेंद्र यादव शामिल है। सभी घायलों को इलाज के लिये बरौली पीएचसी में भर्ती कराया गया है जहाँ डाक्टरों की देख रेख में सभी का इलाज चल रहा है। मारपीट की सूचना मिलने के बाद पंहुची पुलिस घायलों का बयान दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सदर प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड स्तरीय बाल सरंक्षण समिति की हुयी बैठक

गोपालगंज। बाल श्रम उन्मूलन व बाल विवाह के प्रति आम लोगो में जागरूकता लाये जाने को लेकर समिति की बैठक आयोजित की गयी। प्रखंड स्तरीय बाल सरंक्षण समिति की बैठक सदर प्रखंड मुख्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख ने की। बाल सरंक्षण समिति की बैठक सहायक निदेशक बाल सरंक्षण इकाई कुमारी पुष्पा के निर्देश पर आयोजित किया गया। जिसमें बाल श्रम एवं बालहित धारकों के कार्यो के प्रति निगरानी रखने एवं उन्हे सहयोग के लिए प्रेरित करने की योजना बनायी गयी। वही पंचायतों के मुखिया व पंचायत समिति सदस्यों के साथ-साथ प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के माध्यम से बाल श्रम, बाल विवाह, दत्तक ग्रहण, परवरिश योजना के संबध में चर्चा की गयी। बैठक में बाल सरंक्षण पदाधिकारी सुधीर कुमार गोंड, बीडीओ संजीव कुमार, प्रमुख प्रतिनिधि रंजन यादव, समाजिक कार्यकर्ता शारदानंद तिवारी आदि उपस्थित थे।

बाल सरंक्षण व जन जागरूकता पर आज होगी कार्यशाला

गोपालगंज। सुरक्षित प्रवास एवं बाल सरंक्षण संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर आज कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। शहर के एनएच 27 स्थिति निजी होटल में कार्यशाला का अयोजन अदिथि संस्था हयूमन लिबर्टी नेटवर्क के द्वारा किया गया है। जो बाल सरंक्षण, सुरक्षित प्रवासन एवं बाल श्रम के विभिन्न रूपों में रोकथाम को लेकर लोगो को जागरूक किया जाएगा। इसकी जानकारी कार्यक्रम पदाधिकारी रोहित सिंह ने दी। उन्होने बताया कि कार्यशाला के माध्यम से लोगो को जागरूक करने के साथ-साथ मागदर्शन भी दिया जाएगा।

उत्पाद विभाग का होमियोपैथी दुकानों पर छापा, मचा हड़कंप

मद्य निषेध विभाग के निर्देश पर हुयी दुकानों की जांच

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के के कई होमियोपैथिक दुकानों पर गुरूवार की दोपहर उत्पाद विभाग व औषधी विभाग की टीम ने छापेमारी की। इस छापेमारी में दुकानों में मौजूद दवा की जांच की गई। वहीं कई दवाओं का सैंपल भी लिया गया। अचानक हुई इस छापेमारी से दवा दुकानदारों में हड़कंप मच गया। गोपालगंज व मीरगंज के कई होमियोपैथिक दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानें बंद कर ली थी, जबकि कई प्रतिष्ठित दवा दुकानों ने दुकानें खोलकर टीम को जांच में सहयोग किया। कई जगहों पर जहरीली शराब से मौत के बाद मद्य निषेध विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के द्वारा सभी डीएम और उत्पाद अधीक्षक को होमियोपैथ डॉक्टरों व होमियोपैथ दवा दुकानों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है। ताकि होमियोपैथ दवाओं का इस्तेताल शराब बनाने के लिए न हो। उत्पाद विभाग के अपर मुख्य सचिव के निर्देश के बाद गोपालगंज में उत्पाद विभाग

काफी सक्रीय हो गया है। इसी को लेकर गुरूवार को गोपालगंज व मीरगंज के कई होमियोपैथी दुकानों में छापेमारी की गई। दुकानों से संबंधित दवा का सैंपल भी लिया गया। विभिन्न जगहो पर स्थित कई दुकानों में छापेमारी कर दवा का सैंपल इकट्ठा किया। सैंपल में कफ सीरप के अलावा कई दवाएं शामिल हैं, जिसमें अल्कोहल की मात्रा पायी जाती है। पूछे जाने पर टीम के सदस्यों ने बताया कि होमियोपैथी दवा में नियमानुसार निर्धारित अल्कोहल की मात्रा होनी चाहिए। वहीं दवा बनाने में उपयोग हो रहे टींचर यानी लीक्विड की बोतल छोटी होनी चाहिए। दवा अनुरूप उसमें उक्त पदार्थ को चिकित्सक या दुकानदार डाल सकते हैं। इस बीच टीम द्वारा लिए गए सैंपल को जांच के लिए भेजने की बात कही है। टीम के सदस्यों का कहना है कि पूरे जिले में इस प्रकार की दुकानों में छापेमारी और जांच की जाएगी। टीम में उत्पाद अधीक्षक राकेश कुमार के अलावे उत्पाद विभाग के कई अधिकारी व औषधी निरीक्षक मौजूद रहे।

साइबर क्राइम के मामले में बरौली पहुची अयोध्या पुलिस

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

साइबर क्राइम के मामले में यूपी की अयोध्या पुलिस गोपालगंज पंहुची और बरौली थाने की पुलिस के सहयोग से थाना क्षेत्र के जाफर टोला गांव के मुजीबुल रहमान के पुत्र सलमान के घर पर इस्तेहार चिपकाया और परिजनों को नोटिश दिया। लेकिन परिजनों के द्वारा नोटिस लेने से इंकार कर दिया गया। जिसके बाद पुलिस आगे की कारवाई में जुट गयी है। इसकी जानकारी देते हुए बरौली थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार तिवारी ने बताया कि साइबर क्राइम के मामले में अयोध्या थाने की पुलिस को बरौली के जाफर टोला गांव

के सलमान की काफी समय से तालाश थी। लेकिन आरोपी के फरार होने के बाद अयोध्या पुलिस के द्वारा आरोपी के घर पर इस्तेहार चिपकाया गया है। परिजनों के द्वारा नोटिस लेने से इंकार कर दिया गया है। जिसके बाद यूपी पुलिस आगे की कारवाई में जुट गयी है। वही अयोध्या पुलिस के बरौली में आने की सूचना पर चारों तरफ चचाओं का बाजार गर्म था। गौरतलब हो कि इसके पूर्व हरियाणा पुलिस ने साइबर क्राइम के मामले में मांझा थाना क्षेत्र से भाई बहन सहित तीन लोगो को गिरफ्तार किया था। जिले के बरौली व मांझा में साइबर क्राइम से जुडे कई मामले सामने आते रहे है।

अब विकास मित्र समाज कल्याण की योजनाओं से लाभुकों को करेंगे लाभान्वित

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

अब विकास मित्र समाज कल्याण विभाग की योजनाओं से लाभुकों को लाभान्वित करायेंगे। इसको लेकर डीएम डॉ। नवल किशोर चैधरी के द्वारा पोषण समिति की बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। उन्होने कहा कि समाज कल्याण विभाग के महत्वकांक्षी योजना पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का लाभ विकास मित्र अपने क्षेत्र के वंचित लाभुकों को दिलायेंगे। खासकर स्लम एरिया में रहने वाले लाभुकों के लिए विशेष अभियान चलाकर उन्हे योजना के लाभ से लाभान्वित किया जाएगा। डीएम ने कहा कि कल्याण विभाग की जिला स्तरीय व प्रखंड स्तरीय बैठक में समाज कल्याण विभाग के पदाधिकारियों के द्वारा यह जानकारी विकास मित्रों के साथ साझा किया जाएगा, ताकि उनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में समाज कल्याण की योजनाओं से अधिक से अधिक वंचित लोगो को लाभान्वित किया जा सके। साथ ही वैसे प्रारंभिक विद्यालय जिसके परिसर में पर्याप्त भूमि हो उसका चयन कर विद्यालय में पोषण वाटिका की स्थापना किए जाने को लेकर डीएम के द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी राजकुमार शर्मा को निर्देश दिया गया। साथ ही किशोर एवं किशोरियों के स्वास्थ्य को लेकर स्वास्थ्य विभाग से सांमजस स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया गया, ताकि किशोरियों को कुपोषण से मुक्ति दिलाया जा सके। बैठक में डीपीओ सीमा कुमारी सहित कई सीडीपीओ भी उपस्थित थी।

दो दिवसीय किसान मेला सह कृषि यंत्रीकरण डीएम ने किया शुभारंभ

मेले में किसानों को दी गई कृषि योजनाओं की जानकारी

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

शहर के मिंजस स्टेडियम में गुरूवार को दो दिवसीय कृषि मेला सह कृषि यांत्रिकीकरण मेले का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान किसानों को कृषि योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को आधुनिक उन्नत तकनीक से कृषि कार्य कर अधिक से अधिक फायदा कमाने के बारे में भी बताया किया। इसके पूर्व जिला पदाधिकारी डॉ। नवल किशोर चैधरी व सदर विधायक कुसुम देवी, जिला कृषि पदाधिकारी भुपेन्द्र मणि त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से दीप प्रजवल्लित कर

उद्घाटन किया। उन्होंने किसानों से अपनी जरूरत के हिसाब से कृषि यंत्रों की खरीदारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के विकास के लिए कई योजनाएं चला रही है। किसान इन योजनाओं का लाभ उठाते हुए अपनी फसल की उपज बढ़ाने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय कृषि यांत्रिकीकरण मेले में किसानों की जरूरत के सभी यंत्र मौजूद हैं। किसान इन यंत्रों को देखकर उससे होने वाले फायदे के बारे में जानने का प्रयास करें। ताकि कम लागत में च्छी खेती की जा सके। कृषि मेले में किसानों ने कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी भी प्राप्त किया। मेले में फल फूल सब्जी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है। इस अवसर पर किसान मेला 2023 गोपालगंज की भव्य और आकर्षक रंगोली बनाई गई थी। किसान मेले में कृषि यंत्रीकरण से फल-फूल सब्जी प्रदर्शनी का सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया था। जिस पर डीएम द्वारा सेल्फी भी लिया गया। कार्यक्रम में कृषि अभियंत्रण विभाग के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बिहार को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल देखना ही मेरी महत्वाकांक्षा: पीके

जन सुराज पदयात्रा के जिला अधिवेशन में 2644 लोगों ने किया मतदान

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जन सुराज पदयात्रा के 124वें दिन शहर के गांधी कॉलेज मैदान में जन सुराज अभियान का जिला अधिवेशन आयोजित किया गया। अधिवेशन में जन सुराज के पार्टी बनने, लोकसभा चुनाव लड़ने और बिहार की सबसे बड़ी समस्या के मुद्दे पर मतदान कराया गया। मतदान का नतीजा कुछ इस प्रकार रहा। कुल पड़े 2644 मत में से 2580 लोगों ने पार्टी बनने के पक्ष में वोट डाला। 64 लोगों ने मतदान के जरिए कहा कि पार्टी नहीं बननी चाहिए। अगर पार्टी बनती है तो क्या 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ना चाहिए, इस सवाल के उत्तर में कुल 2644 वोट पड़े।

इसमें से 2462 लोगों ने कहा कि लोकसभा चुनाव लड़ना चाहिए और 182 लोगों ने लोकसभा चुनाव लड़ने के खिलाफ वोट किया। बिहार की सबसे बड़ी समस्या के सवाल पर, 58 प्रतिशत लोगों ने बेरोजगारी और पलायन को सबसे बड़ी समस्या बताया। वहीं 27 प्रतिशत लोगों ने भ्रष्टाचार और 15 प्रतिशत लोगों ने किसानों की बदहाली को समस्या बताया। कार्यक्रम के समापन पर मतदान के नतीजे सबके सामने रखे गए और मतों की गिनती भी मीडिया और लोगों के सामने की गई। प्रशांत किशोर ने जन सुराज की सोच और विजन के बारे में अपनी बातों

को रखा। जन सुराज अधिवेशन में आए हजारों लोगों को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि हम जन सुराज के नेता नहीं है, बल्कि इसके सूत्रधार है। गांव, देहात, पंचायत, कस्बा शहर से पैदल चलकर सही लोगों को ढूंढ़कर निकाल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हम अपने पीछे चलने वालों को नहीं बल्कि बराबरी में साथ चलने वाले लोगों को ढूंढ़ रहें है। बिहार में जब पदयात्रा खत्म होगी तब सभी लोगों को एक मंच पर बैठाकर मिलकर ये तय करेंगे कि दल बनाया जाये की नहीं। लेकिन अगर दल बना तो वह प्रशांत किशोर का नहीं, किसी एक व्यक्ति, जाति, परिवार का नहीं बल्कि उन सारे लोगों का दल होगा जो इसे मिलकर चलाएंगे।

आगे उन्होंने कहा कि आपके विश्वास के साथ धोखा नहीं होगा, मैं इसका गारंटर हूं, आप इस मुहिम पर यकीन कीजिए। उन्होने कहा कि लोग अगर चाहते तो पार्टी एक दिन में बन जाती, पार्टी बनाने में कितना समय लगता है। मैं बाकी की तरह दल न बनाकर पैदल चल रहा हूं। आप पूछेंगे इससे हासिल क्या होगा। हम आपको बताते हैं कि हम पैदल इसलिए चल रहे हैं, ताकि देख सके कि स्कूल में आपके बच्चें पढ़ रहे हैं कि नहीं। जो किसान खेत में मेहनत कर के फसल उपजा रहा है, उसे उचित कीमत मिल रहा है कि नहीं। हम पैदल चल रहे हैं तो पता चला है कि 5 किलो अनाज न मिलकर सिर्फ 4 किलो अनाज मिल रहा है। पैदल इसलिए चल रहे हैं, ताकि आपकी पीड़ा को अपनी आंखों से देख सके। इसलिए गांव-गांव जाकर लोगों के सामने हाथ जोड़ रहे हैं ताकि आप जागरूक हो और अपने बच्चों के लिए एक बेहतर बिहार के बारे में सोच सके।

हमारा एक ही सपना है कि अपने जीवनकाल में बिहार को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल देखें। हमारा प्रयास है कि समाज को मथकर सही लोगो को बाहर निकालकर एक मंच पर लाना। उन्होने कहा कहा कि मैंने सोचा था जन सुराज में 10 हजार अच्छे लोगों को जोड़कर दल बनाया जाए। लेकिन मौजूदा समय में देखें तो यह संख्या 1 लाख हो गई है।

पश्चिम चंपारण में ही ये संख्या 45 हजार से ज्यादा हो गई है जो जन सुराज के संस्थापक सदस्य बन गए हैं। आज पूर्वी चंपारण में पदयात्रा खत्म होने के बाद संस्थापक सदस्यों की संख्या 50-55 हजार हो गई है। आने वाले समय में आप देखियेगा गोपालगंज में संस्थापक सदस्यों की संख्या 3 महीने के अंदर 25 हजार से कम नहीं होगी। जरा सोचिए कि जिस दिन पूरे बिहार में पदयात्रा हो गई तो कितने लाख लोग जुड़ जाएंगे। बिहार के सभी लोग आपस में बैठकर तय करेंगे कि दल बनना चाहिए या नहीं।

मुखिया के जनता दरबार में छात्रवृत्ति से वंचित छात्राओं का पहुंचा मामला

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

जिले के उचकागांव प्रखंड के त्रिलोकपुर पंचायत भवन पर मुखिया सुरेंद्र राम ने जनता दरबार का आयोजन किया। जिसमें राशन, पीएम आवास, वृद्धा पेंशन सहित सरकारी योजनाओं से वंचित 500 से अधिक लोगों ने शिकायत दर्ज कराई।

जनता दरबार में प्रखंड के स्वामी प्रकाशानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रघुआ जमसड़ की छात्रा रजनी कुमारी, अनुप्रिया कुमारी, संध्या कुमारी, प्रीति कुमारी, निधि कुमारी, दिव्यानी कुमारी आदि छात्राओं ने मुखिया सुरेंद्र राम को आवेदन सौंपते हुए डीएम गोपालगंज से शिकायत की है कि सभी छात्राएं कक्षा 9 से अध्ययन करते हुए कक्षा 12 तक पहुंच गई। इसके बावजूद भी इन छात्राओं को अभी तक विद्यालय से पोशाक, साइकिल, छात्रवृत्ति आदि सरकारी

योजनाओं का लाभ नहीं मिल सका है। प्राचार्य नंदलाल मांझी से पूछने पर योजना की राशि खाते में आने का केवल आश्वासन दिया जाता है इस दौरान छात्राओं ने मुखिया सुरेंद्र राम को आवेदन देकर वंचित योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की। गुरुवार के दिन त्रिलोकपुर पंचायत भवन पर लगे जनता दरबार में राशन कार्ड, पीएम आवास, वृद्धा पेंशन से वंचित लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान मुखिया ने जनता दरबार में पहुंचे पीड़ितों की बारी बारी से समस्याएं सुनी एवं जल्द ही उसका निपटारा कराने का आश्वासन दिया। मौके पर सरपंच टोडरमल राम, ग्रामीण आवास सहायक धर्मेंद्र कुमार राम, कार्यपालक सहायक अमरेश कुमार भारती, वार्ड सदस्य बंका मांझी, निरमा कुमारी, निर्मला देवी, प्रदीप कुमार सिंह, शेख तबुजान मियां, छठिया देवी आदि मौके पर उपस्थित थे।

गोपालगंज सैनिक स्कूल में आयोजित हुआ वार्षिक एथलेटिक्स स्पर्धा

सैन्य छात्रों ने बढ़ चढ़ कर लिया हिस्सा, डीएम ने छात्रों को किया पुरस्कृत

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

सैनिक स्कूल गोपालगंज में वर्ष 2022-23 के लिए वार्षिक एथलेटिक्स स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें चारों सदनों के सैन्य छात्रों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। दो दिवसीय एथलेटिक्स स्पर्धा का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्राचार्य कर्नल अमित डागर ने मशाल प्रज्वलित कर किया। इसके बाद गंधारा, विक्रमशिला, तक्षशिला और वैशाली सदन के सैन्य छात्रों ने अपना कला का प्रदर्शन किया। जिसमें सैन्य छात्र छात्राओं ने स्प्रिंट, रीले रेस, गोला फेंक, भाला फेंक, ऊंची कूद, लंबी कूद आदि स्पधाओं का सफलता पूर्वक प्रदर्शन किया। स्पधाओं का प्रदर्शन के पूर्व स्कूल के खेलकूद कप्तान कैडेट अनिकेत कुमार के नेतृत्व में सैन्य छात्रों ने मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया। सैन्य छात्रों द्वारा आयोजित परेड की सलामी प्राचार्य ने ली। प्रतियोगिता के दूसरे दिन डीएम डॉ नवल किशोर

चैधरी ने पहुंचकर छात्रों का हौसला बढ़ाया। साथ ही सभी विजेताओं को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर अपने संबोधन में प्राचार्य कर्नल अमित डागर ने सैन्य छात्रों, अभिभावकों व विद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि खेल मानसिक संतुलन को बनाए रखने में सहयोग प्रदान करता है। खेल भी राष्ट्रीय एकता, धर्म निरपेक्षता, आपसी सद्भाव को बनाए रखने में कारगर होता है। सैन्य छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल आवश्यक है। हमारी शुभकामनाएं इन होनहार छात्रों को है जिन्होंने अपने दम पर खेल में अच्छा प्रदर्शन किया। खेल हमेशा अनुशासन, दृढ़ इच्छा शक्ति को बनाए रखने में हमारी मदद करता है। शिक्षा के साथ खेल का बहुत महत्व है। आप सभी इससे भी बेहतर खेल का आयोजन कर भारतीय मानचित्र पर अपना जलवा प्रदर्शित करें यही हमारी कामना है। प्रतियोगिता का आयोजन तीन वर्गो में किया गया। जिसमें चारों सदनों के वरिष्ठ वर्ग लड़का में10 से 11 के छात्र, कनिष्ठ वर्ग में वर्ग 7 से 9 एवं लड़कियों में वर्ग 7 से 11 के सैन्य छात्र शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में चैंपियन टॉफी वैशाली सदन को मिला। विजयी सैन्य छात्रों को डीएम ने गोल्ड, सिल्वर एवं कास्य पदक देकर सम्मानित किया। एथलेटिक्स प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग के लड़कों में सर्वश्रेष्ट एथलेटिक्स पुरस्कार वैशाली सदन के ग्यारहवीं कक्षा के छात्र अभिषेक कुमार एवं कनिष्ठ वर्ग में तक्षशिला सदन के वर्ग 9 के छात्र कौशिक कुमार, लड़कियों में वैशाली सदन के 11 वीं की सैन्य छात्रा प्रेरणा सिंह को दिया गया। इस मौके पर जिला पदाधिकारी डॉ नवल किशोर चैधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारी राष्ट्रीय एकता, लगाव की पहचान है। छात्रों के बौद्धिक विकास में खेल का बहुत महत्व है। ऐसे में खेल का आयोजन हमेशा होता रहे इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर हर संभव मदद देने को जिला प्रशासन तैयार है। जिला पदाधिकारी ने सैन्य छात्रों के द्वारा प्रस्तुत किए गए कला से काफी प्रभावित होते हुए इसकी भुरी भुरी प्रशंसा किया। साथ ही सैन्य छात्रों को अनुशासन, ईमानदार और सत्यता के साथ अपनी पढ़ाई पूरी कर राष्ट्रीय सेवाओं में जाने के लिए प्रोत्साहित भी किया। जिला पदाधिकारी ने विद्यालय परिवार के प्रति आभार भी व्यक्त किया। जिला पदाधिकारी को प्राचार्य में बुकेट व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सभी शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी सहित सैन्य छात्र व अभिभावक आदि थे।

बिहार लेनिन अमर शहीद जगदेव बाबू की मनायी गयी जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा के निर्देश पर जिला जदयू कार्यालय सहित सभी प्रखंड मुख्यालयों में बिहार लेनिन अमर शहीद जगदेव बाबू की जयंती मनायी गयी। जिला जदयू कार्यालय पर जिलाध्यक्ष आदित्य शंकर शाही की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित कर बिहार लेनिन अमर शहीद जगदेव बाबू की जयंती मनायी गयी।

जिलाध्यक्ष आदित्य शंकर शाही सहित सभी जदयू नेताओं ने अमर शहीद जगदेव बाबू के तैलीय चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके पद चिन्हों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष आदित्य शंकर शाही ने कहा कि बिहार के लेलिन कहे जाने वाले अमर शहीद जगदेव बाबू गरीब, दलितों शोषित और वंचितों के हक की लड़ाई लड़ते लड़ते शहीद हो गए थे। आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके सपने को साकार कर रहे है।

मुख्यमंत्री की कई दूरगामी योजनाएं समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सफल हो रहे है। उन्होने बताया कि जगदेव बाबू की जयंती जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय में जदयू कार्यकताओं के द्वारा धूम धाम से मनाई जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राघवेन्द्र सिंह, दिलीप पटेल, नागेंद्र सिंह, अमित कुमार, सुरेंद्र राम, साहेबजाद अली सहित दर्जनों जदयू कार्यकर्ता मौजूद थे।

अतिक्रमणवाद के निष्पादन में नही चलेगी कोताही : डीएम

प्रधान सहायकों की बैठक में दिया गया सख्त हिदायत

प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज। प्रखंड स्तर पर चल रहे विकास कार्यो की गहन समीक्षा गुरूवार को हुयी। कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में डीएम डॉ। नवल किशोर चैधरी ने प्रधान सहायकों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अतिक्रमणवाद के निष्पादन में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नही की जायेगी। कोताही बरतने वाले एक-एक पदाधिकारी व कर्मियों को चिन्हित कर उन पर कारवाई की जायेगी। उन्होने सभी अंचलों के प्रधान सहायकों को निर्देश देते हुए कहा कि अभियान बसेरा, गृहस्थल, बंदोबस्ती पर्चा व अतिक्रमणवाद से संबधित मामलों की रिपोर्ट एक सप्ताह के अंदर तैयार कर अंचलवार रिपोर्ट अपने-अपने अनुमंडल के डीसीएलआर कार्यालय में मुहैया करायें। वही उन्होनें विभागीय महत्वपूर्ण पत्रों का निष्पादन ससमय करने का निर्देश भी दिया। जबकि प्रखंडों के प्रधान सहायक को प्रखंड स्तर पर संचालित पुरानी एवं नयी योजना की पूर्ण विवरणी के साथ रिपोर्ट तैयार कर आगामी बैठक में साथ लेकर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। डीएम ने कहा कि सभी कार्यालय के प्रधान सहायक अपने कार्यालय के इंडेक्स, लॉगबुक, कैशबुक को हर हाल में अद्यतन रूप से संधारित रखे। अन्यथा जांच में लंबित पाए जाने पर कारवाई की जाएगी। वही पंचायत के लंबित योजनाओं के संबध में विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जिला पंचायत कार्यालय में उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए स्थापना उप समाहर्ता बीरेन्द्र कुमार ने कहा कि सेवांत लाभ से संबधित प्रतिवेदन प्रत्येक माह जिला स्थापना शाखा को मुहैया कराये, वही सेवानिवृति के एक माह के अंदर सभी प्रकार के पावनाओं का भुगतान किया जाए। सेवानिवृत कर्मी के भुगतान में जिस स्तर से भी कोताही मिलेगी वैसे कर्मी पर कारवाई करना प्रशासन की बाध्यता हो जायेगी। बैठक में मुख्य रूप से कार्यालय अधीक्षक कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, प्रधान सहायक जिला स्थापना शाखा जर्नाधन प्रसाद, बेचन पासवान, विनय कुमार श्रीवास्तव, कपिलेश्वर सिंह सहित प्रखंड, अंचल व बाल विकास परियोजना कार्यालयों के प्रधान सहायक भी उपस्थित थे।

विद्यालय में सुरक्षा कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

गोपालगंज। बिहार शिक्षा परियोजना के बैनर तले विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम अंतर्गत विद्यालय सुरक्षा से संबंधित एवं कोविड-19 संक्रमण से सफलता हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं का एक दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण का द्वितीय बैच गुरुवार को बीआरसी में शुरू की गयी। विभागीय निर्देश के आलोक में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालय सुरक्षा से संबधित चार दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर आदम अली व विजय भास्कर ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उदेश्य प्राकतिक आपदा की पूरी जानकारी और विपदा की परिस्थिति को पूर्व से ही चिह्नांकित कर उस पर पूर्व तैयारी से बचाव के तरीकों को अपनाकर विद्यालयी बच्चों को जागरूक कर भयमुक्त वातावरण में अपने विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने का माहौल तैयार कराना है। उन्होंने बताया कि कुल 1037 शिक्षकों में से पचास-पचास शिक्षकों का बैच बनाकर प्रत्येक विद्यालयों के सभी शिक्षकों को इस एक दिवसीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जा रहा है। वहीं मास्टर ट्रेनर आदम अली ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि किसी भी प्रकार की आपदा के लिए तत्पर रहकर निरंतर शिक्षण कार्य चलती रहे और किसी प्रकार आपदा के कारण शिक्षण कार्य प्रभावित ना हो सके। यह सुनिश्चित करने के लिए यह प्रशिक्षण काफी आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

मणिचकधाम मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य हुआ शुरू

मसौढ़ी में स्थित प्रसिद्ध मणिचक धाम स्थित विष्णु सूर्य मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चारण से हुआ मौके पर मंदिर कमेटी के अलावा गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालु महिलाओं और बच्चे भक्ति रस में डूब कर जयकारा लगाएं कमेटी के अध्यक्ष सुनील कुमार और सचिव नवल भारती ने बताया कि मंदिर को नए सिरे से निर्माण के बाद पुनः विधि विधान से स्थापित किया जाएगा।

जेल में बंद महिला बंदियों को सिलाई कटाई का प्रशिक्षण

मसौढ़ी। जेल में महिला बंदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे वह आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने की दिशा में आगे बढ़ सके. जेल में बंद 13 महिला बंदियों को सिलाई कटाई का खास प्रशिक्षन दिया जा रहा है।

पैसा देने से मना करने को लेकर सगे भाई की पिटाई

आरा। भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के चातर गांव में गुरुवार की सुबह पैसे देने से मना करने को लेकर सगे भाइयों की पिटाई कर दी गई। जिससे दोनों जख्मी हो गए। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मियों में बड़हरा थाना क्षेत्र के चातर गांव निवासी स्व.बहारान राय का 24 वर्षीय पुत्र भोला राय एवं 14 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार शामिल है। इधर भोला राय ने बताया कि गांव के कुछ युवक बराबर उससे पैसा मांगते हैं और कहते हैं कि अगर तुम पैसा नहीं दोगे तो मैं तुम्हारा ट्रैक्टर चलने नहीं दूंगा। गुरुवार की सुबह जब वह अपना ट्रैक्टर लेकर सामान लोड करने जा रहा था। उसी दौरान उक्त युवक उसे बीच रास्ते में घेर लिया और उसे पैसा मांगने लगे। जब उसने देने से मना किया तो उक्त युवकों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। अपने बड़े भाई को पीटता देख जब उसका छोटा भाई नीतीश कुमार बीच-बचाव करने आया तो उक्त लोगों ने उसकी भी जमकर पिटाई कर दी। जिससे दोनों जख्मी हो गए। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है।

251 कुमारी कन्याओं ने निकाली शोभायात्रा

संग्रामपुर(मुंगेर) ।प्रखंड के दादरीजाला पंचायत अंतर्गत शंकरपुर सरकटिया में 09 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा का भव्य आयोजन किया गया है। कथा कहते कथावाचक ब्रह्मदेव केसरी ने कहा मानव जीवन का संबंध यज्ञ से जोड़ कर स्वस्थ और सुखमय जीवन जीने की कला उपस्थित लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण की पहली धूरी है परिवार निर्माण। हम कर्मकांड तो करते हैं लेकिन वाणी और इन्द्रियों पर संयम नहीं रख पाते ।इस कार्यक्रम के पूर्व 251 कुमारी कन्याओं के द्वारा कलश शोभायात्रा निकाला गया जिसमें गांव की महिला भी शामिल थी कलश यात्रा में हरिद्वार के पंडित एवं आसपास के गायत्री परिवार के पंडित शामिल थे।

चार शराबी गिरफ्तार

असरगंज (मुंगेर)। असरगंज थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से असरगंज पुलिस ने चार शराबी को शराब के नशे में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि शराब को लेकर विभिन्न गांवों में शराब तस्करों व शराबी को पकड़ने के लिए लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है जांच के दौरान चार शराबी को शराब के नशे में गिरफ्तार किया गया।

मारपीट का अभियुक्त गिरफ्तार

असरगंज (मुंगेर)। थाना क्षेत्र के अमैया गांव में असरगंज पुलिस के द्वारा छापेमारी कर अमैया गांव से मारपीट के एक फरार अभियुक्त को गिरफ्तार कर मुंगेर जेल भेज दिया गया। इस संबंध में असरगंज थाना अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार ने बताया कि उक्त फरार अभियुक्त को गुप्त सूचना पर छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया।

आपसी वर्चस्व को लेकर दो पक्षों में मारपीट

असरगंज (मुंगेर)। असरगंज थाना क्षेत्र के असरगंज बाजार में आपसी वर्चस्व को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गया। मारपीट के दौरान एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसका ईलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असरगंज में कराया गया। पुलिस को घटना के संबंध में सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की जांच में जुट गई है।

प्रखण्ड के देवपुर महादेव स्थान में जलभरी के साथ शुरू हुआ श्री शिव शक्ति यज्ञ

प्रात : किरण संवाददाता

गडहनी। स्थानीय प्रखण्ड के बड़ौरा पंचायत अंतर्गत देवपुर महादेव स्थान के प्रांगण मे गुरुवार को श्री शिव शक्ति यज्ञ की शुरूआत जलभरी के साथ हुआ ।जलभरी शोभायात्रा के लिए श्रद्धालु यज्ञ स्थल से सैकडो की संख्या मे गाजे बाजे के साथ गड़हनी शिव मंदिर घाट बनास नदी पहुंचे जहाँ वैदिक मंत्रोच्चार संकल्प के साथ जलभरी की वहाँ से कलश के जल के साथ यज्ञ स्थल पहुंच शिव मंदिर के प्रांगण मे जल रखा गया ।इस अवसर पर देवपुर सहित आसपास के ग्रामीण जनता हाथी, घोड़े बैंड बाजा के साथ अधिकाधिक संख्या में जलभरी यात्रा मे शामिल होकर पूण्य के भागी बने ।बतादें कि श्री शिव शक्ति यज्ञ 1 फरवरी से 05 फरवरी तक श्री श्री 108 आचार्य श्री देवब्रत जी महाराज के सानिध्य मे चलेगा ।जलभरी शोभायात्रा मे सम्मिलित श्रद्धालुओ ने गेरुआ, पीला वस्त्र धारण कर माथे पर लाल पट्टी बांध कर कलश यात्रा को शोभायमान बना दिया ।इस दौरान बड़ौरा पंचायत हरहर महादेव के नारा से गुंजता रहा ।पुरा वातावरण भक्तिमय बना रहा ।आयोजन कमिटी ने बताया कि यज्ञ अयोध्या व वृंदावन से आये संत महात्माओ के कृपा से संचालित किया जा रहा है ।उन्होने बताया कि जलभरी के साथ ही यह महायज्ञ 05 फरवरी को मंड़प पुजन, आरती हवन, पूणार्हुति तक चलेगा और प्रसाद वितरण के साथ समाप्त हो जाएगा।

तारापुर में 17 साल बाद भी सुविधाएं खस्ताहाल, क्षेत्र की बड़े हिस्से वाली आबादी को दो जून की रोटी भी नहीं होते हैं नसीब

मजदूरों को रोजगार नहीं मिलने के कारण युवा सहित छोटे छोटे किसान रोजगार के लिए जा रहे बाहर

तारापुर, संवाददाता प्रात : किरण

तारापुर (मुंगेर) । तारापुर विधानसभा क्षेत्र की जनता को 17 साल बाद भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव खल रहा है। क्षेत्र की बड़े हिस्से वाली आबादी को 2 जून की रोटी भी सही से नसीब नहीं हो पा रही है। गौरतलब है कि क्षेत्र के मजदूर वर्ग सहित छोटे-छोटे किसानों एवं युवाओं को यहां काम नहीं मिलने के कारण बेरोजगारी की समस्या इस कदर बढ़ गई है कि क्षेत्र के 90 प्रतिशत मजदूर एवं छोटे स्तर के किसानों का विभिन्न प्रदेशों में रोजी रोजगार के लिए पलायन हो रहा है । इस वर्ष क्षेत्र में अनावृष्टि के कारण धान की पैदावार काफी कम होने के कारण भी मजदूर रोजगार की तलाश में आए दिन बाहर जाने को विवश हैं। मुख्य रूप से कृषि पर आधारित रहने वाला यह क्षेत्र कई सिंचाई परियोजनाओं के लंबे समय से ध्वस्त होने की वजह से सूखे की मार भी मजदूरों को काफी प्रभावित किया है । बता दें कि मजदूर मनोज पासवान कुंदन पासवान चंदन यादव नीतीश कुमार निराला सतीश यादव विकास यादव ने बताया कि तारापुर के सभी 10 पंचायतों को मिलाकर 10 प्रतिशत मजदूरों को भी मनरेगा जैसे योजना में काम नहीं मिल रहा है। पिछले 5 वर्षो से संपूर्ण क्षेत्र में कभी किसी वर्ष अतिवृष्टि तो कभी अनावृष्टि की भयंकर मार मजदूरों के साथ-साथ किसानों को झेलना पड़ रहा है ।

कहते हैं क्षेत्रवासी: लोजपा आर के राष्ट्रीय सचिव मिथिलेश कुमार सिंह युवा लोजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष शशि शेखर राणा इत्यादि बताते हैं कि गरीबों के लिए चलाई जा रही कई छोटी-छोटी योजनाओं में बिचौलिए इस कदर हावी है की जमीन पर असली गरीबों को उनका वास्तविक हक भी नहीं मिल पा रहा है। लोगों के लिए क्षेत्र में बेहतर चिकित्सा एवं शिक्षा का भी घोर अभाव है।

कहते हैं प्रखंड प्रोग्राम पदाधिकारी: इधर प्रखंड प्रोग्राम पदाधिकारी अब्दुल गफूर अंसारी तारापुर ने बताया कि 10 पंचायत एवं नगर पंचायत तारापुर में मिट्टी से रिलेटेड मनरेगा योजना से काम चल रहा है , एवं मजदूरों को काम मिल रहा है। वहीं पक्की कंट्रक्शन का काम ऊपर के आदेशानुसार पूरी तरह से बंद है ।

35 वर्षीय महिला की ससुराल में संदिग्वस्था में मौत मृतका के पिता ने ससुराल वालों पर हत्या करने का मामला कराया दर्ज

15 वर्ष पूर्व हुई थी शादी मृतका तीन बच्चों की माँ, शव को जला कर पति समेत ससुराल अन्य लोग फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी/जयनगर। मधुबनी जिला के जयनगर थाना क्षेत्र के बस्ती पंचायत स्थित बाबा पोखर गाँव ससुराल में लगभग 35 वर्षीय एक महिला तीन बच्चों माँ का संदिग्वस्था में मौत हों जाने का जानकारी गुरुवार को मिला। जानकारी के मुताबिक महिला की मौत के पश्चात मृतका पति समेत ससुराल वालों ने शव को आननफानन में जला दिया। मामले की सूचना जयनगर थाना पुलिस को दी गई। सूचना पा कर मामले के विस्तृत जानकारी और जाँच में पुलिस जुट गई और मृतक के सास को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घटना की सूचना मृतका के मायके वालों को मिली सूचना पा कर मृतक के पिता ने ससुराल वालों पर हत्या का मामला दर्ज करवाया है। मामला थाना क्षेत्र के बस्ती पंचायत स्थित बाबा पोखर गाँव का है। घटना बीती रात का बताया जाता है। मृतका के पिता नेपाल सिरहा जिला थाना अरनामा लक्ष्मीपुर निवासी राम वृक्ष साफी के द्वारा अपनी पुत्री के हत्या मामले को लेकर पुत्री के पति समेत ससुराल वालों पर हत्या कर देने का मामला दर्ज कराया है। मृतक के पिता राम वृक्ष साफी के द्वारा दिये गये आवेदन के मुताबिक अपनी पुत्री उम्र 35 वर्ष सुनीता देवी की शादी लगभग पन्द्रह वर्ष पूर्व जयनगर क्षेत्र के बाबा पोखर निवासी राम जी साफी के साथ किये थे। जिनसे तीन बच्चे भी है। अपने बाल बच्चों के साथ अपने ससुराल में रहती थी। तीन दिन पूर्व मेरा लड़का अपने बहन के घर विदाई करवाने आया था लेकिन मेरी पुत्री के परिवार ससुराल वाले के बीच झगड़ा झंझट हो रहा था जिसके कारण मेरी पुत्री का विदाई नहीं किया और मेरा बेटा वापस अपने घर आ गया। दो फरवरी गुरुवार को सुबह सूचना मिली कि मेरी बेटी को बीते रात मारपीट कर गला दबाकर कर उसके परिवार वालों ने हत्या कर दिया। घटना की सूचना पा कर में अपने बेटी के ससुराल जयनगर बाबा पोखर पहुँचा तो मेरी नतनी और अगल बगल के लोगों से पूछने पर बातया की बीते रात्रि में मेरा दामाद राम जी साफी, उसके पिता बेचन साफी और सास सुमित्रा देवी सभी मिलकर मेरी बेटी को मारपीट और गला दबाकर हत्या कर दिया है और लाश को चोरी छिपे बाबा पोखर के नहर की ओर जला दिया है। मामले को लेकर थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया की मामले की सूचना पा कर पुलिस घटना स्थल पर पहुँच कर मामले की जाँच में जुट गई है और मृतका के पिता के द्वारा दिये गए आवेदन के आधार पर घटना का अनुसंधान प्रारंभ कर दिया गया है। त्वरित करवाई करते हुए मृतका के सास सुमित्रा देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतका के पति समेत अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हेतू पुलिस छापेमारी कर रही है।

मसौढ़ी के लाल कांग्रेस नेता अरफराज साहिल ने भारत जोड़ो यात्रा में किया कमाल, राहुल गांधी ने दी बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

मसौढ़ी। आर्यभट्ट की नगरी मसौढ़ी को गौरवान्वित करने वाले बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव मोहम्मद अरफराज साहिल जम्मू कठुआ से उधमपुर के रास्ते बनिहाल, अवंतीपुरा, अनंतनाग, पुलवामा होते हुए करीब तीन सौ किलोमीटर की पैदल यात्रा की दूरी तय कर श्रीनगर कश्मीर तक इस ऐतिहासिक भारत जोड़ो पदयात्रा में भारत पदयात्री के रूप में शामिल हुए ।इस दौरान पदयात्रा में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष जन जन के नेता तपस्वी आदरणीय राहुल गांधी जी के साथ इस ऐतिहासिक पदयात्रा का हिस्सा बन उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।वही इस यात्रा के दौरान प्रदेश महासचिव मोहम्मद अरफराज साहिल ने जन जन के नेता तपस्वी राहुल गांधी जी को भारत रत्न से सम्मानित बिहार का गौरव शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की तस्वीर सौगात के रूप में सप्रेम भेंट किया ।इस दौरान राहुल गांधी जी आर्यभट्ट की नगरी तारेगना के बारे में चर्चा की एवं बिहार प्रदेश की शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था एवं महंगाई से निजात व युवाओं के हित में रोजगार सृजन करने पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया ।वही उन्होंने कहा आम आवाम की आवाज बनो और संघर्ष करो यही कांग्रेस का संदेश है ।वहीं जन जन के नेता आदरणीय राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़े यात्रा में राहुल गांधी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने पर काफी गौरवान्वित होकर बधाई देने वाले युवा साथियों में मसौढ़ी प्रखंड कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पिंटू रजक, धनरूआ प्रखंड अध्यक्ष मृत्युंजय पांडेय, पटना जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष इंद्रमणि देवी, अनामी शरण सिंह, शिवपूजन सिंह, उदय चंद्रवंशी, धुरी यादव, मृत्युंजय पेरियार, सोहन चन्द्रवंशी।

गड़हनी नगर के सहंगी मोड़ स्थित बुद्ध मूर्ति के समीप शाहिद जगदेव बाबू की धूमधाम से मनाई गई जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

गड़हनी। नगर के गड़हनी सहंगी मोड़ के समीप बुद्ध मूर्ति के समीप गुरुवार को भारत के लेलिन कहे जाने वाले शाहिद जगदेव बाबू की धूमधाम से मनाई गई जयंती ।जयंती समारोह के अध्यक्षता मुख्यपार्षद प्रतिनिधि सह पूर्व मुखिया तस्लीम आरिफ उर्फ गुड्डू मियां व संचालन अवध बिहारी सिंह ने किया ।संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि जगदेव बाबू शोषित गरीबो के मसीहा थे, और लेलिन के बिचारो पर चलने वाले धनी इंसान थे जो सामंती ताकतों को बर्दाश्त नही थी ।जिसके कारण जहानाबाद के कुर्था प्रखण्ड में भाषण देने के दौरान गोलियों से भूनकर उनकी हत्या कर दी थी ।वही मुख्यपार्षद प्रतिनिधि ने अपने सम्बोधन में घोषणा किया कि गड़हनी नगर पंचायत में जगदेव बाबू की मूर्ति बना कर अनावरण की जाएगी। इस मौके पर उपेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह, शियाधार सिंह, निर्भय कुमार, राम प्रवेश सिंह, विजय सिंह, धनेश्वर सिंह, लक्ष्मण सिंह समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सामाजिक सोच के साथ राजनीतिक चेतना को जगाते हुए समाज को जोड़ने की बात कही : महानगर अध्यक्ष राजू बरनवाल

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जी.बी रोड स्थित जदयू, गया महानगर कार्यालय में जिलाध्यक्ष महानगर जदयू राजू बरनवाल ने जदयू के सम्मानित साथियों के साथ एवं गया शहर के प्रबुद्ध लोगों की उपस्थिति में बिहार लेनिन अमर शहीद जगदेव प्रसाद जी की 100वीं जयंती समारोह मनाई गई है इस जयंती समारोह में बरनवाल ने शहीद बाबू जगदेव प्रसाद जी के तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कियें, इसके साथी ही गया शहर के विभिन्न जगहों जिसमें खरखुरा सेक्टर, घुघड़ीटाड़ सेक्टर, मानपुर सेक्टर, बागेश्वरी सेक्टर में भी इनकी 100वीं जयंती मनाई गई है इस समारोह में बरनवाल ने कहा कि शहीद जगदेव प्रसाद जी एक सामाजिक न्याय के योद्धा थे. उन्होंने दलितों, पिछड़ों और अकलियतों की एकता के लिए जीवनभर संघर्ष करते रहें। उन्होंने लोगों को सामाजिक सोच के साथ राजनीतिक चेतना को जगाते हुए समाज को जोड़ने की बात कही. वही वक्ताओं ने भी कहा कि जगदेव बाबू के विचारों को सभी को आत्मसात करने की जरूरत है, जगदेव प्रसाद जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जगदेव बाबू बिहार प्रांत में जन्मे एक क्रांतिकारी राजनेता थे, जिन्हें बिहार लेनिन के नाम से भी जाना जाता है। इस जयंती समारोह में पूर्व जिलाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद, लालजी प्रसाद, निरज वर्मा, मिंता देवी, अर्जुन राम, गोपाल प्रसाद, सिद्धनाथ तिवारी, सुषमा बरनवाल, ललन प्रजापति, अमर चंद्रवंशी, राजकुमार शाह, राजकुमार शर्मा, अखिलेंद्र जी अधिवक्ता, जूली मेहता, शंभू सिंह, रामनंदन यादव ,पप्पू यादव सहित सैकड़ों लोगों की उपस्थिति रही।

किरानी घाट के निकट पूर्व से बने विक्रय स्थल, गांधी मैदान के पूर्वी छोर पर पूर्व से बने विक्रय स्थल का जीर्णोद्धार : नगर आयुक्त

फुटपाथी विक्रेताओं को ऋण देने को सभी बैंकों को निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया नगर निगम, गया अंतर्गत दीनदयाल अंत्योदय योजनाझराष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन ऊअ झठवछट के एसयूएसब घटक के तहत शहरझ वैडीग कमेंटी टीवीसी की बैठक नगर आयुक्त की अध्यक्षता में की गई है। इस बैठक में आए दिन गया शहर में फुटपाथी विक्रेताओं द्वारा जहां-तहां अवैध जगह पर फुटपाथ दुकान लगाकर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त करने एवं उससे उत्पन्न होने वाले आम नागरिकों की परेशानियां एवं फुटपाथ विक्रेताओं की समस्याओं को देखते हुए उन लोगों को वेंडिंग जोन बनाकर उस वेंडिंग स्थल पर व्यवस्थित करने हेतु चर्चा की गई है। जिसके लिए जयप्रकाश नारायण अस्पताल के पीछे गोल पत्थर के पूर्वी भाग अस्पताल के पश्चिम कोना उत्तर तरफ से पूर्वी भाग अस्पताल के अंतिम दीवार तक शेड बनाकर एवं गया मानपुर को जोड़ने वाले सिक्स लेन पुल पर फुटपाथ दुकानदार द्वारा अतिक्रमण करने से आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सिक्स लेन पुल किरानी घाट के निकट पूर्व से बने विक्रय स्थल का जीर्णोद्धार एवं गांधी मैदान के पूर्वी छोर पर पूर्व से बने विक्रय स्थल का जीर्णोद्धार करने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत फुटपाथी विक्रेताओं को दिए जाने वाले ऋण लाभ हेतु अग्रणी जिला प्रबंधक को जल्द से जल्द सभी लाभुकों को ऋण देने का आदेश दिया गया है ।इस बैठक में नगर प्रबंधक, नगर निगम के कार्यपालक अभियंता, अग्रणी जिला प्रबंधक, ऊअ झठवछट के सभी पदाधिकारी, फुटपाथ विक्रेता संघ के अध्यक्ष एवं संबंधित सभी मार्केट कमेटी के प्रतिनिधी मौजूद रहे हैं। नगर आयुक्त के द्वारा फुटपाथ विक्रेताओं को यह आश्वस्त किया गया कि जल्द से जल्द उनकी सारी समस्याओ का निदान किया जाएगा।

मगध मेडिकल हॉस्पिटल में जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया में आज अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल हॉस्पिटल में अधीक्षक डॉक्टर गोपल कृष्ण द्वारा फीता काट कर जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र का उद्घाटन किया गया है। जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र का उद्देश्य अस्पताल में इलाज के लिए आनेवाले आगंतुक मरीजों एवं जीविका सदस्य और उनके परिवार को उपचार के लिए सही मागदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध करना है।

जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र की सेवा प्रातः 6 से रात 10 बजे तक दो पाली में कार्यरत जीविका स्वास्थ्य मित्र के माध्यम से उपलब्ध रहेगी जिसका संचलान सहारा जीविका महिला स्वाबलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, चंदौती के माध्यम से किया जाएगा। स्वास्थ्य मित्र द्वारा इलाज के लिए पंजीकरण करना, डॉक्टर से परामर्श, मरीजों को भर्ती करना, सरकारी एंबुलेंस में सहयोग, मरीजों का ट्रैक रिकॉर्ड रखना, आदि में सहयोग के लिए किया जायेगा। इस अवसर पर अधीक्षक डॉक्टर गोपल कृष्ण ने जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे अस्पताल आने वाले मरीजों को सहूलियत होगी।

वहा पर उपस्थित जीविका स्वास्थ्य मित्र प्रिय दयाल सिन्हा एवं बबिता कुमारी को समझते हुए कहा आप लोग समय पर आइयेगा, अपना रेकॉर्डर्ड मेंटेन करियेगा। यहाँ कार्यरत अन्य कर्मियों से समन्वय बनाकर अच्छे से कार्य करने का प्रयास करियेगा। जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र के लिए मोबाईल नंबर 919508502747 भी जारी किया गया जिसपर संपर्क कर सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर मगध मेडिकल के हॉस्पिटल मैनेजर संतोष कुमार एवं अन्य कर्मियों सहित जीविका के जिला स्तरीय प्रबंधक राजेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, राकेश कुमार, प्रबंधक स्वास्थ्य एवं पोषण कुंदन लाल साह, युवा पेशेवर अंशु, चंदौती प्रखंड के जीविका कर्मी एवं संकुल स्तरीय संघ की जीविका दीदियाँ भी उपस्थित थी।

मगध मेडिकल हॉस्पिटल में जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया में आज अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल हॉस्पिटल में अधीक्षक डॉक्टर गोपल कृष्ण द्वारा फीता काट कर जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र का उद्घाटन किया गया है। जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र का उद्देश्य अस्पताल में इलाज के लिए आनेवाले आगंतुक मरीजों एवं जीविका सदस्य और उनके परिवार को उपचार के लिए सही मागदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध करना है। जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र की सेवा प्रातः 6 से रात 10 बजे तक दो पाली में कार्यरत जीविका स्वास्थ्य मित्र के माध्यम से उपलब्ध रहेगी जिसका संचलान सहारा जीविका महिला स्वाबलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, चंदौती के माध्यम से किया जाएगा। स्वास्थ्य मित्र द्वारा इलाज के लिए पंजीकरण करना, डॉक्टर से परामर्श, मरीजों को भर्ती करना, सरकारी एंबुलेंस में सहयोग, मरीजों का ट्रैक रिकॉर्ड रखना, आदि में सहयोग के लिए किया जायेगा। इस अवसर पर अधीक्षक डॉक्टर गोपल कृष्ण ने जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे अस्पताल आने वाले मरीजों को सहूलियत होगी। वहा पर उपस्थित जीविका स्वास्थ्य मित्र प्रिय दयाल सिन्हा एवं बबिता कुमारी को समझते हुए कहा आप लोग समय पर आइयेगा, अपना रेकॉर्डर्ड मेंटेन करियेगा। यहाँ कार्यरत अन्य कर्मियों से समन्वय बनाकर अच्छे से कार्य करने का प्रयास करियेगा। जीविका स्वास्थ्य सहायता केंद्र के लिए मोबाईल नंबर 919508502747 भी जारी किया गया जिसपर संपर्क कर सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर मगध मेडिकल के हॉस्पिटल मैनेजर संतोष कुमार एवं अन्य कर्मियों सहित जीविका के जिला स्तरीय प्रबंधक राजेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, राकेश कुमार, प्रबंधक स्वास्थ्य एवं पोषण कुंदन लाल साह, युवा पेशेवर अंशु, चंदौती प्रखंड के जीविका कर्मी एवं संकुल स्तरीय संघ की जीविका दीदियाँ भी उपस्थित थी।

आम बजट सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने वाला तथा ज्ञान सृजन में बाधक : एआईडीएसओ

प्रात :किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।शिक्षा बजट पर ए.आई.डी.एस.ओ. के राष्ट्रीय महासचिव सौरव घोष ने प्रेस को बयान जारी करते हुए कहाः जहाँ तक छात्र समुदाय का सवाल है, केंद्रीय बजट 2023 पूरी तरह से निराशाजनक है। कई वर्षो से देखा जा रहा है कि शिक्षा बजट में आवंटित राशि को बढ़ा हुआ दिखाया जाता है, लेकिन कुल बजट के मुकाबले शिक्षा के लिए आवंटन का प्रतिशत कम होता जा रहा है। एन.ई.पी-2020 को अपनाने से ठीक पहले वित्तीय वर्ष 2020-21 में शिक्षा के लिए आवंटन कुल बजट का 3,26प्रतिशत था जो बाद में 2021-22 में घटकर 2.67प्रतिशत हो गया, 2022-23 में 2,64 प्रतिशत और इस साल यह घटकर कुल बजट का 2.5 प्रतिशत (45,03,097 करोड़ में से 1,12,899 करोड़) रह गया है। यह भी उल्लेखनीय है कि एन.ई.पी. 2020 में शिक्षा पर जी.डी.पी. का 6 प्रतिशत आवंटित करने के बड़े दावे के बावजूद, इस वर्ष यह आवंटन जी.डी.पी. के महज 3प्रतिशत पर अटका हुआ है। हमने यह भी देखा है कि ज्यादातर खर्च बैकलॉग और सरकारी विज्ञापनों पर किया जाता है। शिक्षकों तथा कर्मचारियों के लाखों पदों की रिक्तियों के कारण आज शिक्षा की बुरी हालत है। लाखों विद्यालयों और कॉलेजों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। ऐसी गंभीर परिस्थिति में किस क्षेत्र में कितना फंड खर्च होगा तथा जरूरतन इंफ्रास्ट्रक्चर एवं नए शिक्षकों की बहाली होगी कि नहीं, इस पर बजट पूरी तरह खामोश है। सरकार ने यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि पिछले बजट में आवंटित धनराशि में से कितना खर्च किया गया है। बजट में एनजीओ से सहयोग का प्रावधान है। इससे शिक्षा के निजीकरण तथा व्यावसायीकरण बढ़ेगा। यह बजट पूरी तरह से शिक्षा क्षेत्र के निजीकरण की योजना को दशार्ता है।

संक्षिप्त खबरें

सुबे में 12 फरवरी से पुर्व सीएम जीतन राम मांझी निकालेंगे गरीब संपर्क यात्रा

गया।हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेकुलर आगामी 12 फरवरी से सूबे में गरीब संपर्क यात्रा निकलेगी, यह यात्रा 12 फरवरी से 22 फरवरी तक निकाली जाएगी इस आशय की जानकारी हम पार्टी के संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने प्रेसवार्ता में दी है उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी साथियों के साथ मिलकर गरीब संपर्क यात्रा निकाली जाएगी जो नवादा जिले से 12 फरवरी से शुरू होगी और नवादा जहानाबाद अरवल और गया में जाकर जनसभा करेगी।26 फरवरी को गया के गांधी मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित किया जाएगा उन्होंने कहा नीतीश कुमार अच्छा काम कर रहे हैं उनकी नियत में खोट नहीं है वह प्रयास कर रहे हैं लेकिन कुछ पदाधिकारियों के गलती से जो नीतीश कुमार की सोच है वह धरातल पर नहीं आ रहा है, लोगों की सोच कि, नीतीश कुमार कुछ नहीं कर रहे हैं या गलत है इसलिए जनसंपर्क के माध्यम से सूचना ग्रहण करेंगे कि कहां नल जल, इंदिरा आवास, राशन कार्ड, भूमि सुधार वह अन्य योजना की व्यवस्था हुई है या नहीं या क्या सुधार की गुंजाइश है सभी पहलुओं का फीडबैक नीतीश कुमार को सौंपा जाएगा और उनकी हाथ मजबूत किया जाएगा।

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने आम बजट को बताया किसान -मजदूर और जन विरोधी

मुजफ्फरपुर।केंद्र की भाजपा सरकार के केंद्रीय बजट के सावधानीपूर्वक विश्लेषण उपरांत एआईकेकेएमएस के अध्यक्ष सत्यवान और महासचिव शंकर घोष ने आज कहा है कि यह बजट पूरी तरह से किसान-विरोधी, श्रमिक-विरोधी, जन-विरोधी बजट है।इसमें कृषि क्षेत्र में बजट आवंटन पांच प्रतिशत तक कम कर दिया गया है।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 12 प्रतिशत, प्रधानमन्त्री किसान योजना में 13 प्रतिशत और मनरेगा में 13,000 करोड़ रुपये की कटौती की गई है, जो ग्रामीण मेहनतकश आबादी के रोजगार का एक स्रोत है। यह सामान्य किसानों और कृषि श्रमिकों के प्रति केंद्रीय भाजपा सरकार के रवैये को दशार्ता है।जबकि ठीक इसी समय, इसी सरकार ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए बजट आवंटन बढ़ाया है।इसमें कोई संदेह नहीं है, यह बजट आम किसानों और कृषि श्रमिकों के कंधों पर बोझ बढ़ाएगा। किसान एमएसपी की कानूनी गारंटी और लागत से डेढ गुना दर से फसलों की सरकारी खरीद की मांग कर रहे हैं, लेकिन ह्यनये भारतह्न के इस बजट ने एमएसपी सुनिश्चित करने से जुड़े पीएम-एएसएसएचए फंड आवंटन पूरी तरह से समाप्त कर दिया है।किसान संगठन साल भर ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार की मांग कर रहे थे।इन मांगों को पूरा करना तो दूर रहा, केंद्रीय भाजपा सरकार ने किसानों के उत्पीड़न और दमन का रास्ता अपनाया है।

पति ने पत्नी को प्रेमी के संग आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा*

नाथनगर (भागलपुर)।नाथनगर इलाके में एक दंपत्ति के बीच हुई हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला।मामले को लेकर बताया जा रहा है कि मधुसुदनपुर इलाके के एक युवक ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। जिसे लेकर दोनों के बीच घंटों हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ है।दोनो के बीच बात नहीं बनने पर ग्रामीणों के बीच बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों की पंचायत बुलाया गया।वही मामले को लेकर पंचायत में प्रेमी ने महिला से शादी करने से इनकार कर दिया। वहीं दूसरी तरफ महिला के पति ने भी उसे रखने से इंकार कर दिया। जबकि मामले को लेकर गांव की महिलाओं ने कहा कि वह अपने प्रेमी के पास रहना चाहती है, उसे पति अब नहीं रखेगा।लोगों की पंच समूह सदस्यों ने जब प्रेमी से महिला को साथ रखने के लिए पूछा तो उसने भी शादी से इंकार कर दिया।महिला की हड़कतो को लेकर ग्रामीणों के बीच समस्या जस की तस बनी है।मिली जानकारी के मुताबिक उक्त महिला दो बच्चे की मां बताई जा रही है।

शराब के नशे में धुत्त हो हंगामा करते चार युवक को किया गिरफ्तार

नाथनगर (भागलपुर) मधुसुदनपुर थाना पुलिस ने समकालीन अभियान के तहत चलाये जा रहे छापेमारी के दौरान चार युवक को शराब के नशे में धुत्त हो हंगामा करते हुए कंजिया चौक के समीप गिरफ्तार किया है।जिसे पुलिस ने अपने हिरासत में लेते हुए थाना लेजाया गया जहां ब्रेथ एनालाइजर मशीन से बारी बारी से जांच करने के साथ सभी युवकों के जांच रिपोर्ट में शराब पीने की पुष्टि हुई है।वही पुलिस ने सभी गिरफ्तार युवकों की पहचान राघोपुर टीकर के मुकेश कुमार, महमदपुर के सुनील चौधरी, ललमटिया पीपरपांती के रवि कुमार व नाथनगर विषहरी स्थान के जितेंद्र प्रसाद दास के रूप में बतायी है।मामले को लेकर मधुसुदनपुर थानेदार महेश कुमार ने बताया कि सभी युवकों के विरुद्ध उत्पाद मध निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय हिरासत में भेज दिया गया है।

1अप्रैल 2021 से ऑफलाइन निर्गत विकलांगता प्रमाण पत्र राज्य के अंतर्गत नही होंगे मान्य

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने सभी दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्ड निर्गत किए जाने का लक्ष्य किया निर्धारित।1 अप्रैल 2021 से ऑफलाइन निर्गत विकलांगता प्रमाण पत्र राज्य के अंतर्गत मान्य नहीं होंगे। ऐसे में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा विभागीय दिशानिर्देश के आलोक में जिले के सभी दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्ड निर्गत किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बताते चलें कि कोई भी दिव्यांगजन इस कार्ड के अभाव में ऑफलाइन मध्यम से जारी सर्टिफिकेट के आधार पर सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने से वंचित रह सकते हैं। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के सहायक निदेशक, आशीष प्रकाश अमन द्वारा द्वारा इस बात की जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण निदेशालय पटना के निर्देश के आलोक में *पेंशनधारी दिव्यांगजनों का 30 जनवरी से 4 मार्च 2023 तक मिशन मोड में अभियान चलाकर डोर टू डोर सर्वे करते हुए यूजीआईडी कार्ड बनाया जाना है। इसके लिए मधुबनी जिले में शत-प्रतिशत दिव्यांग पेंशनधारियों की यूडीआईडी कार्ड निर्गत करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों व कर्मियों* के दायित्वों का निर्धारण कर दिया गया है। 4 फरवरी तक सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने प्रखंड से संबंधित सीडीपीओ एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए प्रखंड अंतर्गत आने वाले सभी सेविकाओं एवं विकास मित्रों की प्रखंड स्तरीय बैठक आहूत करेंगे। जिसमें सामाजिक सुरक्षा कोषांग के डाटा एंट्री ऑपरेटर के माध्यम से लक्ष्य को हासिल

करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उक्त अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा अपने प्रखंड के अंतर्गत बिहार निशक्तता पेंशन योजना एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निशक्त पेंशन योजना के लाभुकों की सूची पोर्टल से डाउनलोड करते हुए बैठक में उपस्थित सेविकाओं व बाल विकास परियोजना पदाधिकारीयों को उपलब्ध कराए जायेंगे।

तदनुरूप सीडीपीओ अपने प्रखंड की सभी सेविकाओं की बैठक करेंगे एवं सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अपने प्रखंड में आने वाले सभी विकास मित्रों की भी बैठक आहूत करेंगे। 3 फरवरी से 15 फरवरी 2023 तक सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अपने अधीनस्थ आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिका के माध्यम से डोर टू डोर सर्वे कराते हुए प्राप्त सूची में लाभुकों की छूटी हुई जानकारियां जैसे माता का नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर के साथ साथ लाभुकों की फोटो, उनका आधार कार्ड एवं दिव्यांगता का प्रमाण पत्र अंकित करेंगे एवं छायाप्रति प्राप्त करेंगे। बताया गया है कि सभी सेविका अपने पंचायत में हर दिन कम से कम 2 वार्डों में सर्वे करना सुनिश्चित करेंगे। सभी सीडीपीओ अपने स्तर से इससे संबंधित दैनिक प्रतिवेदन प्रत्येक दिन सहायक निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे। सभी विकास मित्र अपने पंचायत के अंतर्गत आने वाले दिव्यांगजनों के यूडीआईडी कार्ड निर्गत करने हेतु सेविका की सहायता करेंगे एवं उक्त डोर टू डोर सर्वे में ही संबल योजना के तहत 60 प्रतिशत से अधिक चलंत दिव्यांगजनों (लोकोमोटिव दिव्यांगता वाले) को मोटराइज्ड ट्राई ट्राई साइकिल हेतु ऑनलाइन आवेदन कराएंगे।15 फरवरी से 17 फरवरी तक सभी सेविका में प्राप्त कागजातों को बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में जमा करेंगे। सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्राप्त डाटा को संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी को हस्तांतरित करेंगे। 18 फरवरी से 4 मार्च तक प्रखंड विकास पदाधिकारी हासिल किए गए डाटा प्रपत्र को सामाजिक सुरक्षा कोषांग के डाटा एंट्री ऑपरेटर के माध्यम से एनआईसी द्वारा विशेष रूप से विकसित किए गए पोर्टल पर अपलोड करवाएंगे। निदेश दिया गया है कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी उक्त प्रक्रिया का सतत रूप से अनुश्रवण करते हुए कार्य प्रतिवेदन दैनिक रूप से जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग मधुबनी को उपलब्ध कराएंगे।संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान सहायक निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग द्वारा पोर्टल पर वांछित सूचनाओं के प्रतिदिन एंट्री किए जाने से संबंधित सूचना गूगल डॉक्स लिंक के माध्यम से उपलब्ध कराएंगे। सहायक निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग, जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस, मधुबनी को समन्वय स्थापित करते हुए संपूर्ण प्रक्रिया का नियमित मॉनिटरिंग करने एवं आदेश का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, हत्या कांड के मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। विगत 4 जनवरी को समय करीब 18.15 बजे सूचना मिला कि सुल्तानगंज थानान्तर्गत कमराय चौक से उत्तर करीब एक किमी की दूरी पर एक व्यक्ति रोड के किनारे जख्मी हालत में गिरा हुआ है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु संध्या गस्ती पदाधिकारी पुअनि बिनोद कुमार को घटनास्थल पर जाने का निर्देश दिया गया। घटनास्थल पर पहुँचने के पश्चात देखे कि एक व्यक्ति रोड के पूरब किनारे अचेत अवस्था में गिरा पड़ा है और उसे गोली मारकर जख्मी कर दिया गया हैं। तत्पश्चात उस व्यक्ति को उपलब्ध संसाधन से सल्तानगंज रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया था। वही उक्त मामले को लेकर संध्या गस्ती पदाधिकारी पुअनि बिनोद कुमार के द्वारा एक लिखित आवेदन के आधार पर सुल्तानगंज थाना में आर्म्स एक्ट के तहत अज्ञात अपराधी के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया था। उक्त घटित घटना की मिली सूचना के आधार पर वरीय पुलिस अधीक्षक भागलपुर के निदेर्शानुसार पुलिस उपाधीक्षक विधि व्यवस्था भागलपुर के नेतृत्व में सघन छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा कांड के अनुसंधान एवं वैज्ञानिक अनुसंधान में पता चला कि मृतक का नाम सुमन कुमार उम्र 23 वर्ष पिता उमेश मॉझी साकिन सीतारामपुर थाना सुल्तानगंज जिला भागलपुर है। अनुसंधान से ज्ञात हुआ कि गुडडु कुमार यादव पिता प्रदीप यादव, नीतीश कुमार पिता सुरेन्द्र यादव उर्फ सुरेन्द्र प्रसाद यादव दोनो साकिन शिवनंदनपुर थाना सुल्तानगंज जिला भागलपुर दोनो अपराधिक चरित्र के व्यक्ति है। नीतीश कुमार का मृतक सुमन कुमार के बीच अन्दरूनी विवाद था। जिसके कारण नीतीश कुमार ने गुडडु कुमार के साथ मिलकर सुमन कुमार को गोली मारकर हत्या कर दी, साथ ही उक्त दोनों युवकों द्वारा मृतक के मोबाईल फोन व अन्य सामान लेकर भाग निकला था। उक्त मामले के अभियुक्त गुडडु कुमार को विगत 24 जनवरी को गिरफतार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वही गिरफ्तार गुड्डू के निशानदेही पर मृतक सुमन कुमार का मोबाईल बरामद किया गया। वही पुलिस टीम द्वारा फरार चल रहे नीतीश कुमार को गुप्त सूचना के आधार पर अनु.कर्ता पुअनि अशोक कुमार सिंह साथ पुअनि बिनोद कुमार एवं ससस्त्र बल के साथ शिवनंदनपुर से गिरफतार कर लिया गया है। वही पुलिस टीम के द्वारा मृतक के मोबाइल तकनीकी अनुसंधान के सहयोग से बरामद कर मामले का सफल उद्भेदन किया गया है।

भ्रष्टाचार एवं गरीबों पर जुल्म के खिलाफ कांटी प्रखंड मुख्यालय पर विशाल प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में व्याप्त प्रशासनिक भ्रष्टाचार एवं गरीबों पर हो रहे जोर जुल्म के खिलाफ आज टीम अजीत कुमार ने कांटी प्रखंड मुख्यालय पर विशाल आक्रोश पूर्ण जन प्रदर्शन किया। इस मौके पर टीम अजीत कुमार ने प्रशासनिक भ्रष्टाचार व गरीबों के साथ हो रहे जोर जुल्म के खिलाफ आर पार की लड़ाई लड़ने का भी ऐलान किया। इससे पूर्व कांटी रातल मैदान में प्रखंड के विभिन्न गांवों से हजारों की संख्या में लोग इकट्ठा होकर पूर्व मंत्री अजीत कुमार के नेतृत्व में जुलूस निकाला। जुलूस में शामिल लोग कांटी प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न मार्गो से गुजर कर सरकार व प्रशासन विरोधी नारा लगाते हुए प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत प्रखंड मुख्यालय पर टीम अजीत कुमार के अध्यक्ष इंद्रमोहन झा की अध्यक्षता में प्रतिरोध सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने कहा कि आज संपूर्ण जिला प्रशासनिक भ्रष्टाचार से त्रस्त हो गया है। बिना रिश्वत दिए कहीं कोई काम नहीं हो रहा है। खासकर जिले का प्रखंड- अंचल पूरी तरह बिचौलिए एवं दलालों के गिरफ्त में आ गया है। उन्होंने कहा कि सभी जगह भ्रष्टाचारियों का संरक्षक अधिकारी बने हुए हैं। जिस कारण गरीब लूटे जा रहे हैं । श्री कुमार ने कहा आज ताड़ी- शराब के नाम पर चारों ओर समाज के गरीब तबके के लोग पुलिस द्वारा प्रताड़ित हों रहे हैं , लेकिन गरीबों की बात करने बाले सभी बड़े जनप्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए है। श्री

कुमार ने सड़क किनारे एवं पोखर के भिंडा पर बसे गरीबों को प्रशासन द्वारा बेघर किए जाने पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि गरीबों की बात करने वाली यह सरकार गरीबों का भारी दुश्मन है।

उन्होंने कहा यदि सरकार गरीबों की भला चाहती है तो पहले उनके पुनर्वास का व्यवस्था करें तब उन्हें विस्थापित करें। इस मौके पर श्री कुमार ने कहा कि इस इलाके के सांसद व विधायक गरीबों की सम्मान की रक्षा करने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। तभी तो यहां गरीब प्रताड़ित हो रहे हैं एवं लूटे जा रहे हैं। श्री कुमार ने थर्मल पावर प्रबंधन पर कामगारों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रबंधन द्वारा स्थानीय मजदूरों के साथ बड़े पैमाने पर भेदभाव बरता जा रहा है । उन्होंने कहा की प्रबंधन संभल जाए , नहीं तो स्थानीय लोगों के साथ भेदभाव बरतना महंगा पड़ेगा। उन्होंने थर्मल पावर से हो रहे प्रदूषण से लोगों के जनजीवन प्रभावित होने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रबंधन शीघ्र प्रदूषण नियंत्रण करने के लिए कारगर कदम उठाए , नहीं तो कांटी के लोग थर्मल पावर में तालाबंदी करने को मजबूर होंगे। इस अवसर पर टीम अजीत कुमार ने सत्ता व शासन के समक्ष खुला मांग पत्र पेश किया । जिसमें प्रशासनिक भ्रष्टाचार समाप्त करने, गरीबों के समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निदान करने , ताड़ी को उत्पाद नीति से बाहर कर, इस व्यवसाय से जुड़े लोगों का जमीनी सर्वे कराकर उनके लिए ठोस रोजगार का व्यवस्था करने, ताड़ी- शराब के नाम पर गरीबों के घर में पुलिस घुसा कर उन्हें प्रताड़ित करने तथा इज्जत लेने जैसे मामले पर रोक लगाने , जिले के सभी पंचायतों में पांच -पांच सरकारी खाद-बीज का दुकान खोलकर ससमय किसानों को खाद - बीज उपलब्ध कराने, परिवारिक राशन कार्ड , सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना की सुविधा सभी जरूरतमंदों को उपलब्ध कराने , गरीबों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के नाम पर उन्हें लूटने वाले दलाल बिचौलियों को प्रशासनिक संरक्षण देना बंद करने , जमीन का दाखिल खारिज में किए जा रहे वसूली को बंद करने एवं जमीन का रिकार्ड नहीं होने के नाम पर लोगों का आर्थिक शोषण बंद करते हुए जमीन का रिकार्ड दुरुस्त कराने के साथ ही त्रिस्तरीय पंचायत के सभी जनप्रतिनिधियों का सम्मान करते हुए सरकार के द्वारा पंचायत को मिलने वाली राशि में हस्तक्षेप बंद करने , कांटी नगर परिषद कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने , एनटीपीसी से बड़े पैमाने पर फैल रहे प्रदूषण पर शीघ्र नियंत्रण करने की मांगे प्रमुख थी। इस अवसर पर सभा को संबोधित करने वालों में सामाजिक कार्यकर्ता शंभू नाथ चौबे, मोहम्मद शमीम ,मुरारी झा, अंकेश ओझा ,नंदकिशोर सिंह, पैक्स अध्यक्ष रंजीत सिंह, जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष मनोज सिंह ,जिला परिषद सदस्य आभा ठाकुर, राजू चौधरी ,अशोक पासवान, विजय राम ,शंकर महतो, नंदन महतो, साकेत रमन पांडे ,सुमन कुमार सिंह, सुरेंद्र सिंह, सुमन पंडित ,राजेश सिंह, नागेंद्र पंडित, नागेंद्र गिरी, विश्वनाथ राम, विनोद सहनी , मंकु पाठक, अनिल पंडित ,नरेश शाह , रेखा देवी ,पूर्व मुखिया मोतिउर रहमान, हाफिज ओजैर नरगिस ईरानी, मुखिया ज्ञान कौशिक, प्रभु गुप्ता अनिल शाही उप मुखिया मृत्युंजय चौधरी, प्रिंस शाही, विकाश कुमार पांडे उर्फ लालू आदी प्रमुख थे।

केंद्रीय आम बजट पूरी तरह दिशाहीन : ईशु यादव

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। छात्र राजद जिला अध्यक्ष ईशु यादव केंद्रीय आम बजट प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बेरोजगारी, महंगाई पर लगाम लगाने पर बजट में कोई चर्चा नहीं है। बजट में गरीब, किसान, मजदूर और युवाओं के लिए कुछ भी नहीं है। केंद्र की मोदी सरकार सिर्फ पूंजीपतियों को फायदा पहुँचाने के लिए काम कर रही है। केंद्रीय आम बजट पूरी तरह दिशाहीन है। ईशु

यादव ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार बिहार के साथ लगातार सौतेला व्यवहार कर रही है। विशेष राज्य के दर्जे पर कुछ भी नहीं मिला। मोदी सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने की बात कहा था, लेकिन 2022 समाप्ति के बाद भी किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। किसानों कि स्थिति और कमजोर हो गई। हर वर्ष दो करोड़ नौकरी मुहैया करने के वादे पर अभी तक कोई अमल नहीं किया गया। जबकि वादे अनुसार 8 वर्षों में अबतक 16 करोड़ नौकरी मुहैया कराना था लेकिन बजट में नौकरी मुहैया कराने पर कोई चर्चा नहीं किया गया। श्री यादव ने कहा कि मुंगेर जिले के लोगों को विशेष रूप से केंद्र सरकार ने ठगने का काम किया है। जमालपुर में रेल मंडल कार्यालय की स्थापना,रेल विश्वविद्यालय की स्थापना, हवाई सेवा चालू ,बरियारपुरझ खड़गपुरझमननपुर रेल पथ निर्माण और मुंगेर में एम्स खोलने की मुंगेर की जनता का बहुप्रतीक्षित मांगों पर भी मोदी सरकार ने पानी फेरने का काम किया है।

इंटरमीडिएट परीक्षा के कारण जिलाधिकारी जनता दरबार स्थगित

प्रात : किरण संवाददाता

गया। गया जिला में गया जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले जनता दरवार, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट परीक्षा आयोजित रहने के कारण जिले के सभी वरीय अधिकारियों को उक्त परीक्षा के सफल संचालन हेतु विधि व्यवस्था संधारण हेतु प्रतिनियुक्त रखा गया है, जिसे लेकर दिनांक 03 फरवरी 2023 (शुक्रवार) को

जिला पदाधिकारी का जनता दरबार को स्थगित रखा गया है। गया जिला के सभी जनता जनार्दन को सूचित किया जाता है कि कल शुक्रवार अर्थात 03 फरवरी को जनता दरवार में न आवे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समाधान यात्रा को लेकर जिला प्रशासन की हुई तैयारी तेज

खीरीबांध पंचायत के सालेपुर सामुदायिक भवन में कैंप लगाकर किया जा रहा है कई विभागों के कार्यों का निष्पादन

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समाधान यात्रा कार्यक्रम जिले में होना है। जिसको लेकर जिला प्रशासन के द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है।

इसी दौरान खीरी बांध पंचायत के सालेहपुर सामुदायिक भवन में सभी विभागों के द्वारा शिविर लगाकर पंचायत के लोगों की समस्याओं का निदान किया जा रहा है। जिसको लेकर सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी कैंप में मौजूद हो कर लोगों की समस्या को सुनकर ऑन

स्पोर्ट निपटारा कर रहे हैं। वही कैंप के दौरान जिलाधिकारी भी पहुंचकर लोगों की समस्याओं को सुनकर उसका तुरंत निपटारा करने को लेकर पदाधिकारियों को निर्देश देते नजर आए। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के समाधान यात्रा के दौरान सीपैट के बने प्रशासनिक भवन और वृद्ध आश्रय भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री के हाथों होना है। वहीं संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की जाएगी। वहीं जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में अन्य विकास के कार्य चल रहे हैं। जिसे लेकर सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

लाइब्रेरियन दीदी की नियुक्ति में लाइब्रेरी साइंस डिग्रीधारियों को प्राथमिकता देने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।आल बिहार लाइब्रेरी एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह ने सरकार से लाइब्रेरियन दीदियों कि नियुक्ति में लाइब्रेरी साइंस डिग्री धारियों को प्राथमिकता देने की मांग की है।उन्होने कहा है कि बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत राज्य के 32 जिले अंतर्गत 100 प्रखंडों में चयनित संकुल स्तर पर सामुदायिक पुस्तकालय सह कैरियर विकास केंद्र की स्थापना की जा रही है और इसके संचालन हेतु लाइब्रेरियन दीदी की नियुक्ति होनी है । आश्चर्य की बात है कि सामुदायिक पुस्तकालयों के संचालन के लिए लाइब्रेरियन दीदी की नियुक्ति के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता में लाइब्रेरी साइंस की डिग्री को शामिल नहीं किया गया है । इस बात का लाइब्रेरी साइंस के छात्रों में गहरा आक्रोश है । ऑल बिहार एंड लाइब्रेरी एसोसिएशन के अध्यक्ष विकास सिंह का कहना है कि राज्य में हजारों पुस्तकालय विज्ञान डिग्री धारी छात्र बेरोजगार हैं और राज्य में 2008 के बाद से इस क्षेत्र में कोई नियुक्ति नहीं आई है और सरकार जो अनुबंध पर लाइब्रेरियन दीदी की नियुक्ति करने जा रही है उसमें भी लाइब्रेरी साइंस डिग्री धारियों को शैक्षणिक योग्यता में शामिल नहीं किया गया है। उन्होने सरकार से मांग की है कि लाइब्रेरियन दीदी की नियुक्ति में लाइब्रेरी साइंस डिग्री वाले को प्राथमिकता प्रदान की जाए। बिहार लाइब्रेरी साइंस नेट पीएचडी होल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ अमित किशोर का कहना है कि लाइब्रेरियन दीदी की नियुक्ति में पुस्तकालय विज्ञान डिग्री धारी अभ्यार्थियों को प्राथमिकता मिलना चाहिए जिससे सामुदायिक पुस्तकालय का संचालन सही तरीके से हो सके। और पुस्तकालय विज्ञान के छात्रों को रोजगार मिल सके।

अमर शहीद जगदेव बाबू की मनाई गई 100वीं जयंती

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। बिहार लेलिन अमर शहीद जगदेब बाबू की 100वीं जयंती मनायी गयी। भागलपुर के उर्दू बाजार स्थित राधा कृष्ण ठाकुर वाली परिसर में जिला जनता दल यू कार्यकताओं द्वारा इस दौरान जदयू कार्यकताओं ने एक-एक कर जगदेब बापू की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया और उनके कहे हुए नक्शे कदम पर चलने की बात सभी कार्यकताओं ने कही। इस दौरान जिला अध्यक्ष बिपिन बिहारी, जिला महासचिव शिशुपाल भारती पूर्व

विधायक नाथनगर लक्ष्मीकांत मंडल पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. विजय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर जनतादल यू के महिला प्रकोष्ठ की सदस्या शालिनी सिंह, रिंटु सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता सम्मिलित होकर कार्य को सफल बनाया।

तरैया में विवाहिता की हत्या, शव को पुलिस ने नदी से किया बरामद

तरैया। स्थानीय थाना क्षेत्र के भलुआ शंकरडीह गांव में एक विवाहित की हत्या बुधवार की रात्रि में कर दी गई है। मृतका विश्वकर्मा राय की पत्नी सीता देवी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।पति के निशानदेही पर शव को गुरुवार की सुबह पुलिस ने गंडक नदी से बरामद कर लिया है। पुलिस ने बड़ी मशक्कत से स्थानीय गोताखोर के सहयोग से शव को बाहर निकाला। मृतका के शरीर मे बोड़ा में बालू भरकर नदी में फेंक दिया गया था। मृतका की शादी 2017 में भलुआ शंकरडीह गांव निवासी विश्वकर्मा राय से हुई थी। मृतका के दो बच्चे है। मृतका के मां ज्ञान्ति देवी ने बताया कि मेरी पुत्री की हत्या कर दिया गया है। मृतका की मां ज्ञान्ति देवी, बड़ी बहन सविता देवी, छोटी बहन रीता कुमारी का रो-रो कर बुरा हाल है।

पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेजने की कार्रवाई में जुट गई है। मृतका के मां ज्ञान्ति देवी तरैया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमे मृतक के पति विश्वकर्मा शर्मा, ससुर प्यारचंद्र राय,देवर कुंदन राय व विशाल राय को आरोपित किया है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि 01 फरवरी के रात्रि में 09:30 बजे मेरी लड़की का फोन आया तो मेरा लड़का से बात हुई तो मेरी लड़की बोली कि कभी भी मेरे साथ अनहोनी हो सकता है। उक्त लोग मेरी हत्या कर सकते है। तो हमलोग बोले कि सुबह में आ रहे है। जब हमलोग सुबह बेटी के घर पहुचे तो पता चला कि मेरी बेटी की हत्या हो गया है और परिवार के लोग घर छोड़ भाग गए है। हत्या का कारण हमेशा दहेज के लिए मोटरसाइकिल का मांग करते रहते थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपी को जेल भेजने की करवाई में जुट गई है।

जिलाधिकारी के नेतृत्व में पूरे जिला में रात भर चला अवैध बालू कारोबार के विरुद्ध अभियान

छपरा। बुधवार को देर रात्रि से जिला पदाधिकारी राजेश मीणा एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव मंगला के नेतृत्व में बालू के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोकथाम हेतु सघन छापामारी पूरे जिला में की गयी। अवैध बालू के खनन परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध छापामारी अभियान में खनन विभाग के द्वारा कुल 52 वाहन जप्त किये गये। कुल 08 प्राथमिकी दर्ज की गयी। 24 लोगों की गिरफ्तारी के साथ 01 करोड़ 38 लाख 20 हजार से अधिक की राशि जुमार्ना के रूप में वसूली की गयी।

इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी महोदय के निदेर्शालोक अपर समाहर्त्ता के द्वारा ओवरलोड बालू लदे वाहनों की जाँच के क्रम में 11 वाहनों से 14 लाख से अधिक की राशि जुमार्ना के रूप में वसूली गयी। इसी तरह जिला परिवहन पदाधिकारी के द्वारा 13 वाहनों की जाँच से लगभग 14 लाख, अनुमंडल पदाधिकारी सदर के द्वारा 28 वाहनों से लगभग 35 लाख, अनुमंडल पदाधिकारी मढ़ौरा के द्वारा 20 वाहनों से लगभग 23 लाख, मोटरयान निरीक्षक, सारण के द्वारा जाँचे गये 60 वाहनों से लगभग 72 लाख, प्रवर्त्तन अवर निरीक्षक, सारण के द्वारा जाँचे गये 48 वाहनों से लगभग 48 लाख की राशि वसूल की गयी। इस प्रकार कुल 180 ओवरलोडेड बालू वाले ट्रकों से 02 करोड़ से उपर की राशि जुमार्ने के तौर पर वसूली गयी। इस अभियान से अवैध बालू कारोबारियों में भय का माहौल है। जिला पदाधिकारी ने इस तरह के औचक अभियान के लगातार चलाये जाने की बात बताई ।

शहीद जगदेव प्रसाद की पुण्यतिथि मनाई गई

संग्रामपुर (मुंगेर)। गुरुवार को संग्रामपुर प्रखंड जदयू के 20 सूत्री कार्यालय के प्रांगण में अमर शहीद जगदेव प्रसाद की पुण्यतिथि मनाई गई कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में मुंगेर जदयू के जिला महासचिव श्रवन कुमार जी प्रदेश सचिव कला संस्कृति एवं खेल प्रकोष्ठ मुकेश कुमार सिंह अतिथि अति पिछड़ा के प्रखंड अध्यक्ष उदय शर्मा पंचायत अध्यक्ष अमरजीत मंडल सुजीत कुमार यादव

संक्षिप्त खबरें

शुरूआती कारोबार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में किया कारोबार

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के रूख के बीच बृहस्पतिवार को रुपया शुरूआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के बयान से मिले संकेतों को देखते हुए निवेशकों ने कारोबार से दूरी बनाए रखी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.81 प्रति डॉलर पर कमजोर खुलने के बाद और गिरावट के साथ 81.86 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की गिरावट को दशार्ता है। बाद में, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 81.80 पर सपाट कारोबार कर रहा था। बुधवार को रुपया 81.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 प्रतिशत के नुकसान से 100.93 पर आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.77 फीसदी की बढ़त के साथ 83.48 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 15 फीसदी टूटा; समूह की ज्यादातर कंपनियों के शेयर में गिरावट

नई दिल्ली। अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर बृहस्पतिवार को शुरूआती कारोबार में 15 प्रतिशत टूट गया। इसके एक दिन पहले, बुधवार को कंपनी ने अपने 20 हजार करोड़ रुपये के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) को वापस लेने और निवेशकों का पैसा लौटाने की घोषणा की थी। हालांकि, कंपनी के एफपीओ को मंगलवार को पूर्ण अभिदान मिल गया था। बीएसई पर कंपनी का शेयर 15 प्रतिशत टूटकर 1,809.40 रुपये पर आ गया। समूह की अन्य कंपनियों का प्रदर्शन भी लगातार छठे दिन कमजोर रहा। अडाणी पोर्ट्स के शेयर में 14 फीसदी की गिरावट आई, अडाणी ट्रांसमिशन में 10 फीसदी, अडाणी ग्रीन एनर्जी में 10 फीसदी, अडाणी टोटल गैस में 10 फीसदी, अडाणी विल्मर में पांच फीसदी, एनडीटीवी में 4.99 फीसदी और अडाणी पॉवर में 4.98 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि अंबुजा सीमेंट्स के शेयर 9.68 फीसदी और एसीसी के 7.78 फीसदी चढ़े। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा था, असाधारण परिस्थितियों के मद्देनजर, कंपनी के निदेशक मंडल ने फैसला किया है कि एफपीओ पर आगे बढ़ना नैतिक रूप से ठीक नहीं होगा। निवेशकों का हित हमारे लिए सर्वोपरि है और उन्हें किसी तरह के संभावित नुकसान से बचाने के लिए निदेशक मंडल ने एफपीओ को वापस लेने का फैसला किया है।

बागवानी फसलों के पौध सामग्री के लिए 2200 करोड़ रु कर प्रस्ताव

नई दिल्ली। सरकार किसानों को उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री की उपलब्ध ता बढ़ाने के लिए 2200 करोड़ रुपये की लागत से आत्मतनिर्भर स्वरच्छफ पौध कार्यक्रम शुरू करेगी। मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को संसद में 2023-24 का बजट पेश करते हुए कहा कि उच्च मूल्यी वाली बागवानी फसलों के लिए रोग मुक्त गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री की उपलब्ध ता बढ़ाने के उद्देश्यम से 2200 करोड़ रुपये के परिव्यवय के साथ एक आत्मीनिर्भर स्व च्छच पौध कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में युवा उद्यमियों के कृषि-स्टाबर्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एक कृषि त्वारक कोष बनाया जाएगा। इस कोष के जरिए किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अभिनव एवं किफायती समाधान पेश किए जाएंगे, और इसके साथ ही यह कोष खेती-बाड़ी करने के तौर-तरीकों में व्योपक बदलाव लाने, और उत्पादकता एवं लाभप्रदता बढ़ाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियां भी पेश करेगा।

रेलवे का पूंजीगत व्यय 2.4 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। आम बजट 2023-24 में भारतीय रेलवे को 2.4 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय आवंटित किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आम बजट पेश करते हुए कहा कि भारतीय रेलवे को वित्त वर्ष 2023-24 में पूंजीगत व्यय के लिए 2.4 लाख करोड़ रुपए मिलेंगे, जो वर्ष 2022-24 की तुलना में 65.6 प्रतिशत अधिक तथा वर्ष 2013-14 के आवंटन की तुलना में नौ गुना है। आम बजट 2022-23 में रेलवे को पूंजीगत आवंटन 1.4 लाख करोड़ रुपए था, जबकि राजस्व व्यय 3267 करोड़ रुपए तय किया गया था।

अवसर, रोजगार और आर्थिक स्थिरता पर केंद्रित बजट

नई दिल्ली,एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट को अमृतकाल का पहला बजट करार देते हुए आज कहा कि यह नागरिकों को बेहतरी के अवसर उपलब्ध कराने, रोजगार सृजित करने और भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिरता देने के लिए हैं।

श्रीमती सीतारमण ने बुधवार को संसद में अगले वित्त वर्ष का आम बजट पेश करते हुए कहा कि आर्थिक एजेंडे के केंद्र में नागरिकों को विकास और बेहतरी के अवसर उपलब्ध कराना, अर्थव्यवस्था के विकास को सुदृढ़ बल देना और रोजगार सृजित करना और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देना है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण से इन उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले नौ साल में दुनिया में दसवें स्थान से बढ़कर पांचवें स्थान पर आ गयी है। भारत ने सहस्राब्दी विकास लक्ष्य हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। अर्थव्यवस्था तेजी से औपचारिक रुप ग्रहण कर रही है। योजनाओं को कुशलता से लागू किया जा रहा है जिससे समग्र विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल के इस पहले बजट का लक्ष्य भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद को और मजबूत करना तथा विकास के लक्ष्यों का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाना है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा, चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है और यह विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ रही बड़ी अर्थव्यवस्था है, आने वाले वर्षों में भी हम आगे रहेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व ने भारत की अर्थव्यवस्था के महत्व को पहचाना है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की नरमी के बावजूद भारत में मजबूती दिखाई है हमारे सुधार जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि यूपीआई, कोविन ऐप, नेशनल हाइड्रोजन मिशन और विश्व में पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली के लिए भारत में लाइफ मिशन शुरू किया है वह भारत की छवि को बढ़ाने वाला है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि राज्यों के लिए 50 वर्ष के ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा एक वर्ष के लिए बढ़ायी गयी है। राज्यों की सक्रिय भागीदारी, सरकारी कार्यक्रमों और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत मिशन मोड पर है। उन्होंने कहा कि प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से भी अधिक बढ़ कर 1.97 लाख रुपये हो गई है। कमजोर आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मिशन शुरू किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए बजट आवंटन में 66 प्रतिशत की बढोतरी, 79 हजार करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है।

उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय स्थापित किये जायेंगे। कृषि क्षेत्र के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के ऋण प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत दो लाख करोड़ रुपए का वहन केंद्र सरकार करेगी। सरकार कृषि क्षेत्र के लिए ओपन सोर्स पर आधारित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म बनाएं जाएगें।

देश को विकास के पथ पर आगे बढाने के लिए बजट में अनेक नई योजनाएं

नई दिल्ली,एजेंसी

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बुधवार को लोकसभा में पेश वर्ष 2023-24 के आम बजट में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अनेक नई योजनाओं की घोषणा की गयी है।

नई योजनाओं के तहत घोषित प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना में पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के लिए पहली बार सहायता पैकेज का प्रावधान किया गया है। यह योजना उन्हें अपने उत्पादों की गुणवत्ता, पैमाने और पहुंच में सुधार लाने तथा मूल्य श्रंखला के साथ जुड़ने में मदद करेगी।

योजना वित्तीय सहायता, उन्नत कौशल प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीकी जानकारी, वैश्विक बाजारों के साथ संयोजन और सामाजिक सुरक्षा के प्रति सुलभता प्रदान करेगी। इससे अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला तथा कमजोर वर्ग के लोगों को फायदा होगा। इसी तरह बजट में कृषि क्षेत्र के लिए डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने की घोषणा की गयी है। इससे फसल नियोजन, रिण और बीमा, फसल आकलन के लिए सहायता, मार्केट इंटेलीजेंस, एग्री टेक इंडस्ट्री एव स्टार्ट अप के विकास के लिए समर्थन के माध्यम से समावेशी किसान केन्द्रित समाधान संभव हो पायेंगे।

इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि स्टार्ट अप खोलने को बढावा देने के लिए कृषि वर्धक निधि स्थापित की जायेगी । इस निधि का उद्देश्य किसानों की चुनौतियों का किफायती तरीके से समाधान उपलब्ध कराना है। यह कृषि पद्तियों को बदलने, उत्पादकता एवं लाभ को बढाने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी लेकर आयेगी।

बच्चों और किशोरों के लिए अलग अलग क्षेत्रों, भाषाओं, विषयों और स्तरों में गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें विभिन्न उपकरणों के माध्यम से उपलब्ध कराने के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना की जायेगी।

दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में अवसंरचना के लिए शहरी अवसंरचना विकास निधि की स्थापना की जायेगी। साथ ही देश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए इकोसिस्टम बनाने के लिए शीर्ष शैक्षिक संस्थानों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए तीन उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किया जायेगा। इससे गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधनों को प्रशिक्षित किया जा सकेगा।

बजट के अनुसार अगले तीन वर्षों में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए सहायता दी जायेगी । राष्ट्रीय स्तर पर वितरित सूक्ष्म उर्वरक और कीटनाशक विनिर्माण नेटवर्क बनाते हुए 10 हजार बायो इनपुट संसाधन केन्द्र स्थापित किये जायेंगे।

वित्तीय और संबंधित सूचना की केन्द्रीय रिपोजटरी के रूप में काम करने के लिए एक राष्ट्रीय वित्तीय सूचना रजिस्ट्री स्थापित की जायेगी। इससे रिण का प्रवाह बढेगा, वित्तीय समावेशन को बढावा मिलेगा और वित्तीय स्थिरता बढेगी। आजादी के अमृत महोत्सव की याद में मार्च 2025 तक दो वर्ष की अवधि के लिए नई लघु बचत योजना, महिला बचत प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जायेगा। यह महिलाओं या बालिकाओं के लिए होगा और दो वर्ष की अवधि के लिए इसमें 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जायेगा।

जी20 रोजगार कार्यसमूह की जोधपुर में शुरू होगी बैठक

नई दिल्ली,एजेंसी

जी20 के रोजगार कार्यसमूह की पहली बैठक बृहस्पतिवार दोपहर को जोधपुर में शुरू होगी। इसमें टिकाऊ, समावेशी तथा रोजगार समृद्ध वृद्धि के लिए श्रम, रोजगार और सामाजिक मुद्दों पर बात होगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह बैठक तीन दिन तक चलेगी और इसमें वैश्विक कौशल, योग्यता सामंजस्य और सामान्य कौशल वर्गीकरण की खातिर रूपरेखा विकसित करने के लिए रणनीतियां बनाने के प्रयास होंगे। शुक्रवार और शनिवार को भी इस बैठक में विविध विषयों पर सत्रों का आयोजन होगा। बैठक में 19 राष्ट्रों के प्रतिनिधियों के अलावा यूरोपीय संघ, आमंत्रित नौ देशों तथा कई क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

बजट में सीमा-शुल्क में कटौती, विनिर्माण, निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद में बुधवार को पेश आम बजट में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा निर्यातकों को समर्थन देने के लिए घोषित ऋण गारंटी योजना समेत कई अन्य योजनाओं से देश के निर्यात को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

उद्योग संगठनों ने बृहस्पतिवार को यह कहा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी कि सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 9,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक अप्रैल को संशोधित ऋण गारंटी योजना पेश की जाएगी। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन नरेंद्र कुमार गोयनका ने कहा कि बुनियादी ढांचा, निवेश, हरित वृद्धि, युवा शक्ति और समावेशी विकास पर जोर से सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था की दिशा में भारत की यात्रा और तेज होगी।

उन्होंने कहा, पीएलआई योजना के दायरे में और क्षेत्रों को लाने और एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देने से देश में निवेश और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

नए सिरे से शुरू की गई ऋण गारंटी योजना छोटे और मध्यम उद्यमों के दबाव को निश्चित तौर पर कम करेगी।

भारत में स्टार्टअप परिवेश को विशेष समर्थन देने वाला है बजट 2023 : गोयल

नई दिल्ली,एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि स्टार्टअप को आयकर लाभ देने संबंधी बजट में की गई घोषणा से देश में स्टार्टअप परिवेश को मजबूती मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को अपने बजट भाषण के दौरान स्टार्टअप के लिए नुकसान को आगे बढ़ाने के लाभ को 10 साल तक बढ़ाने का प्रस्ताव किया था। उन्होंने कहा था, मैं आयकर लाभ के लिए स्टार्टअप के गठन की तारीख को 31 मार्च, 2023 से बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 करने का प्रस्ताव करती हूं। इसके साथ ही मैं स्टार्टअप की शेयरधारिता में बदलाव के कारण नुकसान को आगे बढ़ाने के लाभ को सात से बढ़ाकर 10 साल करने का प्रस्ताव भी करती हूं।

गोयल ने कहा कि सरकार स्टार्टअप परिवेश को निरंतर समर्थन दे रही है और स्टार्टअप इंडिया पहल की शुरूआत के बाद से देश ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह बजट स्टार्टअप परिवेश को निश्चित ही अच्छा-खासा समर्थन और मदद देगा जिससे कि यह आने वाले वर्षों में फल-फूल सके। गोयल ने कहा कि बजट में कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने और कृषि-उद्यमी बनाने पर भी ध्यान दिया गया है। इससे कोल्ड स्टोरेज, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन के लिए बेहतर विचारों को भी बढ़ावा मिलेगा।

बुधवार को बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा था कि ग्रामीण क्षेत्रों में युवा उद्यमियों द्वारा कृषि-स्टार्टअप इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार एक कृषि त्वरित कोष (एएएफ) स्थापित करेगी। समावेशी, किसान-केंद्रित समाधान उपलब्ध कराने के मकसद से कृषि के लिए एक डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा भी बनाया जाएगा।

यूएस फेड के फैसले से ग्लोबल मार्केट को राहत, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत नजर आ रहे हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में पहले की तुलना में कम बढ़ोतरी किए जाने का असर पिछले कारोबारी सत्र में वैश्विक बाजार में साफ-साफ नजर आया।

इसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के तीनों इंडेक्स मजबूती के साथ कारोबार कर के बंद हुए। दूसरी ओर यूरोपीय बाजार पिछले कारोबारी सत्र में लगातार दबाव में काम करते नजर आए। जबकि एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर बढ़त बनी हुई नजर आ रही है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। जबकि इसके पहले ब्याज दरों की बढ़ोतरी 0.5 प्रतिशत से लेकर 0.75 प्रतिशत तक होती रही है। पहले की तुलना में ब्याज दरों में कम बढ़ोतरी होने का असर पिछले कारोबारी सत्र में वॉल स्ट्रीट में साफ साफ नजर आया। नैस्डेक 231.77 अंक यानी 2 प्रतिशत की मजबूती के साथ 11,816.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 1.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,119.21 अंक के स्तर पर अपने पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डाउ जोंस 0.02 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 34,092.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पिछले कारोबारी सत्र में यूरोपीय बाजार दबाव में नजर आए। यूरोप के दो बाजारों पर बिकवाली का दबाव ज्यादा बना रहा, जबकि एक में राहत की स्थिति नजर आई। एफटीएसई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,761.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,077.11 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर डीएएक्स इंडेक्स 0.35 प्रतिशत मजबूत होकर 15,180.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आज आम तौर पर मजबूती का रुख नजर आ रहा है। एशिया के दो बाजारों को छोड़ कर शेष सभी सात बाजारों में मजबूती का रुख बना हुआ है। एसजीएक्स निफ्टी फिलहाल 68 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,632 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी 0.42 प्रतिशत टूट कर 3,363.40 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

दूसरी ओर निक्केई इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 27,414.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स भी 90.28 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,162.46 अंक के स्तर पर नजर आ रहा है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 155.31 अंक यानी 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15,575.44 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है। वहीं कोस्पी इंडेक्स 0.85 प्रतिशत उछलकर 2,470.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,686.77 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,885.07 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,294.51 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण पूर्ण अभिदान मिलने के बावजूद एफपीओ वापस लिया: अडाणी

नई दिल्ली,एजेंसी

कारोबारी गौतम अडाणी ने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण उनके समूह की प्रमुख कंपनी को पूर्ण अभिदान मिलने के बावजूद अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) को वापस लेने का फैसला किया गया। हिंडनबर्ग रिसर्च की पिछले हफ्ते आई रिपोर्ट के बाद अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में अरबों डॉलर की गिरावट आई है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने बुधवार को अपने 20 हजार करोड़ रुपये के अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) को वापस लेने और निवेशकों का पैसा लौटाने की घोषणा की थी। अडाणी ने बृहस्पतिवार को निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा, एफपीओ को पूर्ण अभिदान मिलने के बाद कल उसे वापस लेने के फैसले से कई लोगों को हैरानी हुई होगी, लेकिन कल बाजार में आए उतार-चढ़ाव को देखते हुए बोर्ड को लगता है कि एफपीओ को जारी रखना नैतिक रूप से सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले का मौजूदा कामों और भविष्य की योजनाओं पर कोई असर नहीं होगा। अडाणी ने कहा, ह्यह्यहम परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। अडाणी ने कहा कि कंपनी की बुनियाद मजबूत है। उन्होंने कहा, हमारा बही-खाता सही और परिसम्पत्तियां मजबूत हैं। हमारा एबिटा का स्तर और नकदी प्रवाह काफी मजबूत रहा है और ऋण चुकाने का हमारा रिकॉर्ड बेदाग है। हम लंबी अवधि के मूल्य निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे और विकास कार्य आंतरिक संसाधनों द्वारा किए जाएंगे। एबिटा से तात्पर्य ह्यअर्निंग्स बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्स, डेप्रिसिएशन एंड अमॉर्टाइजेशन है। अडाणी ने कहा कि बाजार के स्थिर होने के बाद हम पूंजी बाजार रणनीति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) पर अधिक रहेगा और हमारा हर व्यापार जिम्मेदाराना तरीके से बढ़ता रहेगा। हमारे कामकाजी तरीकों को सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय साझेदारों ने स्वीकृत किया है, जो हमारी वैश्विक संस्थाओं से जुड़े हैं।

मोबाइल फोन हुए सस्ते, आभूषण महंगे

नई दिल्ली,एजेंसी

विभिन्न प्रकार के करों में कमी किए जाने के कारण स्वदेशी मोबाइल फोन और टीवी सेट, भारत निर्मित रसोई चिमनी तथा झींगा पालन के उपयोग किए जाने वाले चारे सस्ते हो जाएंगे जबकि करों को बढ़ाए जाने के कारण आयातित कारें, साइकिल, सोने-चांदी तथा प्लेटिनम के आभूषण एवं कृत्रिम आभूषण महंगे हो जाएंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को संसद में आम बजट पेश करने के दौरान विभिन्न प्रकार की वस्तुओं पर लगाए जाने वाले करों में बदलाव के प्रस्तावों की जानकारी दी। उन्होंने मोबाइल फोन के कैमरे और उनके कुछ कलपूर्जों के आयात शुल्कों में कमी की घोषणा की। इसी तरह से टीवी पैनल के ओपन शेल के कलपूर्जों पर मूल आयात शुल्क घटाकर 2.5 प्रतिशत कर दिया गया है जिससे यह सस्ता हो जाएगा। रसोईघर को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए लगाए जाने वाली स्वदेशी चिमनी सस्ती हो जाएंगी। रसोई घर की चिमनी विनिर्माण के लिए लगाई जाने हिट क्वाइल पर लगने वाली सीमा शुल्क को 20 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है जिससे स्वदेशी रसोई चिमनी सस्ती हो जाएगी। हालांकि आयातित रसोई चिमनी पर शुल्क 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने से यह महंगी हो जाएगी। विदेशों में निर्यात किए जाने वाली झींगा मछली पालन के लिए उपयोग किए जाने वाले चारे सस्ते हो जाएंगे। चारे के निर्माण के लिए उपयोग किये जाने वाली विभिन्न सामग्रियों पर करों में कमी किए जाने से चारे सस्ते हो जाएंगे। कम्प्रेस्ड बायो गैस को उत्पाद शुल्क मुक्त कर दिया गया है। इस गैस से अनेक प्रकार के इंजिनों का संचालन होता है। सरकार ने अनेक प्रकार के रसायन और पेट्रो रसायनों को आयात शुल्क मुक्त करने का प्रस्ताव किया है। साइकिल पर आयात शुल्क 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी प्रकार से सीकेडी वाहन (कार) पर आयात शुल्क 30 से बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दिया गया है। सीबीयू वाहन (कार) पर आयात शुल्क 60 से बएाकर 70 प्रतिशत कर दिया गया है। इलेक्ट्रिक सीबीयू वाहन (कार) कर 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 70 प्रतिशत कर दिया गया है। इलेक्ट्रानिक खिलौने के अलावा खिलौने और उनके पूर्जो पर कर 60 से बढ़ाकर 70 प्रतिशत कर दिया गया है। मिश्रित रबड़ पर कर की दर को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया गया है। चांदी पर कर की दर को 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। चांदी की छड़ पर कर की दर को 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह से सोना, चांदी और प्लेटिनम से बने आभूषणों पर कर 20 प्रतिशत से बढाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया है। कृत्रिम आभूषणों पर भी कर की दर को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया गया है।

कारोबार जैसे-जैसे कारोबार बढ़ता गया, बाजार रिकवर करता नजर आया।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में निचले स्तर से रिकवरी

नई दिल्ली, एजेंसी

मिले-जुले वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार आज निचले स्तर से रिकवरी करता नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत कमजोरी के साथ हुई। लेकिन जैसे-जैसे कारोबार बढ़ता गया, बाजार रिकवर करता नजर आया। शुरूआती 1 घंटे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ और निफ्टी 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

पहले एक घंटे के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आईटीसी, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और इंफोसिस के शेयर 4.59 प्रतिशत से लेकर 1.54 प्रतिशत कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अडाणी इंटरप्राइजेज, यूपीएल, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, अडाणी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयर 6.57 प्रतिशत से लेकर 2.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 1,914 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,326 शेयर मुनाफा कमाकर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 588 शेयर नुकसान उठाकर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में और 14 शेयर बिकवाली के दबाव के कारण लाल निशान में बने हुए थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में

और 35 शेयर लाल निशान में कारोबार करते दिख रहे थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सेंसेक्स ने आज गिरावट के साथ कारोबार की शुरूआत की। ये सूचकांक 248.21 अंक की कमजोरी के साथ 59,459.87 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही इसमें मामूली गिरावट आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बाजार में तेज खरीदारी शुरू हो गई। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स ने तेजी से ऊपर चढ़ना शुरू कर दिया। शुरूआती कारोबार में लगातार हो रही खरीदारी के कारण सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक उछलकर 59,924.70 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद बिकवाली होने की वजह से इस सूचकांक में मामूली गिरावट भी आई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 29.93 अंक की मामूली बढ़त के साथ 59,738.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने भी आज कमजोरी के साथ कारोबार की शुरूआत की। ये सूचकांक 99.20 अंक की गिरावट के साथ 17,517.10 अंक के स्तर पर खुला। शुरूआती कारोबार में ये सूचकांक भी गिरकर 17,445.95 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में लगातार खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इसमें भी तेजी आ गई।

खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी निचले स्तर से रिकवरी करके सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले हरे निशान में आ गया। हालांकि इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण एक बार फिर ये सूचकांक गिरकर लाल निशान में पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 13.05 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 17,603.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

तेंदुलकर ने किया अंडर-19 महिला वर्ल्ड चैंपियन टीम का सम्मान

सचिन-सचिन के नारे से गूंजा नरेंद्र मोदी स्टेडियम

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के तीसरे टी20 मैच से पहले नरेंद्र मोदी स्टेडियम में महिला अंडर-19 वर्ल्ड कप की विजेता टीम को सम्मानित किया गया। पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने दक्षिण अफ्रीका में पहली बार आयोजित हुए अंडर-19 महिला आईसीसी टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय क्रिकेट टीम को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से कई लड़कियां खेल को अपनाने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित होंगी। इस समारोह का आयोजन नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के तीसरे टी20 मैच से पहले किया गया।

सचिन ने दी बधाई

तेंदुलकर ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गये तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के इतर आयोजित इस सम्मान समारोह में कहा, 'मैं आपको शानदार उपलब्धि पर बधाई देना चाहता हूं। पूरा देश आने वाले वर्षों में (जीत का) जश्न मनाएगा।

मिला 5 करोड़ का चेक

इस मौके पर विश्व चैम्पियन अंडर-19 महिला टीम को पांच करोड़ रुपये का चेक सौंपा गया जिसकी घोषणा बोर्ड सचिव ने पहले की थी। इस मौके पर टीम की सभी खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ वहां थे।

बीसीसीआई को सराहा

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक जड़ने वाले इस पूर्व दिग्गज ने कहा, 'महिला प्रीमियर लीग की शुरुआत सबसे बड़ी चीज होने जा रही है। मैं पुरुषों और महिलाओं के लिए समानता में विश्वास करता हूं। खेलों में ही नहीं बल्कि हर जगह दोनों के पास समान अवसर होना चाहिये।' तेंदुलकर ने कहा कि बीसीसीआई देश में महिला क्रिकेट के विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा है।

'बेरहम-बेदर्द' शुभमन गिल...

- फर्ग्युसन और इस बॉलर का करियर एक झटके में किया तबाह

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय धाकड़ ओपनर शभुन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 में लॉकी फर्ग्यूसन और ब्लेयर टिकनर की बड़ी बेरहमी से पिटाई की। दोनों ही सूरमा गेंदबाजों ने 50 रन से अधिक खर्च किए। गिल ने दोनों को जमकर चौके-छक्के उड़ाए।

युवा विस्फोटक ओपनर शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बल्ले से कोहराम मचा दिया। उन्होंने न केवल सेंचुरी जड़ी, बल्कि न्यूजीलैंड के तूफान कहे जाने वाले लॉकी फर्ग्यूसन और ब्लेयर टिकनर की बेरहमी से पिटाई की। इन दोनों ने 13 से अधिक की इकॉनमी से रन खर्च किए। शायद ही वह इस दिन को भूलें। जब भी उनकी बॉलिंग की बात होगी तो इस मैच की चर्चा जरूर होगी।

लॉकी फर्ग्यूसन और ब्लेयर टिकनर 50 से अधिक रन खर्च किए- लॉकी फर्ग्यूसन को 4 ओवर में 54 रन पड़े, जबकि एक भी विकेट नहीं हासिल कर सके। दूसरी ओर, टिकनर ने सिर्फ 3 ओवरों में ही 50 रन खर्च कर डाले। इन दोनों के अलावा बेन लिस्टर ने भी 4 ओवरों में 42 रन लुटाए।

जिस मैदान पर हुई इन दोनों की पिटाई, भारतीयों ने मचा दिया कोहराम- जिस मैदान पर न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई उसी मैदान पर हार्दिक पंड्या ने 4 ओवरों में 16 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि अर्शदीप ने 3 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उमरान मलिक ने 2.1 ओवरों में 9 रन देकर 2 विकेट झटके तो शिवम मावी ने 2 ओवरों में 12 रन देकर 2 विकेट चटकाए।

- **तीनों फॉर्मेट में सेंचुरी जड़ने वाले पांचवें भारतीय-** अपनी पारी के दौरान शुभमान गिल ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। इनमें से एक रही खेल के तीनों फॉर्मेट्स में इंटरनेशनल सेंचुरी बनाने की। ऐसा करने वाले वह पांचवें भारतीय क्रिकेटर बने। उनसे पहले यह उपलब्धि सुरेश रैना, रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल ऐसा कर चुके हैं।
- **टी-20 में शतक जड़ने वाले सबसे युवा बल्लेबाज हैं गिल-** 23 साल 146 दिन की उम्र में शुभमान गिल ने टी20 इंटरनेशनल सेंचुरी बनाई। ऐसा करने वाले वह सबसे युवा भारतीय बन गए हैं। यह रेकॉर्ड सुरेश रैना के नाम था जिन्होंने साल 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 23 साल 156 दिन की उम्र में सेंचुरी बनाई थी

भारत की ओर से सबसे बड़ी पारी

126* रन बनाए शुभमान गिल ने और यह भारत की ओर टी20 इंटरनेशनल में किसी बल्लेबाज की सबसे बड़ी पारी है। इससे पहले विराट कोहली के नाम 122* रन का भारतीय रेकॉर्ड था जिसे उन्होंने पिछले साल अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में बनाया था

सीरीज जीतने के बाद कप्तान पांड्या ने पृथ्वी शॉ को थमाई ट्रॉफी, वीडियो वायरल

भारत ने टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की

अहमदाबाद (एजेंसी)। बुधवार को भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 168 रनों से जीत लिया। इसी के साथ भारत ने टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुभमन गिल की 63 गेंदों में नाबाद 126 रनों की पारी की बदौलत न्यूजीलैंड को 235 रनों का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की पूरी टीम 66 रनों पर सिमट गई। वहीं, सीरीज के आखिरी टी20 मैच में प्रशंसकों को उम्मीद थी कि भारतीय टीम युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को खेलने का मौका दे सकती है, लेकिन आखिरी मैच में भी वह बैंच पर बैठे हुए नजर आए। टीम मैनेजमेंट के इस फैसले पर फैंस ने सोशल मीडिया के जरिए खूब सवाल उठाए, लेकिन मैच के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या की एक हरकत ने पृथ्वी शॉ के चाहने वालों का दिल जीत लिया।

कप्तान पांड्या को जब सीरीज जीतने के लिए ट्रॉफी दी गई तो कप्तान ने यह ट्रॉफी सीधे जाकर पृथ्वी शॉ को थमा दी। कप्तान पांड्या के इस वर्ताव ने सभी का दिल जीत लिया। कप्तान पांड्या का पृथ्वी शॉ को ट्रॉफी थमाने का वीडियों इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मैच की बात करें तो भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 234 रन बनाए। भारत की ओर से गिल के अलावा राहुल त्रिपाठी ने 22 गेंदों में 44 रनों की पारी खेली। वहीं, सूर्यकुमार यादव ने 14 गेंदों में 23, जबकि कप्तान हार्दिक पांड्या ने 17 गेंदों में 30 रनों की पारी खेली।

न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 13वें ओवर में ही 66 रनों पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से डैरिल मिशेल(35) के अलावा कोई भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाया। भारत की ओर से गेंदबाजी में कप्तान हार्दिक पांड्या ने 4 विकेट चटकाए, जबकि अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक और शिवम मावी तीनों गेंदबाजों ने 2-2 विकेट चटकाए।

मर्डेका कप कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के नायक परिमल डे का निधन

कोलकाता (एजेंसी)। भारत के पूर्व मिडफील्डर और 1966 मर्डेका कप में देश की कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य परिमल डे का

उम्र संबंधित लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। परिवार के एक सूत्र ने कहा- वह पिछले कुछ समय से उम्र संबंधित परेशानियों से जूझ रहे थे और बुधवार को अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। डे ने कुआलालंपुर में 1966 मर्डेका कप में एक गोल कर देश को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। यह भारत के लिये उनका एकमात्र गोल था। उन्होंने भारत के लिये पांच मैच खेले। क्लब स्तर पर डे ईस्ट बंगाल के पसंदीदा रहे और 1970 आईएफए शील्ड में ईरान के पीएएस क्लब के खिलाफ स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर विजयी गोल दागकर स्टार रहे थे।

'भविष्य यहां खड़ा है', कोहली ने शुभमन गिल की तारीफ में साझा की विशेष पोस्ट

अहमदाबाद (एजेंसी)। बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे और आखिरी मैच को 168 रनों से जीत लिया और इसी के साथ भारत ने टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम भी कर ली। वहीं, तीसरे टी20 में भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का बल्ला खूब गरजा। उन्होंने 63 गेंदों में 12 चौके और 7 छक्कों की बदौलत नाबाद 126 रनों की तूफानी पारी खेली।

शुभमन गिल का यह टी20 अंतर्राष्ट्रीय करियर का पहला शतक था और अपने इस शतक के साथ गिल अब सुरेश रैना, रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल के बाद पांचवे ऐसे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने सभी फॉर्मेट में शतक लगाया है। इसी के साथ गिल ने टी20 फॉर्मेट में भारत की ओर से सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर दर्ज करने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। टी20 में भारत की ओर से सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर विराट कोहली (122*) के नाम पर दर्ज था। हालांकि, अब गिल ने नाबाद 126 रनों की पारी खेल कोहली को पछाड़ दिया है।

वहीं, मैच में शुभमन गिल की इस दस्तक के बाद विराट कोहली भी खुद को इस युवा बल्लेबाज की प्रशंसा किए बिना नहीं रोक पाए। विराट ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शुभमन गिल की तस्वीर साझा करते हुए गिल को सितारा (स्टार) कहा और उन्होंने साथ में गिल के तारीफ में लिखा, भविष्य यहां है। मैच की बात करें तो भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 234 रन बनाए। भारत की ओर से गिल के अलावा राहुल त्रिपाठी ने 22 गेंदों में 44 रनों की पारी खेली। वहीं, सूर्यकुमार यादव ने 14 गेंदों में 23, जबकि कप्तान हार्दिक पांड्या ने 17 गेंदों में 30 रनों की पारी खेली।

जब मैं भारत में खेलता हूं तो ऐसा लगता है कि अपने देश में खेल रहा हूं : पूर्व पाक क्रिकेटर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज 2013 में खेली गई थी, लेकिन इसके बाद से दोनों देश के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सीरीज को लेकर कोई विचार भी नहीं किया जाता है। फैंस को अब इन देशों की बीच टक्कर या तो आईसीसी टूर्नामेंट्स में देखने को मिलती है या फिर एशिया कप में। हालांकि, जब भी भारत और पाकिस्तान की टक्कर होती है तो दोनों देशों के प्रशंसकों के बीच एक अलग उत्साह देखा जाता है और मैदान में दोनों टीमों के बीच हमेशा एक जबरदस्त टक्कर होती है।

हालांकि, दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है, लेकिन भारत और पाक की टक्कर के दौरान दोनों देशों के प्रशंसक अच्छे खेल के लिए एक दूसरे की सराहना करते हुए देखे जाते हैं और प्रशंसक एक अच्छी टक्कर का लुत्फ उठाते हैं। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर उमर अकमल ने अब भारत और पाक की टक्कर का अनुभव साझा किया है और उन्होंने कहा है कि उन्हें भारतीय फैंस से बहुत प्यार मिलता है और जब वह भारत में खेलते हैं तो उन्हें लगता है कि वह अपने देश में ही खेल रहे हैं।

अकमल ने कहा,मुझे भारत में खेलना बहुत अच्छा लगता है। एशिया में विशेष रूप से मुझे खेलना बहुत अच्छा लगता है। अभी तक मैं पाकिस्तान में होम सीरीज में लंबा नहीं खेला, मैं सिर्फ दो टी20 मैच खेला हूं , उसमें भी अनलकी रहा था। पहली गेंद पर बाहर होता रहा।

अकमल ने आगे कहा,भारत में मैं जब खेलता हूं, ऐसा लगता है जैसे अपनी देश में खेल रहा हूं। भीड़ दोनो टीमों को बहुत ज्यादा सम्मान देती है। ये नहीं है कि वे सिर्फ भारतीय टीम को सम्मान देते हैं, वो वहां जो भी टीम आए उसे बहुत सम्मान देते हैं। विशेष रूप से पाकिस्तानी खिलाड़ियों को भारत में बहुत ज्यादा इज्जत मिलती है और हमें वहां पर खेलने में मजा आता है । प्रशंसक दोनों टीमों का सम्मान करते हैं और भारतीय प्रशंसक पाकिस्तानी खिलाड़ियों को चीयर भी करते हैं।

रवींद्र जडेजा को एनसीए से मंजूरी मिली, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में खेलना तय

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ फरवरी से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। क्रिकेट समाचार वेबसाइट क्रिकबज़ की गुरुवार की एक रिपोर्ट अनुसार राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने बुधवार को जडेजा की फिटनेस रिपोर्ट जारी की, जिसमें उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी गयी है। जडेजा अब नागपुर का रुख करेंगे, जहां भारतीय टीम पहला टेस्ट शुरू होने से पूर्व चार-दिवसीय कैंप में अभ्यास करेगी। गौरतलब है कि जडेजा ने भारत के लिये आखिरी मैच अगस्त 2022 में एशिया कप में खेला था। सौराष्ट्र के 34 वर्षीय हरफनमौला को वहां लगी घुटने की चोट की सर्जरी करवानी पड़ी, जिसके कारण वह पांच माह तक क्रिकेट से दूर रहे। जडेजा ने 24-27 जनवरी को खेले गये रणजी मुकाबले में सौराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हुए क्रिकेट पिच पर वापसी की। जडेजा ने इस मैच में 41.4 ओवर फेंके और दूसरी पारी में सात विकेट भी झटके, जिसके बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की मंजूरी दे दी गयी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला नौ फरवरी से नागपुर में खेला जायेगा, जबकि अन्य तीन मैच क्रमशः दिल्ली, धर्मशाला और अहमदाबाद में खेले जायेंगे।

रूस के नेपोमनिशी और चीन के डिंग के बीच होगी विश्व शतरंज चैंपियनशिप

अस्ताना ,कज़ाकिस्तान (एजेंसी)। वर्ष 2023 में फीडे विश्व शतरंज चैम्पियनशिप इस खेल की सबसे महत्वपूर्ण घटना होगी जो की यह तय करेगी कि अगला विश्व चैंपियन कौन होगा। मौजूदा और 5 बार के विश्व क्लासिकल शतरंज चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन के अगली विश्व चैंपियनशिप से हटने के बाद 2022 फीडे कैंडिडैट के विजेता रूस के यान नेपोमनिशी और उपविजेता चीन के डिंग लीरेन के बीच अब अगली विश्व शतरंज चैंपियनशिप अस्ताना में 7 अप्रैल से 1 मई 2023 के दौरान खेली जाएगी।

वर्तमान में डिंग विश्व रैंकिंग में दूसरे तो नेपोमनिशी तीसरे स्थान पर काबिज है । विश्व चैंपियनशिप में कुल 14 क्लासिकल मैच खेले जाएँगे और प्रतियोगिता में करीब 16.5 करोड़ रुपेय की पुरुष्कार राशि विजेता और उपविजेता में 60 प्रतिशत और 40 प्रतिशत के हिसाब से दी जाएगी ।

मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें 2013 , चेन्नई में भारत के विश्वनाथन आनंद को हराकर पहला विश्व खिताब जीता था और तब से यह खिताब उनके पास रहा है और अब दुनिया को अगला विश्व चैम्पियन मिलना तय हो गया है ।

रवि बिश्नोई भविष्य में इस महान लेग स्पिनर की तरह बनने की क्षमता रखता है : सुरेश रैना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई में भविष्य में अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान की तरह बनने की क्षमता है। बिश्नोई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपरजाइंट्स के साथ हैं।

उन्होंने लीजेंड्स लाउंज के एक नए एपिसोड में कहा, अगर आप सभी बड़े गेंदबाजों को देखें जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपनी धारियां अर्जित की हैं, तो मुझे लगता है कि बिश्नोई अपने चरित्र और गेंद को फेंकने के तरीके के साथ राशिद खान की तरह बन जाएंगे।

भारत के पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर प्रज्ञान ओझा को लगता है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल 2022 में ब्रेकआउट किया था, एक विशेष प्रतिभा हैं। उन्होंने कहा, वह हैदराबाद से है। मैंने बचपन से ही उसका विकास देखा है। मैं अंडर-15 और अंडर-16 क्रिकेट में उसके बारे में बात कर रहा हूं और वह कितनी मेहनत करता है। उसके कार्यक्रम में सुबह 6 बजे मैदान में जाना और शाम 6 बजे घर आना शामिल है। वह केवल 30-45 मिनट का लंच ब्रेक लेते हैं। वह पूरी तरह से समर्पित हैं।

भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आर.पी. सिंह ने बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को संभावित अगली पीढ़ी के बल्लेबाज के रूप में चुना, जो आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं। उन्होंने कहा, यदि आप घरेलू सर्किट में उसकी बल्लेबाजी को देखते हैं तो आप कह सकते हैं कि उसके बारे में कुछ अलग है। उसकी खेल-पढ़ने की समझ, उसकी बल्लेबाजी तकनीक, या मैच को समाप्त करने के बारे में उसकी समझ। उसके बारे में अच्छी बात यह है यहां तक कि अगर वह 50 भी बना लेता है, तो वह आगे अपने 100 की ओर देख रहा है।

भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल अपनी पसंद के बल्लेबाज के लिए वर्मा का नाम लेना चाहते थे क्योंकि उन्होंने उन्हें मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में खिलते हुए देखा था, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और गुजरात टाइटन्स के गेंदबाज यश दयाल के साथ जाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, जिस तरह से (शॉ) घरेलू मैचों में बल्लेबाजी कर रहा है, हम देख सकते हैं कि वह अच्छा खेलता है। उनकी फिटनेस के बारे में सवाल उठाए गए हैं और अगर वह इन सभी संदेहों पर काबू पा लेते हैं, तो मुझे लगता है कि उनके आगे उनका एक अविश्वसनीय भविष्य है। गेंदबाज के लिए मेरी पसंद यश दयाल हैं। अच्छा गेंदबाज, अगर पिछले साल कोई असाधारण गेंदबाज था, तो मुझे लगता है कि हर कोई देख सकता था कि यह यश दयाल था।

संक्षिप्त खबरें

इजरायल ने हमास के हथियार निर्माण स्थल पर किया हमला: आईडीएफ

इजरायल ने गुरुवार को गाजा पट्टी की ओर से दागे गए रॉकेट के जवाब में हमास के हथियार निर्माण स्थल पर हमला किया। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने यह जानकारी दी। इससे पहले इजरायली सेना ने गुरुवार रात को गाजा में हमले की पुष्टि की थी। आईडीएफ ने ट्विटर पर कहा कि आज गाजा की ओर से इजरायल में रॉकेट दागे जाने के जवाब में आईडीएफ के लड़ाकू विमानों ने हमास आतंकवादी संगठन से संबंधित एक हथियार निर्माण स्थल के साथ-साथ कच्चे रासायनिक सामग्री के एक उत्पादन स्थल पर हमला किया। आईडीएफ ने गाजा से होने वाली सभी आतंकवादी गतिविधियों के लिए हमास को जिम्मेदार बताया है।

चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य में भेजे 23 सैन्य विमान, चार जहाज

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि सशस्त्र बलों ने पिछले 24 घंटों में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 23 सैन्य विमानों और चार जहाजों को द्वीप की ओर आते हुए देखा है। मंत्रालय ने ट्विटर पर कहा, ह्लताइवान के आसपास आज सुबह करीब छह बजे 23 पीएलए विमान और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के चार जहाजों के होने का पता चला। मंत्रालय ने कहा कि दो जे-11 लड़ाकू विमानों, आठ जे-16, तीन एसयू-30 और एक बीजेडके-005 ड्रोन सहित 17 चीनी विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया है। ताइवान ने स्थिति पर नजर रखने के लिए हवाई और समुद्री गश्ती दल भेजे है तथा जमीनी मिसाइल प्रणाली तैनात की। गौरतलब है कि ताइवान ने 1949 से स्वयं को चीन से स्वतंत्र घोषित कर रखा है। चीन, ताइवान को अपने प्रांत के रूप में देखता है, जबकि ताइवान का कहना है कि वह एक स्वायत्त देश है। चीन, ताइवान के साथ किसी अन्य देश के किसी भी आधिकारिक संपर्क का विरोध करता है और द्वीप पर चीनी संप्रभुता को निर्विवाद मानता है।

यूक्रेन की सेना ने दोनेत्स्क शहर पर गोले दागे

यूक्रेन की सेना ने दोनेत्स्क शहर पर 155 मिलीमीटर के दस गोले दागे हैं। दोनेत्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर) के प्रतिनिधि कार्यालय ने यूक्रेन के युद्ध अपराधों से संबंधित मुद्दों के नियंत्रण और समन्वय (जेसीसीसी) के संयुक्त केंद्र के एक बयान में यह जानकारी दी। कार्यालय ने टेलीग्राम पर कहा कि यूक्रेन की सशस्त्र इकाइयों द्वारा दोनेत्स्क शहर के कीवस्की एवं कुइबेशेव्स्की में 00:11 बजे चार गोले तथा 00:17 बजे किरोवस्की जिला में 155 मिमी के छह गोले दागे गए। यूक्रेन के सैनिक अमेरिका द्वारा कीव को आपूर्ति किए गए लंबी दूरी के एम 777 155-एमएम हॉवित्जर गोलों का उपयोग दोनेत्स्क और लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक के शहरों पर गोलाबारी करने के लिए कर रहे हैं।

इजरायल रक्षा बलों ने गाजा पट्टी पर हमले की पुष्टि की

इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने गाजा पट्टी पर हमले की पुष्टि की है। आईडीएफ ने ट्विटर पर कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट, आईडीएफ वर्तमान में गाजा में हमला कर रहा है। इससे पहले फिलिस्तीन की ओर से दागे गए एक रॉकेट के जवाब में गुरुवार को इजरायल ने गाजा पर हवाई हमले किए। इजरायल सेना ने बुधवार को कहा कि गाजा की ओर से दागे गए एक रॉकेट को आईडीएफ की हवाई सुरक्षा एरे ने रोक दिया था।

अमेरिका ने तालिबान पर लगाये नये वीजा प्रतिबंध

अमेरिका ने अफगानिस्तान में शासन कर रहे तालिबान के महिलाओं के विश्वविद्यालय जाने और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने पर प्रतिबंध लगाने के कारण संगठन के सदस्यों पर नए वीजा प्रतिबंध लगाये हैं। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने गुरुवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, मैं अफगानिस्तान में महिलाओं और किशोरियों के दमन के लिए जिम्मेदार तालिबान के वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों, गैर-सरकारी सुरक्षा समूहों के सदस्यों और अन्य व्यक्तियों को नये वीजा जारी किये जाने पर प्रतिबंध लगाने के लिए आज कार्रवाई कर रहा हूं।ह्व श्री ब्लिंकेन ने कहा कि तालिबान ने अपने देश की महिलाओं पर विश्वविद्यालय जाने और गैर-सरकारी संगठनों के साथ काम करने पर रोक लगा दी है। उनके इस हिंसात्मक रवैये को देखते हुए, उन्हें नए वीजा देने पर रोक लगाने पर लगा दी गयी है। उन्होंने कहा कि वीजा प्रतिबंध से प्रभावित व्यक्तियों के परिवार के सदस्य भी वीजा नीति के तहत आ सकते हैं।

अमेरिका: भारतीय-अमेरिकी सांसदों को शीर्ष पदों पर किया गया नियुक्त

शीर्ष पद

- टिकटॉक (एप) को एक हथियार बनाने और सैकड़ों अमेरिकी डॉलर की बौद्धिक संपत्ति की चोरी से स्पष्ट है।
- देश और विदेश दोनों में बढ़ते खतरों के बीच मुझे अमेरिकी परिवारों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय-अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति को चीन पर नवगठित हाउस कमेटी का रैंकिंग सदस्य बनाया गया है, जो चीन की उन कार्रवाइयों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गौर करेगी जिससे अमेरिका और दुनिया को खतरा हो सकता है। वहीं भारतीय-अमेरिकी सांसद डॉ. एमी बेरा को खुफिया मामलों से जुड़ी एक शक्तिशाली यूएस हाउस कमेटी (संसदीय समिति) का सदस्य नियुक्त किया गया है।

द हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमेटी ऑन इंटेलिजेंस पर केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए), नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर (डीएनआई) के कार्यालय, नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी (एनएसए) के साथ-साथ सेना के खुफिया कार्यक्रमों सहित देश की खुफिया गतिविधियों की निगरानी करने का प्रभार है।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अल्पसंख्यक मामलों के नेता हकीम जेफरीज ने बुधवार को अमेरिका और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा पर सदन की चयन समिति के रैंकिंग सदस्य के रूप में कृष्णमूर्ति की नियुक्ति की घोषणा की।

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना को भी इस नई समिति का सदस्य बनाया गया है।

इसका गठन प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी द्वारा 118वीं कांग्रेस (संसद) में अमेरिका की चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ आर्थिक, तकनीकी व सुरक्षा संबंधी प्रतिस्पर्धा से निपटने, उसकी जांच करने व नीति विकसित करने के उद्देश्य से किया है। कृष्णमूर्ति (49) ने कहा, अमेरिका और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा पर सदन की चयन समिति में रैंकिंग सदस्य के रूप में मुझे नियुक्त करने के लिए मैं नेता जेफरीज का आभारी हूं। उन्होंने कहा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी, अमेरिका और दुनिया भर में लोकतंत्र व समृद्धि के लिए गंभीर आर्थिक व सुरक्षा संबंधी खतरे उत्पन्न करती है, जो ताइवान के लोकतंत्र के खिलाफ उसके खतरों, टिकटॉक (एप) को एक हथियार बनाने और सैकड़ों अमेरिकी डॉलर की बौद्धिक संपत्ति की चोरी से स्पष्ट है।

वहीं बेरा (57) ने कहा, मैं हकीम जेफरीज द्वारा हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के लिए मुझे नियुक्त करने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जो अमेरिका की सुरक्षा व राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, देश और विदेश दोनों में बढ़ते खतरों के बीच मुझे अमेरिकी परिवारों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है और मैं इस नई भूमिका को गंभीरता से लेता हूं।

निक्की हेली ने 15 फरवरी को विशेष घोषणा के लिये निमंत्रण भेजे

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रमुख भारतीय-अमेरिकी राजनीतिज्ञ निक्की हेली ने अपने समर्थकों और शुभचिंतकों को 15 फरवरी को एक विशेष घोषणा में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा है। उम्मीद है कि इस दौरान वह 2024 में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिये अपनी दावेदारी की घोषणा करेंगी। हेली (51) दो बार दक्षिण कैरोलीना की गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत रह चुकी हैं। उन्होंने बुधवार को भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा है, मैं आपको 15 फरवरी, 2023 को चार्ल्सटन में एक विशेष घोषणा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना चाहती हूं। उन्होंने कहा, ह्लयदि आप इस निमंत्रण को तुरंत स्वीकार कर लेते हैं तो यह बहुत मायने रखता है। यह भविष्य के लिए मेरी योजनाओं के बारे में सुनने का एक अच्छा अवसर होगा, और मैं नहीं चाहती कि आप इसे जाने दें! अगर वह राष्ट्रपति पद के लिये दावेदारी करती हैं।

भारत, अमेरिका में शोध परियोजनाओं के चयन व वित्त पोषण प्रक्रिया को सुगम बनाने पर समझौता : एनएसएफ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जो दोनों देशों के वैज्ञानिकों और अभियंताओं के बीच अनुसंधान परियोजनाओं के चयन और वित्त पोषण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। विज्ञान और इंजीनियरिंग के सभी गैर-चिकित्सा क्षेत्रों में मौलिक अनुसंधान और शिक्षा का समर्थन करने वाली अमेरिका की एक स्वतंत्र एजेंसी नेशनल साइंस फाउंडेशन (एनएसएफ) ने बुधवार को कहा कि इस व्यवस्था के तहत व्यापक अवसर हैं तथा कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, भूविज्ञान, गणित व भौतिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, उभरती प्रौद्योगिकियों में सामरिक प्राथमिकताओं और शोधकर्ता हितों को आसानी से समायोजित किया जा सकता है। एनएसएफ के निदेशक सेतुरामन पंचनाथन ने कहा, इन अवसरों के निर्माण के माध्यम से, हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी समुदायों तथा दुनिया को यह दिखा रहे हैं कि हमारी सरकारें बाधाओं को तोड़ने व सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए गंभीर हैं। भारतीय-अमेरिकी एनएसएफ निदेशक ने कहा कि व्यवस्था के कार्यान्वयन से अमेरिका और भारत के बीच मजबूत वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संबंधों को लाभ होगा।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) डायलॉग पर अमेरिका-भारत पहल के हिस्से के रूप में व्हाइट हाउस में मंगलवार को आयोजित हस्ताक्षर समारोह में एनएसएफ अधिकारियों के साथ शामिल हुए। संधु ने कहा, नई कार्यान्वयन व्यवस्था पर हस्ताक्षर करना एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमारी वैज्ञानिक एजेंसियों और संस्थानों को करीब लाएगा और सामरिक व तकनीकी क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान के लिए नए विकल्प खोलेगा जो हमारे लोगों की समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

ऑस्ट्रेलिया में पांच डॉलर के नोट पर नहीं दिखेगा महाराजा चार्ल्स तृतीय का चेहरा

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया अपने नोट पर से ब्रिटिश राजतंत्र के प्रतीक को हटाने जा रहा है। देश के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि पांच डॉलर के नए नोट पर ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय की तस्वीर के बजाए देश को प्रतिबिम्बित करने वाला कोई ह्लडिजाइनह्व होगा। हालांकि, महाराजा चार्ल्स तृतीय की तस्वीर सिक्कों पर नजर आते रहने की संभावना है।

ऑस्ट्रेलिया में केवल पांच डॉलर के नोट पर ही ब्रिटिश राजतंत्र की छाप नजर आती है। बैंक ने कहा कि सरकार के साथ विचार-विमर्श करने के बाद यह फैसला किया गया और सरकार ने इस बदलाव का समर्थन किया है। वहीं विपक्षी दलों ने इस कदम को राजनीति से प्रेरित बताया है। ब्रिटिश

महाराजा को अब भी ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्राध्यक्ष माना जाता है हालांकि अब उनकी भूमिका काफी हद तक प्रतीकात्मक रह गई है। ऑस्ट्रेलिया के रिजर्व बैंक ने कहा कि पांच डॉलर के नए नोट पर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के चित्र की जगह एक अलग डिजाइन होगा। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का पिछले साल निधन हो गया था। बैंक ने कहा कि यह कदम मूल ऑस्ट्रेलियाई लोगों की संस्कृति व इतिहास के प्रति सम्मान को प्रदर्शित करेगा। बैंक ने एक बयान में कहा, ह्लह्यपांच डॉलर के नोट के दूसरी ओर पहले की तरह ऑस्ट्रेलियाई संसद की तस्वीर होगी। कोषाध्यक्ष जिम चाल्मर्स ने कहा कि यह परिवर्तन एक अच्छा संतुलन बनाने का अवसर है। मेलबर्न में उन्होंने पत्रकारों से कहा, ह्लह्यसिक्कों पर राजतंत्र की छाप कायम रहेगी, लेकिन पांच डॉलर का नोट हमारे इतिहास, हमारी संस्कृति और हमारे देश को प्रतिबिम्बित करेगा। मुझे यह एक बेहतरीन कदम लगता है।

विपक्ष के नेता पीटर डट्टन ने इस कदम की तुलना ह्लऑस्ट्रेलिया दिवसह्व (राष्ट्रीय दिवस) की तारीख बदलने से की। उन्होंने ह्ल2जीबी रेडियोह्व से कहा कि बड़ी संख्या में जो लोग अभी चुप हैं, वे इससे सहमत नहीं है और ऐसे लोग ऑनलाइन अपने विचार व्यक्त करते दिखाई देंगे। डट्टन ने कहा कि यह फैसला मुख्य तौर पर प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस का है और उन्हें इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इस साल के अंत में सिक्कों पर महाराजा चार्ल्स तृतीय की तस्वीर देखने को मिल सकती है। अमेरिकी मुद्रा में एक ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का मूल्य कीमत करीब 71 सेंट है।

चीन को अधिकार हनन, भारत व ताइवान के प्रति आक्रामकता के लिए जवाबदेह ठहराया जाए : अमेरिकी सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी

कई प्रभावशाली रिपब्लिकन सांसदों ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से आग्रह किया है कि चीन को हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ ही भारत व ताइवान के खिलाफ अस्वीकार्य व भड़काऊ व्यवहार के लिये जवाबदेह ठहराया जाए। अमेरिकी सांसदों ने विदेश मंत्री और वित्त मंत्री जेनेट येलेन को उनके बीजिंग दौरे से पहले लिखे एक पत्र में उनसे चीन को घोर मानवाधिकार उल्लंघन, अनुचित व्यापार प्रथाओं तथा अमेरिका और उसके सहयोगियों के प्रति आक्रामकता के लिए भी जिम्मेदार ठहराने की मांग की।

ब्लिंकन रविवार को चीन रवाना होंगे जबकि येलेन के इसी महीने बाद में वहां का दौरा करने की उम्मीद है। फ्लोरिडा से रिपब्लिकन सांसद मार्को रुबियो ने बुधवार को लिखे पत्र में कहा,

- महासचिव शी ने ताइवान जलडमरूमध्य और भारत के साथ हिमालय की सीमा पर अस्वीकार्य है।

सीसीपी (चीन की कम्युनिस्ट पार्टी) ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र और उसके इतर भी अपनी आक्रामकता बढ़ा दी है। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि वे सत्तारूढ़ सीसीपी को प्रचार हथकंडों में बढ़त हासिल करने देने से बचें और सीसीपी को उसके घोर मानवाधिकारों के हनन, अनुचित व्यापार प्रथाओं, फेंटेनाइल (एक दर्दनिवारक दवा) संकट में अग्रणी भूमिका और हिंद-प्रशांत में सहयोगियों और भागीदारों के प्रति आक्रामकता के लिए जवाबदेह ठहराएं। रुबियो के अलावा इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में सीनेटर चुक ग्रैस्ली, बिल कास्सिडी, एरिक शिमट, डेन सुलिवन, केविन कार्मर, टेड बड, रिक स्कॉट, मार्शा ब्लैकबर्न, लिंडसे ग्राहम, शैली मूर कैपिटो, पीट रिकेट्स, जॉन होवन और बिल हेगर्जी शामिल हैं। बाइडन प्रशासन की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के अनुसार, चीन अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को फिर से आकार देने के इरादे से एकमात्र प्रतियोगी है और ऐसा करने के लिए आर्थिक, कूटनीतिक, सैन्य और तकनीकी शक्ति तेजी से बढ़ा रहा है।

पत्र में कहा गया, जैसा कि हमने हाल ही में देखा है, महासचिव शी ने ताइवान जलडमरूमध्य और भारत के साथ हिमालय की सीमा पर अस्वीकार्य और उत्तेजक व्यवहार किया है। पत्र में सीनेटरों ने कहा कि सीसीपी मानवाधिकारों का घोर उल्लंघनकर्ता है।

फ्रांस ने यमन भेजी जा रहीं ईरान के असॉल्ट राइफलें

नई दिल्ली, एजेंसी

फ्रांस के नौसैनिकों ने ओमान की खाड़ी में एक अज्ञात जहाज से पिछले महीने हजारों की संख्या में असॉल्ट राइफलें, मशीनगन एवं टैंक निरोधक मिसाइलें जब्त की हैं। इन हथियारों को कथित तौर पर ईरान से यमन के हूथी विद्रोहियों के लिये भेजा जा रहा था। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। हथियार जब्ती की यह कार्रवाई ओमान की खाड़ी में 15 जनवरी को हुयी, जो होरमुज जलडमरूमध्य से संबद्ध एक जल निकाय है। यह फारस की खाड़ी का संकरा मुहाना है, जो अरब सागर से होते हुए हिंद महासागर तक जाता है। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने इस जब्ती को ईरान से यमन तक हथियारों की तस्करी करार दिया है। एक अज्ञात जहाज पर लदे इन हथियारों की तस्वीर अमेरिकी केंद्रीय कमान ने बुधवार को जारी की। तस्वीरों से पता चलता है कि इन हथियारों में चीन निर्मित टाइप 56 राइफलें, रूस निर्मित मोलोट एकेएस20यू और पीकेएम-पैटर्न मशीन गन शामिल हैं। केंद्रीय कमान ने कहा है कि जब्त किये गये

हथियारों में तीन हजार से अधिक राइफल और 578,000 कारतूस शामिल हैं। हथियारों की जारी की गयी तस्वीरों से पता चलता है कि इसमें 23 टैंक निरोधक मिसाइल भी हैं जो कंटेनर से संचालित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव में ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों को हथियारों की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। हूथी विद्रोहियों ने 2014 के आखिर में देश की राजधानी पर कब्जा कर लिया था, और मार्च 2015 से देश की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करने वाले सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ संघर्षरत हैं। ईरान ने हालांकि, फ्रांस द्वारा जब्त किये गये हथियारों के बारे में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने पकड़े गये हथियारों की तस्वीरें जारी कीं। तस्वीरों में ये हथियार अमेरिकी सेना द्वारा पकड़े गए ईरान के अन्य हथियारों के समान ही नजर आ रहे हैं। फ्रांस की ओर से हथियार पकड़े जाने की यह घोषणा ऐसे समय में की गयी है जब ईरान यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस के लिए ड्रोन की अपनी खेप तथा वहां जारी सैन्य कार्रवाई को लेकर पश्चिमी दबाव का सामना कर रहा है। ईरान के शहर इस्फहान में एक सैन्य कार्यशाला पर एक संदिग्ध इजराइली ड्रोन के हमले के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है।

एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोन सौदे को जल्द अमली जामा पहनाना चाहते हैं भारत और अमेरिका

- राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान इस मुद्दे पर भी चर्चा की।
- एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोन से न केवल हिंद महासागर में, राष्ट्रीय सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका तीन अरब डॉलर से अधिक की लागत वाले 30 ह्लएमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोनह्व के सौदे को जल्द से जल्द पूरा करना चाहते हैं। भारत को इससे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और हिंद महासागर के आसपास अपने समग्र निगरानी तंत्र को मजबूत करने में मदद मिलेगी। मामले से अवगत अधिकारियों ने विस्तृत ब्यौरा दिए बिना बुधवार को बताया कि पांच साल तक इस पर काम करने के बाद अब भारत की ओर से फैसला किया

जाना है। एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोन को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा तथा रक्षा जरूरतों के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। 30 ड्रोन में से तीनों सेनाओं को 10-10 ड्रोन दिए जाएंगे। राजनीतिक सैन्य मामलों की सहायक विदेश मंत्री जेसिका लेविस ने इस सौदे में हो रहे विलंब पर किए गए एक सवाल पर कहा, मुझे इस बारे में जानकारी हासिल करनी होगी।

इस सौदे की घोषणा 2017 की गर्मियों में की गई थी। ऐसा माना जा रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान इस मुद्दे पर भी चर्चा की। डोभाल ने अपने अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सहित कई शीर्ष अधिकारियों से यहां मुलाकात की है। ऐसा माना जा रहा है कि बैठकों में दोनों पक्ष इस बात पर सहमत दिखे कि सौदे को जल्द अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। भारत इसे इसलिए भी जल्द हासिल करना चाहता है क्योंकि एमक्यू 9बी प्रीडेटर आर्म्ड ड्रोनह्व से उसे न केवल हिंद महासागर में, बल्कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भी राष्ट्रीय सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने में मदद मिलेगी। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन जल्द से जल्द इस सौदे को अमली जामा पहनाना चाहता है, क्योंकि इससे अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राजनीतिक रूप से भी यह सौदा फायदेमंद होगा। जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विवेक लाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, एमक्यू-9बी भारतीय सेना को इस श्रेणी में किसी भी अन्य विमान की तुलना में कहीं अधिक दूर तक उड़ान भरने, हवा में अधिक समय रहने और अभियान को अधिकर कारगर बनाने में सक्षम बनाएगा। स्काईगार्डियन और सीगार्डियन वस्तुतः किसी भी स्थिति में, दिन हो या रात, फुल-मोशन वीडियो प्रदान कर सकते हैं, साथ ही अपने ऑनबोर्ड सिस्टम के साथ अन्य जानकारी भी मुहैया कराते हैं। लाल ने कहा, एमक्यू-9बी आज दुनिया में बहु-भूमिका निभाने व काफी दूर से संचालित किया जा सकने वाला विमान है। इसकी मांग अधिक है। जापान, बेलज़ियम, ब्रिटेन और कई अन्य देश इसका इस्तेमाल कर रहे हैं या इसकी तैयारी कर रहे हैं।

आईसीईटी अमेरिका, भारत के लिए लोकतांत्रिक प्रौद्योगिकी पारितंत्र बनाने में अहम

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का मानना है कि क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज (आईसीईटी) पर भारत-अमेरिका की पहल दोनों देशों के वास्ते एक लोकतांत्रिक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। भारत-अमेरिका संबंधों में आईसीईटी को नेक्स्ट बिग थिंग (एक बड़ा कदम) बताया जा रहा है। मंगलवार को यहां व्हाइट हाउस में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और भारत के अजित डोभाल द्वारा इसकी शुरूआत की गई थी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, राष्ट्रपति का मानना है कि यह पहल अमेरिका और भारत के लिए एक लोकतांत्रिक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों व हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए, हम इसे भारत के साथ बेहद महत्वपूर्ण पहल और साझेदारी के रूप में देखते हैं।

आईसीईटी का मई 2022 में तोक्यो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच बैठक के बाद पहली बार एक संयुक्त बयान में उल्लेख किया गया था। इसका मकसद दोनों देशों की सरकारों, व्यवसायों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सामरिक प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ाना तथा उसे विस्तार देना है। ज्यां-पियरे ने बुधवार को एक सवाल के जवाब में कहा, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोदी ने इस पहल की घोषणा तब की जब वे पिछले साल मई 2022 में एक बैठक में (तोक्यो में) मिले थे और अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों को महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों में हमारी साझेदारी का नेतृत्व करने का निर्देश दिया।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129, 9430990555